

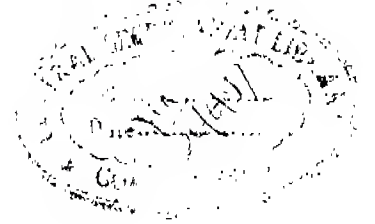


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खंड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 213]
No. 213]

नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 31, 1997/चैत्र 10, 1919
NEW DELHI, MONDAY, MARCH 31, 1997/CHAITRA 10, 1919

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

सं. 1/1997—2002

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1997

सा. का. नि. 283 (अ).—विदेश व्यापार (विक्रम एवं विनियमन) अधिनियम, 1992 (1992 की सं. 22) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार इस अधिसूचना के अनुलग्नक में अंतर्निष्ठ निर्यात एवं आयात नीति, 1997—2002 को अधिसूचित करती है। यह प्रथम अंश, 1997 से लागू होगी।

2. इसे सार्वजनिक हित में जारी किया जाता है।

[फा. सं.-पी आर यू/ए एम/96-97/नीति से जारी]

एस. बी. महापात्र, महानिदेशक, विदेश व्यापार

एवं पदेन अपर सचिव

निर्यात एवं आयात नीति

1 अप्रैल 1997—31 मार्च 2002

प्राकथन

निर्यात-आयात नीति, 1992-97 भारत की अर्थव्यवस्था के इतिहास में एक युगान्तरकारी घटना थी। पहली बार विभिन्न संरक्षणकारी और नियन्त्रणकारी नीतियों को समाप्त करने तथा देश को विश्वेन्दुषी अर्थव्यवस्था की दिशा में आगसर करने के लिए समुप प्रयास किया गया था। यह नीति 8 वीं पंचवर्षीय योजना की अवधि तक थी और इससे निर्यात में प्रभावशाली संवृद्धि हुई। 1991-92 के दौरान वहाँ भारत का कुल निर्यात 17.86 बिलियन अमरीकी डॉलर था, 1995-96 के दौरान बढ़कर 31.8 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया। भारत का विश्व व्यापार में हिस्सा बढ़ा है और सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में निर्यात का हिस्सा जो 1991-92 में 7.3% था 1995-96 में बढ़कर 9.9% हो गया है। 9वीं पंचवर्षीय योजना अवधि के दौरान वाणिज्य मंत्रालय ने वर्ष 2002 तक 90-100 बिलियन अमरीकी डॉलर का निर्यात लक्ष्य एवं विश्व व्यापार में 1% हिस्सा प्राप्त करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। इन कारकों को ध्यान में रखते हुए, नयी निर्यात-आयात नीति, 1997-2002 तैयार की गई है। नयी नीति में पिछली नीति के फायदों को सुदृढ़ करने और उदारीकरण की प्रक्रिया को अग्रे बढ़ाने का प्रयास किया गया है। हमारा प्रयास रहा है कि प्रक्रियाओं को विनियमित किया जाए एवं सरल बनाया जाए ताकि वरिष्ठ रूप से मध्यात्मक प्रतिस्पर्धियों को हटाया जा सके और निर्यात करने वाले समुदाय के लिए सौहार्दकारी वातावरण बनाया जा सके।

सी आई आई, फिस्की, एसोसि, फिरो जैसे विभिन्न शीर्ष व्यापार निर्यातों और विभिन्न निर्यात संवर्धन परिष्कृत तथा संरक्षणों ने इस नीति को तैयार करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने विभिन्न स्तरों पर अनेक सीमिनार/वर्कशॉप आयोजित किए हैं और नीति व प्रक्रिया के सरलीकरण हेतु रचनात्मक सुझाव दिए हैं। मैं उन्हें धन्यवाद देता हूँ।

मैं इस अवसर पर श्री पी.पी. प्रभु, सचिव «वाणिज्य», श्री एम.एस. मल्लुवालिया, सचिव «वित्त», श्री एन.के. सिंह, सचिव «राजस्व», श्री एस.डी. मोहिले, अध्यक्ष, सी बी ई सी, वाणिज्य मंत्रालय और वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के प्रति उनके निरन्तर मार्गदर्शन और सहयोग के लिए हार्दिक आभार प्रकट करता हूँ। मैं श्रीमती एल.एम.वास, निर्यात आसुस्त और नीति अनुसंधान वृन्धि और नीति प्रकोष्ठ के अधिकारियों और कर्मचारियों को भी धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने व्यापार और उद्योग क्षेत्रों से प्राप्त सभी सुझावों को ठीक ढंग से संकलित और समीक्षित किया और नीति में अधिक सरलता और सुस्पष्टता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इन परिवर्तनों को सकारात्मक दृष्टिकोण से विरलेषित करके नीति में प्रतिबिम्बित किया। मैं विशेष व्यापार महानिदेशालय के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों, एन.आई.सी.-डी जी एक टी कंप्यूटर सेंटर और इस नीति के प्रकाशन के लिए भारत सरकार मुख्यालय के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ।

एस.बी. महापात्रा

॥ एस.बी. महापात्रा ॥

महानिदेशक, विशेष व्यापार

एवं

फोन अपर सचिव,

नई दिल्ली

31 मार्च, 1997

अध्याय - एक

प्रस्तावना

- अभिप्रेक्षा** 1.1 विदेश व्यापार विकास और विनियमन अधिनियम 1992 [1992 की संख्या 22] की धारा 5 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार 1997-2002 की अवधि के लिए निर्यात एवं आयात नीति को अभिसूचित करती है ।
- अवधि** 1.2 यह नीति 1 अप्रैल, 1997 से लागू होगी तथा पांच वर्ष की अवधि अर्थात् 31 मार्च, 2002 तक प्रभावी रहेगी और यह नवीं पंचवर्षीय योजना की अवधि [1997-2002] के साथ सह-विस्तारी रहेगी । संशोधन 1.3 केन्द्रीय सरकार के पास यही धारा -5 में दी गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए अतिरिक्त में इस नीति में कोई संशोधन कर सकती है । ऐसे संशोधन भारत के राजपत्र में प्रकाशित सार्वजनिक सूचनाओं के द्वारा अभिसूचित किए जाएंगे ।
- अन्तः कालौन व्यवस्था** 1.4. पूर्व निर्यात-आयात नीतियों के अन्तर्गत जारी की गई कोई भी अभिसूचना या सार्वजनिक सूचना या अन्य व्यवस्था जो इस नीति के प्रारम्भ होने से पूर्व लागू थी, यदि इस नीति के प्रावधानों से असंगत न हों, लागू रहेगी तथा उन्हें इस नीति के तहत जारी किया गया माना जाएगा । इस नीति से पूर्व जारी किए गए लाइसेंस, उनमें अनुमतियों के आयात/निर्यात के लिए मान्य रहेंगे जब तक अन्यथा अनुबन्धित न किया गया हो ।
- 1.5 यदि इस नीति के तहत मुक्त रूप से किए जा सकने वाले किसी निर्यात या आयात पर बह में कोई प्रतिबंध लगाया जाता है या उसे विनियमित किया जाता है तो ऐसे प्रतिबंध या विनियमन के बावजूद सामान्यतः ऐसे निर्यात या आयात की अनुमति प्रदान की जाएगी, जब तक कि अन्यथा अनुबन्धित न किया गया हो, बशर्ते कि ऐसे प्रतिबन्ध से पूर्व स्थापित एक अप्रतिस्पर्धात्मक शासक-पत्र द्वारा स्थापित किसी औ औ ईर के प्रति ऐसे निर्यात या आयात का पोतलक्षण ऐसे प्रतिबन्ध के लागू होने के 45 दिन के अन्दर हो जाए ।

अध्याय-दो

उद्देश्य

2.1 इस नीति के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं :-

- 111 विश्व- बाजार के बढ़ते हुए अवसरों से अधिकतम फायदा उठाने के उद्देश्य से देश को विश्व अभिमुख अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ाना ;
- 121 उत्पादन बढ़ाने के लिए अपेक्षित अवसरक कच्चे माल, मध्यस्थों, संपदकों, उपभोग्यों तथा पूंजीगत माल को आसानी से उपलब्ध करवाकर सतत आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करना ;
- 131 भारतीय कृषि, उद्योग और सेवाओं की प्रौद्योगिक क्षमता और कुशलता को बढ़ावा देना और नए रोजगार के अवसर पैदा करके उनकी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता में सुधार लाना; गुणवत्ता के अन्तरराष्ट्रीय स्तर से स्वीकार्य मानकण्डों को प्राप्त करने को प्रोत्साहित करना ।
- 141 उपभोगस्तोत्रों को उचित मूल्यों पर बढ़िया उत्पाद उपलब्ध कराना ।

2.2 निर्यात संवर्धन के द्वि में सभा दृष्टिकोण और समर्पण एवं सर्वोत्तम रूप से सुविधाएं प्रदान करने के लिए इन उद्देश्यों को सामान्य रूप से सरकार के सभी विभागों के समन्वित प्रयासों और विशेषकर वाणिज्य मंत्रालय एवं विदेश व्यापार मन्त्रालय तथा इसके क्षेत्रीय कार्यालयों के नेटवर्क के जरिए प्राप्त किया जाएगा ।

अवधारणाएँ

परिभाषा

- 3.1 इस नीति के अन्वये के लिए, जब तक कि संदर्भ में अन्यथा उपरोक्त न हो, निम्नलिखित पदों में दिए गए शब्दों और अभिव्यक्तियों के निम्नलिखित अर्थ हों :-
- 3.2 "उपग्रह" या "संलग्नी" का अर्थ है एक पूर्वा, उपसंयोजक अथवा संयोजक जो उपग्रह के मूल कक्षा को परिवर्तित किए बिना उपग्रह के एक अंश की कार्यक्षमता या कारगरता में सहयोग देता है ।
- 3.3 "अधिनियम" का अर्थ है-विदेश व्यापार विभाग एवं विनियम अधिनियम, 1992 की संख्या 22।
- 3.4 "वास्तविक उपरोक्ता" का अर्थ है वास्तविक उपरोक्ता जो औद्योगिक अथवा गैर-औद्योगिक सकता है ।
- 3.5 "वास्तविक उपरोक्ता औद्योगिक" का अर्थ उस व्यक्ति से है जो अद्यतन माल का प्रयोग अपनी निजी शक्ति में विनिर्माण के लिए अथवा फुटकर सक्षि किसी अन्य शक्ति में अपने निजी प्रयोग के लिए करता है ।
- 3.6 "वास्तविक उपरोक्ता गैर-औद्योगिक" का अर्थ उस व्यक्ति से है जो अपने स्वयं के इस्तेमाल के लिए अद्यतन सामग्री का निम्न में इस्तेमाल करता हो :-
- ॥1॥ कोई भी वाणिज्यिक प्रतिष्ठान जो कोई व्यवसाय, व्यापार या सेवा कर रहा हो ; या
- ॥2॥ कोई भी प्रयोगशाला, वैज्ञानिक या अनुसंधान और विकास संस्था, विश्वविद्यालय या अन्य शैक्षिक संस्था या अस्पताल ; या
- ॥3॥ कोई भी सेवा उद्योग ।
- 3.7 "अग्रिम लाइसेंसिंग समिति" का अर्थ है शुल्क मुक्त स्कीम के अग्रिम लाइसेंस प्रदान करने के लिए स्थापित करने वाली विदेश व्यापार प्रदानविशालय की अग्रिम लाइसेंसिंग समिति ।
- 3.8 "आवेदन" का अर्थ है वह व्यक्ति जिसकी तरफ से आवेदन किया जाए और जहाँ संदर्भ में आवश्यकता हो, जिसमें आवेदन पर हस्ताक्षर करने वाला व्यक्ति भी शामिल है ।
- 3.9 निर्यात और आयात के "सरणीकरण" का अर्थ है केन्द्र सरकार द्वारा नामांकन की गई एजेंसियों के माध्यम से निर्यात और आयात करना ।

- 3.10 "पूँजीगत माल" का अर्थ है माल के, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष उत्पादन के लिए या सेवा अर्पित करने के लिए अयोचित संबंध, मरिनरी, उपकरण या उपसाधन विभिन्न प्रतिस्पर्धा, आधुनिकीकरण, प्रौद्योगिकी के उन्मुख या विस्तार के लिए अयोचित सामग्री भी शामिल है। मरिनरी और उपकरण, रिजिस्ट्रेशन, प्रारंभिक उपकरण, उर्जा अर्पित करने वाले सेट, मरिन टूल्स, इन्जिनिअरिंग वर्क के लिए मैटेरियल और परीक्षण अनुसंधान और विकास, गुणवत्ता और प्रबंधन नियंत्रण के लिए उपकरण एवं उपकरण शामिल हैं। पूँजीगत माल को निर्माण, कर्म, कृषि, कलश पालन, पशु पालन, पुष्प कृषि, बागवानी, प्रत्यक्ष पालन, पूर्ण पालन और रेशम-उत्पादन एवं अंगुरोत्पादन के साथ-साथ सेवा विभाग में भी उपयोग में लाया जा सकता है।
- 3.11 "सक्षम प्राधिकारी" का अर्थ है- वह प्राधिकारी जो अधिनियम अथवा उसके तहत बने नियमों एवं आदेशों अथवा इस नीति के तहत किसी शक्ति का प्रयोग करने, कर्तव्य को पूरा करने के लिए सक्षम हो।
- 3.12 "संपर्क" का अर्थ है उप संयोजन या संयोजन का वह पुंजा जिससे एक विनिर्दिष्ट उत्पाद तैयार किया जाता है या जिसमें वह विघटित हो जाए। संपर्क में उसके सहायक या उपपंजी भी शामिल हैं।
- 3.13 "उपभोक्तृ" माल का अर्थ है कोई भी जो विनिर्माण प्रक्रिया में शामिल हो या जिसकी आवश्यकता हो परन्तु जो तैयार उत्पाद का भाग न हो। जहाँ भिन्न वास्तविक रूप में या पूर्णतया उपभोग कर लिया जाता है, उन्हें उपभोक्तृ में माना जाएगा।
- 3.14 "उपभोक्ता माल" का अर्थ तब के उस माल से है जो किसी अन्य संसाधन के बिना प्रमुख की आवश्यकताओं को सीधे ही पूरा कर सकता है और इसमें उपभोक्ता के लिए टिकाने वाला भी शामिल होगा।
- 3.15 "प्रतिस्तुलन व्यापार" "काउंटर ट्रेड" का अर्थ उस व्यवसाय से है जिसके अन्तर्गत भारत से/को किया जाता वाला आयात/निर्यात व्यापार सम्प्रेषित या अन्वया के तहत आयात/निर्यात करने वाले देश से सीधे अथवा तीसरे देश के जरिये संतुलित होता हो। प्रतिस्तुलन व्यापार "काउंटर ट्रेड" के अन्तर्गत निर्यात/आयात की अनुमति एकल ट्रेड, वापस खरीदने की व्यवस्था, वस्तु-विनिमय व्यापार या किसी ऐसी ही अन्य व्यवस्था के अन्तर्गत दी जा सकती है। ऐसा प्रतिस्तुलन पूर्णतया वा आंशिक तौर पर नकद, माल और/वा सेवाओं के रूप में हो सकता है।
- 3.16 "डी ई ई सी" का अर्थ शुल्क मुक्त स्कीम के अधीन जारी शुल्क मुक्त हकदारी प्रमाणपत्र से है।
- 3.17 "नामित प्राधिकारी" का अर्थ, डायरेक्ट रेजिस्ट्रार/पासबुक स्कीम संचालित करने के लिए, विदेश व्यापार प्रशाक्षेत्राध्य के उस अधिकारी से है जिसका स्तर उद्योग से कम न हो।
- 3.18 भारत में विनिर्दिष्ट और निर्यात किए गए किसी माल के संबंध में "शुल्क वापसी" का अर्थ है किसी आयातित माल पर अथवा ऐसे माल के विनिर्माण में प्रयुक्त उत्पाद-शुल्क देव माल पर उगाहे जाने वाले शुल्क में कटौती। भारत में विनिर्दिष्ट पूँजीगत माल सहित आयातित कल-पूर्व, यदि आपूर्ति की गई है, माल में शामिल हैं।

- 3.19 "निर्यात अभिमुख कृति" का अर्थ निर्यात अभिमुख कृति से है ।
- 3.20 "निर्यात संसाधन क्षेत्र" का अर्थ निर्यात संसाधन क्षेत्र से है ।
- 3.21 "उत्पाद शुल्क देय माल" का अर्थ है- कोई माल जिसका भारत में निर्माण किया गया हो और वह केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा नग्न अधिनियम, 1944 11944 उत्पाद शुल्क के अधधीन हो ।
- 3.22 "निर्यातक" का अर्थ उस व्यक्ति से है जो निर्यात करता है, निर्यात करना चाहता है और जो निर्यातक-आयातक कोड नम्बर धारक हो ।
- 3.23 "निर्यात सन/व्यापार सन/स्टार व्यापार सन/सुपर स्टार व्यापार सन" का अर्थ है वह "निर्यातक" जिसके पास प्रहानिदेशक विशेष व्यापार द्वारा जारी किया व्यापार सन/स्टार व्यापार सन/सुपर स्टार व्यापार सन प्राप्त-प्र हो ।
- 3.24 "निर्यात बाधित्व" का अर्थ है- लाइसेंस अथवा अनुज्ञा में शामिल उत्पाद अथवा उत्पादों का लाइसेंसिंग या सक्षम प्राधिकारी द्वारा क्या निर्धारित अथवा क्या निम्नों में निर्यात करने का बाधित्व ।
- 3.25 "प्रघ" का अर्थ विशेष व्यापार विकास एवं विनियमन अधिनियम 1992, या उससे अधीन की निम्नों तथा अदेशों या प्रक्रिया-पुस्तक खण्ड-1 में दिए गए प्रघ से है ।
- 3.26 "प्रक्रिया पुस्तक खण्ड-1" का अर्थ प्रक्रिया-पुस्तक खण्ड-1 से है और "प्रक्रिया खण्ड-2" का नीति के पैरा 4.11 के पैरा के प्रावधानों के अधीन प्रकाशित प्रक्रिया-पुस्तक खण्ड-2 से है ।
- 3.27 "आयातक" का अर्थ उस व्यक्ति से है जो आयात करता है, आयात करना चाहता है और जो आयातक-निर्यातक कोड नम्बर धारी हो ।
- 3.28 "जाँच" का अर्थ है- जाँच कर के आधुनिक कच्चे माल या अर्ध-परिष्कृत माल का प्रसंस्करण या उसमें परिवर्तन करना ताकि प्रक्रिया का कोई हिस्सा या संपूर्ण प्रक्रिया पूरी हो सके जिसके परिणामस्वरूप वस्तु का विनिर्माण या परिष्करण हो या कोई भी कार्रवाई जो उपरोक्त प्रक्रिया के लिए जरूरी हो ।
- 3.29 "लाइसेंसिंग प्राधिकारी" का अर्थ उस प्राधिकारी से है जो अधिनियम/अदेश के अधीन लाइसेंस देने के लिए सक्षम हो ।
- 3.30 "लाइसेंसिंग वर्ष" का अर्थ उस वर्ष से है जो प्रथम अप्रैल से आरम्भ होकर आगामी वर्ष के 31 मार्च को समाप्त हो ।

- 3.31 "विनिर्माण" का अर्थ है- विरोध नाम, गुण वा उपयोग वाला नया उत्पाद जो हाथ अथवा मशीन से बनाया, उत्पन्न किया, गढ़ा गया, संशोधित किया गया, संसाधित किया गया अथवा तैयार किया गया हो और उसमें ऐसे संसाधन शामिल हैं, जैसे रेफ्रिजरेशन, फुन: पैकिंग, पोलिशिंग, लेबलिंग और अलग-अलग विनिर्माण में इस नीति के उद्देश्य के लिए कृषि, कृषि-उत्पादन, पशु-उत्पादन, पशु-कृषि, बगवानी, मत्स्य-उत्पादन, मृदा-उत्पादन और रेशम-उत्पादन, अंगुरोत्पादन एवं अन्य भी शामिल हैं ।
- 3.32 "विनिर्माता निर्यातक" का अर्थ उस व्यक्ति से है जो माल का निर्माण करता है तथा उनका निर्यात करता है अथवा ऐसे माल का निर्यात करना चाहता है ।
- 3.33 "व्यापारी निर्यातक" का अर्थ उस व्यक्ति से है जो व्यापार के कार्य और निर्यात के कार्य में संलग्न हो अथवा माल निर्यात करना चाहता हो ।
- 3.34 "अधिपक्ष" का अर्थ उस अधिपक्ष से है जो सरकारी राजस्व में प्रसारित की जाए ।
- 3.35 "अज्ञेय" का अर्थ है अधिनियम के तहत केन्द्रीय सरकार द्वारा बनाया गया अज्ञेय ।
- 3.36 "पुर्ज" का अर्थ है उपसंयोजन वा संयोजन का एक तत्व जो सामान्यतया स्वयं उपयोगी न हो और जो रख-रखाव के उद्देश्य के लिए अग्रे से असंयोजन के लिए संयोजन करने के योग्य न हो । "पुर्जा" एक संघटक अथवा उपसाधन हो सकता है ।
- 3.37 "व्यक्ति" का अर्थ है एक व्यक्ति फर्म, सोसायटी, कम्पनी, कॉर्पोरेशन अथवा अन्य कोई वैध व्यक्ति ।
- 3.38 "नीति" का अर्थ है समग्र समग्र पर व्यापारोन्मुख निर्यात और आयात नीति, 1997-2002
- 3.39 "निर्धारित" का अर्थ है विदेश व्यापार विकास और विनियम अधिनियम, 1992 §1992 की संख्या 22§ अथवा इसके तहत अथवा नीति के अन्तर्गत बनाये गए नियमों और अज्ञेयों के तहत निर्धारित ।
- 3.40 "सार्वजनिक सुचना" का अर्थ नीति के पैरा 4.11 के प्रावधानों के अधीन प्रकाशित सार्वजनिक सूचना से है ।
- 3.41 "कृषी सम्पत्ती" का अर्थ है -
- §1§ मूल सम्पत्ती जिसकी माल के विनिर्माण में आवश्यकता होती है, परन्तु वह कृषी, प्राकृतिक, अपरिष्कृत अथवा अविनिर्मित अवस्था में हो ; और
- §2§ किसी विनिर्माण के लिए वह सम्पत्ती वा माल जिसकी उसे विनिर्माण प्रक्रिया में आवश्यकता होती हो, बड़े वह सम्पत्ती वा माल वास्तव में पहले से विनिर्मित हो वा उनको संसाधित किया जाए वा वह अब भी कृषी वा प्राकृतिक अवस्था में हो ।

- 3.42 "क्षेत्रीय आयोग लाइसेंसिंग समिति" का अर्थ क्षेत्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकारी के कार्यालय में कार्य कर रही आयोग लाइसेंसिंग समिति से है ।
- 3.43 "क्षेत्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकारी" का अर्थ विदेश व्यापार ऋणनिदेशालय द्वारा इस सम्बंध में निर्धारित किसी क्षेत्र या अंचल के सम्बंध में लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाली शक्तियों से है ।
- 3.44 "पंजीकरण-सह-सहस्यता प्रमाण पत्र" §आर.सी.एम.सी§ का तात्पर्य नीति या प्रक्रिया §खण्ड-1§ में क्या निर्धारित किसी निर्यात संवर्धन परिष्कृत या किसी अन्य संरक्षण प्राधिकारी द्वारा प्रदान किए गए सहस्यता-सह-पंजीकरण प्रमाण-पत्र से है ।
- 3.45 "नियमों" का अर्थ है अधिनियम के खण्ड 19 के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार द्वारा बनाए गए नियम ।
- 3.46 "विशेष आयोग लाइसेंसिंग समिति" का अर्थ विदेश व्यापार ऋणनिदेशालय द्वारा अधिसूचित किए जाने वाले निर्यात-उत्पादन प्रमाणपत्रों की स्वीकारिता करने वाली विदेश व्यापार ऋणनिदेशालय की विशेष आयोग लाइसेंसिंग समिति से है ।
- 3.47 "सेवा प्रदान करने वाला" का अर्थ है वह व्यक्ति जो :-
 §क§ भारत से किसी और देश के लिए सेवा प्रदान करता है ;
 §ख§ भारत में किसी और देश के उपभोक्ता को भारत से प्रदान की गई सेवा की आपूर्ति करता है ; और
 §ग§ भारत से किसी अन्य देश की धरती पर व्यापारिक उपस्थिति द्वारा सेवा की आपूर्ति करता है ।
- 3.48 "सेवाओं" में कंप्यूटर सॉफ्टवेयर भी शामिल हैं ।
- 3.49 "विशेष आयात लाइसेंस" का अर्थ नीति के अधीन जारी हुक्त रूप से हस्तान्तरणीय विशेष आयात लाइसेंसों से है ।
- 3.50 "अतिरिक्त पूर्ण" का तात्पर्य प्रतिस्थापन के लिए किसी उप-असेम्बली या असेम्बली के अर्थात् किसी समान या एक ही तरह के भाग या उप-असेम्बली या असेम्बली के स्थान पर रखे जाने वाले किसी भाग से है । अतिरिक्त पूर्ण में संघटक या सहायक उपकरण शामिल होते हैं ।
- 3.51 "विनिर्दिष्ट" का तात्पर्य इस नीति के प्रावधानों द्वारा या के तहत विनिर्दिष्ट से है ।
- 3.52 "कच प्राणी" का अर्थ है कोई कच प्राणी जो कच प्राणी §सुरक्षा अधिनियम, 1972 के खण्ड 2 §36§ में परिभाषित है ।
- 3.53 "जोन्स आयोग लाइसेंसिंग समिति" का अर्थ शुल्क हुक्त स्कीम के अधीन लाइसेंस प्रदान करने के लिए स्वीकारिता करने वाली संयुक्त ऋणनिदेशालय विदेश व्यापार कार्यालय, गुवाहटी, कलकत्ता, दिल्ली और चेन्नई की जोन्स आयोग लाइसेंसिंग समिति से है ।

अध्याय- चार

निर्यात एवं आयात से संबंधित सामान्य प्रावधान

- आयात और निर्यात 4.1 इस नीति के प्रावधानों अथवा तत्सम्य लघु अन्य कानूनों द्वारा जिस सीमा तक विनियमित होते हैं, को सुक्त जब तक कि विनियमित न हो
- विनियमन 4.2 केन्द्रीय सरकार, लोकियत में आयात अथवा निर्यात किए जाने वाले माल को आयात के लिए निषेधात्मक सूची अथवा निर्यात के लिए निषेधात्मक सूची, जैसा भी मामला हो, के द्वारा विनियमित करेगी ।
- निषेधात्मक सूची 4.3 आयात की निषेधात्मक सूची में वह माल शामिल है जिसका आयात निषिद्ध है लाइसेंस के माध्यम से अथवा प्रतिबंधित अथवा सरणीबद्ध है । आयात की निषेधात्मक सूची तथा निर्यात की निषेधात्मक सूची द्वारा: इस नीति में दी गई सूची अनुसार होगी ।
- निषिद्ध माल 4.4 आयात की निषेधात्मक सूची की शर्तों का आयात नहीं किया जाएगा और निर्यात की निषेधात्मक सूची की शर्तों का निर्यात नहीं किया जाएगा ।
- प्रतिबंधित माल 4.5 कोई भी माल, जिसका निर्यात अथवा आयात लाइसेंसिंग के द्वारा प्रतिबंधित किया गया है, उसका इसके लिए जारी किए गए लाइसेंस के अनुसार ही निर्यात अथवा आयात किया जा सकेगा ।
- लाइसेंस की शर्तें 4.6 लाइसेंस में विनिर्दिष्ट वैधता अवधि तक वैधता अवधि तक वैध होगा तथा इसमें दी गई शर्तें, लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा क्या विनिर्दिष्ट होगी तथा इसमें निम्नलिखित सम्मिलित होंगी :-
- ॥क॥ माल की मात्रा, विवरण एवं मूल्य ;
 - ॥ख॥ वास्तविक उपयोगिता शर्तें ;
 - ॥ग॥ निर्यात बाध्यत्व ;
 - ॥घ॥ प्राप्त किया जाने वाला मूल्य परिवर्धन ;
 - ॥ङ.॥ न्यूनतम निर्यात मूल्य ; और
- लाइसेंस अधिकार नहीं 4.7 कोई भी व्यक्ति लाइसेंस को अधिकार सम्पन्न नहीं ले सकता तथा अमानिष्ट, विदेश व्यापार या लाइसेंसिंग प्राधिकारी को, अधिनियम के प्रावधानों और उसके अंतर्गत होने नियमों के अनुसार लाइसेंस देने से इंकार करने या नवीकरण न करने का अधिकार है ।
- सरणीबद्ध वस्तुएं 4.8 किसी भी माल जिसका आयात अथवा निर्यात सरणीबद्ध किया गया है, का विनिर्दिष्ट सरणीबद्ध अधिकारण द्वारा आयात अथवा निर्यात किया जा सकेगा । तथापि, अमानिष्ट विदेश व्यापार किसी भी सरणीबद्ध माल के आयात अथवा निर्यात के लिए किसी अन्य व्यक्ति को लाइसेंस दे सकता है ।

- आयातक-निर्वाहक कोड नम्बर** 4.9 किसी भी व्यक्ति द्वारा आयातक-निर्वाहक कोड नम्बर 'आई ई सी' के बिना तब तक किसी माल का निर्यात या आयात नहीं किया जाएगा जब तक अधिनियम के अधीन विशेष रूप से छूट न दी गई हो ।
आयातक-निर्वाहक कोड नम्बर, प्रक्रिया पुस्तक 'भाग-1' में विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार सक्षम प्राधिकारी द्वारा आवेदन के आधार पर प्रेषित किया जाएगा ।
- पंजीकरण एवं सस्वता प्रमाणपत्र** 4.10 कोई व्यक्ति जो '1' आयात/निर्यात के लिए लाइसेंस अथवा '2' इसी नीति के अधीन कोई अन्य लाभ या रियायत के लिए आवेदन करता है उसे प्रक्रिया पुस्तक 'भाग-1' में विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार सक्षम प्राधिकारी द्वारा प्रेषित पंजीकरण एवं सस्वता प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा जब तक कि नीति के अधीन विशेष रूप से छूट न दी गई हो ।
- प्रक्रिया** 4.11 म्हानिदेशक, विदेश व्यापार किसी एक मामले में अथवा मामलों की श्रेणी में किसी भी आयातक अथवा निर्यातक या अन्य लाइसेंसिंग सक्षम अथवा अन्य प्राधिकारी इस अधिनियम के प्रावधानों, इसके अधीन बने आदेशों तथा इस नीति को लागू करने के उद्देश्य से कोई विशेष प्रक्रिया निर्धारित कर सकता है । ऐसी प्रक्रिया प्रक्रिया पुस्तक 'भाग-1' और प्रक्रिया पुस्तक 'भाग-2' और निर्यात व आयात के आई टी सी 'एच एस' कार्रवारों में सीमित होगी तथा सार्वजनिक सूचना द्वारा प्रकाशित की जाएगी । उक्त प्रक्रिया को उसी तरीके से सम्य-सम्य पर संशोधित किया जा सकेगा ।
- कम्यू का अनुपलब्ध** 4.12 प्रत्येक निर्यातक या आयातक को, विदेश व्यापार 'विकास एवं विनियम' अधिनियम 1992 के प्रावधानों, इसके अन्तर्गत बनाए गए नियमों और आदेशों, इस नीति के प्रावधानों तथा उसको दिए गए लाइसेंस की शर्तों और उस सम्य लागू कम्यू का अनुपलब्ध करना होगा ।
- नीति की व्याख्या** 4.13 इस नीति में दिए गए किसी भी प्रावधान के स्पष्टीकरण के बारे में यदि किसी भी प्रकार का प्रश्न अथवा शंका उत्पन्न होती है तो ऐसे प्रश्न अथवा शंका को म्हानिदेशक, विदेश व्यापार को भेजा जाएगा तथा उनका निर्णय अंतिम व बाध्यकर होगा ।
संदेहों को दूर करने के लिए, एतद्द्वारा यह घोषणा की जाती है कि यदि वह प्रश्न अथवा शंका उत्पन्न होती है कि क्या लाइसेंस नीति के अनुसार जारी किया गया है अथवा लाइसेंस की सीमा और विषय-वस्तु के बारे में कोई प्रश्न उठता है तो ऐसे प्रश्न को निर्णय हेतु म्हानिदेशक, विदेश व्यापार के पास भेजा जाएगा ।
- नीति/प्रक्रिया से छूट** 4.14 इस नीति अथवा प्रक्रिया में ढील प्राप्त करने के लिए इस आधार पर किया गया अनुरोध कि आवेदक को वास्तव में कठिनाई है अथवा नीति या प्रक्रिया को कड़ाई से लागू करने पर व्यापार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है, को म्हानिदेशक, विदेश व्यापार को अवश्य ढील के लिए भेजा जा सकता है । उस पर म्हानिदेशक, विदेश व्यापार जैसा उचित समझे, ऐसा आदेश पारित कर सकते हैं या ढील या छूट दे सकते हैं । म्हानिदेशक विदेश व्यापार लोकहित में किसी भी व्यक्ति या वर्ग या व्यक्तियों की श्रेणी को इस नीति की किसी प्रक्रिया से या किसी प्रक्रिया से छूट दे सकते हैं या ऐसे छूट देते सम्य वह ऐसी शर्तें लगा सकते हैं जैसाकि वह उचित समझे ।

निर्जीबद्ध गोदाम 4.15 घरेलू टैरिफ क्षेत्र में निर्जीबद्ध गोदाम बनाए जा सकते हैं। कोई भी व्यक्ति उन वस्तुओं का आयात कर सकता है जो मुक्त रूप से आयात योग्य हैं अथवा जिन्हें विशेष आयात लाइसेंस 'एस आई एल' के प्रति आयात किया जा सकता है तथा उन्हें ऐसे निर्जीबद्ध गोदामों में रख सकता है। ऐसी वस्तुओं को इस नीति के प्रावधानों के अनुसार और जहाँ कहीं जरूरी हो विशेष आयात लाइसेंस के प्रति घरेलू खपत के लिए जारी किया जा सकता है। ऐसे माल पर निकासी के सम्यक् लागू होने वाले सीमा शुल्क भी उभा किए जाएंगे। एक वर्ष की अवधि अथवा उस बढ़ी हुई अवधि के बाद जिसकी मंजूरी सीमाशुल्क प्राधिकारी हैं, वस्तुओं का आयातक, यदि घरेलू खपत हेतु वस्तुओं की निकासी नहीं करता तो, इस नीति के प्रावधानों के अनुसार और जहाँ कहीं जरूरी हो, लाइसेंस के प्रति वस्तुओं का पुनः निर्यात कर सकता है।

फ़ौसी देशों के साथ व्यापार 4.16 ऋक्षान्तरिक विदेश व्यापार सम्य-सम्य पर आवश्यकता पड़ने पर ऐसे अनुरोध जारी कर सकते हैं अथवा ऐसी योजनाएँ बना सकते हैं जो फ़ौसी देशों के साथ व्यापार को बढ़ावा देने और आर्थिक संबंध मजबूत करने के लिए उपोक्षित हों।

ऋण की पुनः आयाजी करार के तहत उस के साथ व्यापार के मामले में, 4.17 ऋक्षान्तरिक, विदेश व्यापार सम्य-सम्य पर आवश्यकता अनुसार ऐसे अनुरोध जारी कर सकते हैं अथवा स्वीकृति बना सकते हैं जो आवश्यक हों तथा इस नीति में दिया गया कुछ भी जो इन अनुरोधों अथवा स्वीकृतियों के अनुस्यू नहीं है, लागू नहीं होगा।

माल लाने-ले जाने की सुविधा 4.18 भारत के फ़ौसी देशों को माल भेजने या वहाँ से लाने की सुविधा भारत और इन देशों के बीच हुई संधि के अनुसार विनियमित होगी।

अध्याय - पाँच

अध्यात

- सुस्त आयातशिक्षा 5.1 पूँजीगत माल, कच्चे माल, मध्यस्थों, संपर्कों, उपभोग्य पदार्थों, अतिरिक्त पूर्णों, उपसाधियों, केंद्रों और अन्य माल का आयात उस सीमा तक बिना किसी प्रतिबंध के किया जा सकता है जहाँ तक उनका आयात, आयात की निषेधव्यवस्था या इस नीति के किसी अन्य प्रावधान या उस सम्य लगू किसी अन्य कानून द्वारा नियंत्रित न होता हो ।
- वास्तविक उपभोग्यता 5.2 पूँजीगत माल, कच्चा माल, मध्यस्थ, संपर्क, उपभोग्य पदार्थ, अतिरिक्त पूर्ण, हिस्से पूर्ण उपसाधि, क्य रत और अन्य सामान जिनके आयात पर प्रतिबंध नहीं है उनका आयात किसी भी व्यक्ति द्वारा किया जा सकता है बड़े बड़े वास्तविक उपभोग्यता हो अथवा नहीं । तथापि, यदि इनके आयात के लिए लाइसेंस की जरूरत हो, तो केवल वास्तविक उपभोग्यता ही ऐसे माल का आयात कर सकता है बशर्ते कि लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा यह रत सम्पन्न न कर दी गई हो ।
- पुरानी वस्तुएं 5.3 पूँजीगत माल के अलावा सभी पुरानी वस्तुओं का आयात सार्वजनिक सूचना या इस सम्बंध में जारी लाइसेंस के अनुसार किया जा सकता है ।
- पुरानी पूँजीगत वस्तुओं का आयात 5.4 सभी पुरानी पूँजीगत वस्तुएं, जिनका न्यूनतम शेष जीवन 5 वर्ष का हो, वास्तविक उपभोग्यता रत और पुस्तक ॥खण्ड-1॥ में निर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार वास्तविक उपभोग्यता रत के अधीन लाइसेंस के बिना वास्तविक उपभोग्यता द्वारा आयात की जा सकती हैं ।
- उपहारों का आयात 5.5 उपहारों के आयात की अनुमति उस सम्य लगू सम्य-सम्य पर व्यापारोन्मुख अस्वाभाव नियमावली के अनुसार दी जाएगी । इस नीति के तहत वस्तुओं का आयात, जो कि अन्वया सुस्त रूप से आयात योग्य है, भी सीमारहित निकासी परामिट ॥सी सी पी॥ के बिना उपहारों के आयात के तौर पर करने की अनुमति होगी । अन्य मामलों में आवेदन करने पर लाइसेंसिंग प्राधिकारी, द्वारा मामले के गुणवत्ता पर विचार करने के बाद, आवश्यकता अनुसार सीमारहित निकासी परामिट जारी किया जा सकता है ।
- घड़ी के अस्वाभाव का आयात 5.6 वास्तविक घरेलू वस्तुओं और निजी सामान को घड़ी के निजी सामान के तौर पर आयात किया जा सकता है । ऐसी घड़ों के नष्ट जो अन्वया इस नीति के अधीन सुस्त रूप से आयात योग्य हैं, का भी लाइसेंस के बिना वैयक्तिक अस्वाभाव के रूप में आयात किया जा सकता है । विदेश से आने वाले निर्यातकों को भी, लाइसेंस के बिना, अपने वैयक्तिक अस्वाभाव के रूप में, उनके पास आए विविध आईरों के लिए अपेक्षित ट्रांश, पेटर्स, लेबल्स, प्राइस टैग्स, बटन और सेप्टल्स का आयात करने की अनुमति है ।

निर्यात आधार पर अयात 5.7 «क» नर अयात पुराने विमस, फिससपर्स, डाईज «रन्दूर रॉलर डाईज सक्षित», ग्राउल्डस «डाई-कास्टिंग के लिए ग्राउल्डस सक्षित» फेन्स और छुछण औजार: और निर्माण गरीनरी तथा निर्यात हेतु ग्रात की पैकिंग के लिए कंटेनरों व अन्य उपकरणों के लिए सीमारुक्त प्राधिकारियों की स्तुष्टि के अनुसार बंधपक्ष/बैंक गारंटी देने पर ग्रायत के लिए पूंजीगत ग्रात का अयात किया जा सकता है ।

«ख» ऐसी वस्तुओं का न्यूनतम शेष जीवन पाँच वर्ष होना जरूरी नहीं है ।

विदेश में ग्रायत की गई वस्तुओं का पुनः अयात 5.8 हवाई जहाज और उसके संचयकों सक्षित, पूंजीगत वस्तुओं के संचयक, अतिरिक्त पूर्ण और एक्सेसरीज, चढ़े अयातित हों या स्वदेशी, ग्रायत, परीक्षण, क्वालिटी सुधार अयात तकनालाजी के सुधार हेतु लाइसेंस के बिना विदेश भेजे जा सकते हैं लेकिन शर्त यह होगी कि पुनः अयात की जाने वाली वस्तुएं वहीं होनी चाहिए जिनका निर्यात किया गया था ।

विदेश में परिवोजना-नामों में प्रयुक्त गरीनरी और उपकरण का अयात 5.9 विदेश में परिवोजनाओं के पूरा हो जाने के बम परिवोजना ठेकेदार, विदेशी परिवोजना के लिए अन्य और इस्तेमाल का साक्ष्य प्रस्तुत करने के आधार पर बिना लाइसेंस के प्रयुक्त निर्माण उपकरण, गरीनरी, संबंधित अतिरिक्त पूर्ण ऐसी गरीनरी के लगत बीमा भाड़ा मूल्य के 15 प्रतिशत तक औजार तथा सहायक, उपकरण अयात कर सकते हैं । विदेश में परिवोजनाओं के पूरा होने के बम प्रयुक्त कार्यालय उपकरण तथा वाहन भी बिना लाइसेंस के अयात किए जा सकते हैं बशर्ते इनका कम से कम एक वर्ष तक इस्तेमाल किया जा चुका हो ।

कुछे समूह में बिक्री 5.10 भारत में अयात हेतु समूह में वस्तुओं की बिक्री इस नीति अयात उस समूह प्रभावी किसी अन्य नियम के तहत की जा सकती है ।

अध्याय - 6:

निर्यात संवर्धन पूर्वाग्रह बाल स्कीम

- स्कीम 6.1 पूर्वाग्रह वस्तुओं, नवी और पुरानी दोनों, का आयात निर्यात संवर्धन पूर्वाग्रह बाल ई पी सी वी॥ स्कीम के अन्तर्गत किया जा सकता है। पुरानी पूर्वाग्रह वस्तुओं का आयात प्रक्रिया पुस्तक खण्ड-1॥ में व्यापारिक शर्तों के अधीन होगा। ई.पी.सी.वी. बोक्सा के अधीन सामटेयर के निर्यात के लिए स्पष्ट सिस्टम का आयात भी किया जा सकता है।
- रिवायती शुल्क पर 6.2 रिवायती बरों पर पूर्वाग्रह वस्तुओं, अतिरिक्त हिस्से पुर्णों सहित, पूर्वाग्रह वस्तुओं के लगभग बीमा भाड़ा मूल्य के 20 प्रतिशत तक, का आयात किया जा सकता है बशर्ते नीचे दी गई तालिका के अनुसार निर्यात बाह्यव्यवस्था पर पूरा कर लिया गया हो। निर्यात पूरा करने की अधिक आयात लाइसेंस जारी होने की तारीख से शुरू हो जाएगी। इस नीति के निम्न विधेयों का भी गणना के लिए नीति के पैराग्राफ 12.6 के प्रावधान लागू होंगे।

सीमा शुल्क	निर्यात बाह्यव्यवस्था	अधीन
जहाज पर्यन्त निर्यात	निम्न विधेयों का	
आधारित	आधारित	

10 प्रतिशत 4 गुना लगभग बीमा लागू नहीं होता। 5 वर्ष
भाड़ा मूल्य

शुल्क शुल्क ॥ लगभग बीमा 6 गुना लगभग बीमा 5 गुना लगभग-बीमा 8 वर्ष
भाड़ा मूल्य 20 करोड़ भाड़ा मूल्य भाड़ा मूल्य
स्तर या अधिक होने के
प्राप्तों में ॥

शुल्क शुल्क वधि कृषि, जल 6 गुना लगभग-बीमा-भाड़ा 5 गुना लगभग-बीमा 6 वर्ष
कृषि, पशु पालन, प्रशोधन, मूल्य भाड़ा मूल्य
बागवानी, प्रसव पालन,
अभ्युत्पन्न, कृषिपालन और
रेशमोत्पन्न के लिए लगभग-
बीमा भाड़ा मूल्य 5 करोड़
रुपये है।

- पत्रा 6.3 ॥क॥ स्कीम के अधीन, विनिर्दिष्ट निर्यातक, सहायक विनिर्दिष्ट ॥जो॥ से सम्बन्धित व्यापारी निर्यातक और सेवा उपलब्ध करने वाले पूर्णकालीन माल का आयात करने के पत्र हैं ।
- ॥ख॥ यदि शुल्क शुल्क वोलना के तहत जारी लाइसेंस का उपयोग 20 करोड़ रुपये या 5 करोड़ रुपये मूल्य की वस्तुओं जैसा भी कम हो का आयात करने के लिए कर लिया गया है तो ऐसे आयात शुल्क वोलना के तहत नहीं आयेगी और आयातक को 24% ब्याज सहित पूर्ण सीमाशुल्क का तत्काल भुगतान सीमाशुल्क प्राधिकारी को करना होगा तथा इस आयात का सम्बन्ध एक माह की अवधि के भीतर प्रहरीनिदेशक, विशेष व्यापार को प्रस्तुत करना होगा ।
- पूर्णकालीन माल के आयात की शर्तें 6.4 स्कीम के अधीन पूर्णकालीन माल का आयात नए और पुराने दोनों, निर्यात दायित्व की पूर्ति तक वास्तविक उपभोक्ता शर्त के अधीन होगा ।
- निर्यात दायित्व 6.5 स्कीम के अन्तर्गत निर्यात दायित्व पूरा करने के लिए निम्नलिखित शर्तें लागू होंगी :-
- ॥1॥ स्कीम के अन्तर्गत आयातित पूर्णकालीन वस्तुओं के उपयोग द्वारा विनिर्दिष्ट या उत्पादित ऐसी वस्तुओं के निर्यात द्वारा निर्यात दायित्व पूरा किया जाएगा ।
- ॥2॥ ई पी सी जी लाइसेंसधारक के नाम से सीधा निर्यात होगा । तथापि, तीसरी पार्टी के माध्यम से निर्यात की भी अनुमति होगी बशर्तें ई पी सी जी लाइसेंसधारक का नाम जहाजरानी बिल में भी दर्शाया गया हो । यदि व्यापारिक निर्यातक, आयातक है तो सहायक निर्यात का नाम जहाजरानी बिल में दर्शाया जाएगा । निर्यात के समय, ई.पी.सी.जी. लाइसेंस सं. और तारीख जहाजरानी बिल पर पृष्ठान्त की जाएगी जिसे निर्यात दायित्व के निष्पादन के लिए प्रस्तुत किया जाना है ।
- ॥3॥ निर्यात माल, मुक्त रूप से परिवर्तनीय मुद्रा में वसूल की जाएगी ;
- ॥4॥ निर्यात वास्तव में निर्यात होगा । तथापि, नीति के पैरा 10.2 ॥क॥, ॥ख॥, ॥घ॥, ॥ङ॥ और ॥च॥ तथा निर्धारित मान्य निर्यातों को निर्यात दायित्व पूरा करने के लिए ध्यान में रखा जाएगा । ई पी सी जी लाइसेंस धारक ऐसे मान्य निर्यातों के सम्बंध में नीति के पैरा 10.3 के अधीन लाभों का दावा करने का हकदार होगा ।
- ॥5॥ निर्यात दायित्व, निम्नलिखित पैरा ॥6॥ में क्या निर्धारित शुल्क मुक्त स्कीम के अधीन सम्पन्न उत्पाद के लिए निर्यात दायित्व को छोड़कर आयातक द्वारा लिए गए किसी अन्य निर्यात दायित्व के अतिरिक्त होगा । निर्यात दायित्व किन्तु तीन लाइसेंसिंग वर्षों में उसके द्वारा प्राप्त किए गए उसी उत्पाद के निर्यातों के औसत स्तर से ज्यादा होगा । यदि निर्यातक संबंधित निर्यात उत्पाद के उत्पादन के वार्षिक मूल्य का 75 प्रतिशत निर्यात कर लेता है तो, ई पी सी जी लाइसेंस के अधीन निर्यात दायित्व निर्यात के अन्तर्गत शामिल कर लिया जाएगा, बशर्तें विनिर्दिष्ट अवधि के दौरान ऐसे निर्यातों का कुल मूल्य, इस नीति के पैरा 6.2 के अन्तर्गत निर्धारित निर्यात दायित्व के कुल मूल्य से कम नहीं होगा ।

- ४६४ जहाँ विनिर्माता निर्यातक ने उसी निर्यात उत्पाद के लिए ई पी सी जी और शुल्क मुक्त स्कीम दोनों के अंतर्गत लाइसेंस लिए हैं, पासबुक स्कीम सहित शुल्क मुक्त स्कीम के तहत किए गए वास्तविक निर्यात को इस स्कीम के तहत पूरे किए गए निर्यात बाकिय के रूप में भी गिना जाएगा; और
- ४७४ कंप्यूटर सॉफ्टवेयर कृषि, जल कृषि, पशु-पालन, पुष्पोत्पादन, बागवानी, प्रत्येक पालन, अंगुरोत्पादन, पूर्णपल्ल और रेसोरोत्पाद के मामले में, निर्यात बाकिय का निर्धारण इस नीति के पैराग्राफ ६.२ के अनुसार किया जाएगा किन्तु लाइसेंसधारक के लिए उपर्युक्त उप पैराग्राफ
- ४८४ में क्या निर्धारित निर्यातों के औसत स्तर को बनाए रखने की आवश्यकता नहीं होगी ।

- सीमाशुल्क से
माल की निकासी 6.6 इस स्कीम के अधीन जारी लाइसेंस पहले भेजे गए/प्राप्त हुए माल के लिए वैध होगा बशर्ते सीमाशुल्क का भुगतान न किया गया हो और माल की निकासी न हुई हो ।
- संघटकों और एस
के डी/सी के डी
अवस्था में माल
का आयात 6.7 कोई भी व्यक्ति ई पी सी जी के अधीन पूंजीगत माल को असेम्बल वा विनिर्माण करने के लिए एस के डी/सी के डी अवस्था में पूंजीगत माल वा ऐसे पूंजीगत माल के संघटकों का आयात करने के लिए लाइसेंस का आवेदन कर सकता है वह सुविधा पुर्जों को बदलने के लिए उपलब्ध नहीं है ।
- स्वदेशी रूप से
पूंजीगत माल को
प्राप्त करना 6.8 ई पी सी जी लाइसेंस धारक व्यक्ति पूंजीगत वस्तुएं आयात करने की बजाए घरेलू निर्माता से प्राप्त कर सकता है । पार्टियों के बीच फर्म कोरेक्ट के मामले में, घरेलू निर्माता उक्त पूंजीगत वस्तुओं के विनिर्माण हेतु पूंजीगत माल के लिए जिस दर पर ई पी सी जी लाइसेंस जारी किया गया है, आवश्यक संघटकों के आयात हेतु स्कीम के तहत आवेदन कर सकता है ।

घरेलू विनिर्माता ई पी सी जी लाइसेंसधारक को पूंजीगत माल की आपूर्ति के बाद संघटकों की प्रतियुक्ति भी कर सकता है । तथापि, ई पी सी जी लाइसेंस के संबंध में निर्यात बाकिय को वास्तव में उपयोग किए गए लाइसेंस के लगभग-बीमा-भाड़ा मूल्य के संदर्भ में गिना जाएगा ।

- घरेलू आपूर्तिकर्ता
को लाभ 6.9 ई पी सी जी लाइसेंसधारकों को पूंजीगत माल की आपूर्ति करने वाले घरेलू विनिर्माता पैरा 10.3 ४क४ विशेष अग्रिम लाइसेंस वा अन्य शुल्क ई पी सी जी लाइसेंसधारक को की जाने वाली आपूर्तियों के संबंध में 10.3४ख४ और 10.४ ई पी सी जी लाइसेंसधारक को की जाने वाली आपूर्तियों के संबंध में 10.3४ग४ के तहत मान्य निर्यात के लाभ पाने के पात्र होंगे । इसके अलावा, पैरा 10.3 ४ग४ और ४घ४ के अधीन रिवायती अन्य शुल्क ई पी सी जी लाइसेंस के तहत ऐसी आपूर्तियों के लिए मान्य निर्यात के लाभ भी उपलब्ध होंगे ।

- विधिक वफादारी
और/वा बैंक गारंटी 6.10 ४क४ लाइसेंस धारक लाइसेंसिंग प्राधिकारी को इस संबंध में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार निर्यात बाकिय की पूर्ति के लिए वफा देगा ।

॥स॥ लाइसेंस धारक सीमाशुल्क प्राधिकारियों के साथ, जैसाकि उनके द्वारा निर्धारित किया जाए, बैंक प्रतिभूति/प्रतिभू सक्षित बंधन का निष्पादन करेगा ।

॥ग॥ पूर्वीगत माल को स्वदेशी रूप से प्राप्त करने के मामले में, ई पी सी जी लाइसेंस धारक इस सम्बन्ध में निरिष्ट प्रक्रिया के अनुसार बैंक गारंटी/विधिक वफाबद्धता प्रस्तुत करेगा ।

नीति का अनुपालन 6.11 इस स्क्रीम के अधिन जारी लाइसेंसों के तहत किए गए निर्यात नीति के अध्याय 11 और प्रक्रिया पुस्तक ॥लण्ड-1॥ के अध्याय 11 के प्रावधानों के अधीन होंगे ।

वण्ड 6.12 यदि कोई ई पी सी जी लाइसेंस धारक लाइसेंस की किसी शर्त का उल्लंघन करता है या निर्यात वादित्य की पूर्ति में असमर्थ रहता है तो उसके विरुद्ध, अधिनियम और उसके तहत बने नियमों तथा आदेशों, नीति या उस सम्य लण्ड किसी अन्य कानून के अधीन, कार्रवाई की जा सकती है ।

अध्याय-सप्त

शुल्क मुक्त स्कीम

- शुल्क मुक्त स्कीम 7.1 शुल्क मुक्त स्कीम में शुल्क मुक्त लाइसेंस और शुल्क हमदारी पासबुक डी.ई.पी.बी. शामिल हैं ।
- शुल्क मुक्त लाइसेंस 7.2 "शुल्क मुक्त लाइसेंस" में आगम्य लाइसेंस में आगम्य लाइसेंस, आगम्य अन्तर्वर्ती लाइसेंस और विशेष आगम्य लाइसेंस शामिल हैं । शुल्क मुक्त लाइसेंस के प्रति कच्चे माल, अन्तर्वर्ती, संपदकों, उपभोग्यों, हिस्से पूर्णों, उप साधनों, जरूरी कल-पूर्वों जो लाइसेंस के लगत-बीमा-भाड़ा मूल्य के पाँच प्रतिशत से अधिक न हों और पैकिंग सामग्री और कंप्यूटर साफ्टवेयर जिससे इसके बाह निविष्टि रुका जाएगा के आयात की अनुमति है ।
- आगम्य लाइसेंस 7.3 आगम्य लाइसेंस सीमाशुल्क के भुगतान के बिना निर्यात किए जाने वाले माल के विनिर्माण के लिए उपेक्षित निविष्टियों के आयात के लिए व्यापारी निर्यातक या विनिर्माता निर्यातक को प्रदान किया जाता है । तथापि ऐसी निविष्टियों आयात के सम्य उत्पन्न शुल्क के बराबर अतिरिक्त सीमाशुल्क के भुगतान की शर्त के अधीन होंगे/उक्त अतिरिक्त सीमाशुल्क निम्नानुसार संयोजित किया जाएगा,
- क) यदि निर्यातक निर्यात वस्तुओं के उत्पादन के लिए निविष्टियों का प्रयोग करता है, जिन पर अन्यथा उत्पाद शुल्क लगेगा और जो मोडेक्ट के लिए पात्र है तो वह फैक्टरी में उक्त निविष्टियों के तत्काल प्रवेश के सम्य इस प्रकार दिए गए अतिरिक्त सीमाशुल्क के संबंध में मोडेक्ट क्रेडिट का उपयोग कर सकता है,
- ख) यदि निर्यातक निर्यात वस्तुओं के उत्पादन के लिए निविष्टियों का प्रयोग करता है, जिन पर अन्यथा उत्पाद शुल्क या शुल्क नहीं लगेगा या जो मोडेक्ट लाभ के लिए पात्र नहीं हैं तो वह वस्तुओं के निर्यात के सम्य दिए गए अतिरिक्त सीमाशुल्क के संबंध में किन्हीं ऐसी निविष्टियों का प्रयोग किया गया है शुल्क वापसी का दावा कर सकता है ।
- ग) यदि निर्यातक उत्पाद शुल्क योग्य वस्तुओं के डी टी ए में विनिर्माण और बिक्री के लिए निविष्टियों का प्रयोग करता है तो वह फैक्टरी में उक्त निविष्टियों के तत्काल प्रवेश के सम्य दिए गए अतिरिक्त सीमाशुल्क के संबंध में मोडेक्ट का दावा कर सकता है ।
- घ) यदि निर्यातक वस्तुओं के डी टी ए में विनिर्माण और बिक्री के लिए निविष्टियों का प्रयोग करता है जिन पर उत्पाद शुल्क या शुल्क लगेगा या वह मोडेक्ट लाभ के लिए पात्र नहीं है तो वह इस प्रकार दिए गए अतिरिक्त सीमाशुल्क में किसी छूट या समाशोचन का पात्र नहीं होगा ।

आगम्य लाइसेंस के अधीन आयात पर उठा किया गया अतिरिक्त सीमाशुल्क राजस्व विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार मोडेक्ट क्रेडिट या शुल्क वापसी के रूप में समाशोचित किया जाएगा ।

॥घ॥ निर्यातों/आपूर्तियों का पोत पर्यन्त निःशुल्क/रेल पर्यन्त निःशुल्क मूल्य

- निर्वाह उत्पन्न मानदण्ड** 7.8 शुल्क मुक्त लाइसेंस देने के लिए आवेदन और निर्यात के मानक निर्वाह उत्पन्न मानदण्ड अमानिफेस्ट, विदेश व्यापार द्वारा प्रकाशित प्रक्रिया-पुस्तक खण्ड -2॥ के अनुसार होंगे । तथापि, प्रक्रिया पुस्तक खण्ड-1॥ के पैरा 7.7 में सन्निहित ऐसा माल के सम्बन्ध में जिनके लिए ऐसे मानक निर्वाह-उत्पन्न मानदण्ड प्रकाशित नहीं किए गए हैं संश्लेष प्राधिकारी द्वारा मानदण्ड विनिर्दिष्ट किए जाएंगे ।
- मूल्य परिवर्धन** 7.9 जब तक अन्यथा विनिर्दिष्ट न हो, माल निर्वाह उत्पन्न मानदण्ड शुल्क मुक्त लाइसेंस का न्यूनतम मूल्य परिवर्धन 33% होगा । तथापि, अधिम लाइसेंसिंग समिति 25% और अपवाद के मामलों, में 25% से कम, मूल्य परिवर्धन पर शुल्क मुक्त लाइसेंस के अनुरोध पर विचार कर सकती है ।
- मूल्य परिवर्धन सुझा के तहत कम न होने वाले निर्यात** 7.10 निर्यात जिनका भुगतान मुक्त परिवर्धनीय सुझा में प्राप्त नहीं हुआ है, में मूल्य परिवर्धन प्रक्रिया पुस्तक खण्ड-1॥ के परिशिष्ट 39 में अनुसार होंगे । तथापि, अमानिफेस्ट विदेश व्यापार माल को इस बारे में उस द्वारा क्वालिफाईरिड वर्ग या श्रेणी के सम्बन्ध में कम मूल्य परिवर्धन, जो 75 प्रतिशत से कम न हो, की अनुमति दे सकती है ।
- तीसरी पार्टी निर्यात** 7.11 अधिम लाइसेंसधारक सीधे ही या किसी तीसरी पार्टी के जरिये निर्यात कर सकेगा और निर्यात बाधित्व को पूरा करेगा । तीसरी पार्टी के जरिये निर्यात के मामले में निर्यात से सम्बन्धित जहाजरानी बिल में लाइसेंसधारक और तीसरी पार्टी के नाम बराबर जाएंगे ।
- पुनः निर्यात के लिए ऑफिस, परम्पत आदि** 7.12 ॥1॥ पैरा 7.2 की शर्तों के अनुसार माल का आवेदन और उसकी मुक्त आपूर्ति की जाँच के प्रयोजन के लिए अनुमति दी जा सकती है ।
- ॥2॥ इसके अतिरिक्त, पैटर्न, ड्राइंग, बिस, टूल्स, फिक्स्चर्स, मोल्ड्स, टेम्प्लेट्स, कम्प्यूटर हार्ड वेयर, सॉफ्टवेयर, उपकरण और टैग्स का भी आवेदन किया जा सकता है यदि वे सीधे निर्यात आदेश से सम्बन्धित हैं और जिनकी विदेशी नेता द्वारा मुक्त आपूर्ति की गई है ।
- ॥3॥ इस प्रकार के आवेदन सीमाशुल्क प्राधिकारियों की स्तुति के अनुसार एक बंधन/बैंक गारन्टी के अन्तर्गत और ऐसी शर्तों के अधीन होगा जैसा कि सम्य-समय पर सीमाशुल्क प्राधिकारियों द्वारा निर्दिष्ट की जाए ।
- ॥4॥ अपरोक्ष को छोड़कर ऐसा आवेदित सभी माल पुनः निर्यात किया जाएगा । अपरोक्ष प्रक्रिया पुस्तक खण्ड-2॥ में प्रकाशित मानक निर्वाह उत्पन्न मानदण्डों की शर्तों के अनुसार तब की जाएगी और सीमाशुल्क प्राधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट अनुसार निष्पन्न किया जाएगा । जहाँ मानदण्ड अधिसूचित नहीं किए गए हैं वहाँ अपरोक्ष की सीमा सहजक सीमाशुल्क समझौता की स्तुति अनुसार होगी । प्राप्त किए जाने वाला मूल्य परिवर्धन 10% से कम नहीं होगा ।

४५४ आयातित जेन्स, ट्राइस, जिप्स, टल्स, फिस्सवर्स, मोल्डस, टेक्स्, कम्प्यूटर हार्डवेयर और उपकरणों को निर्यात दाखिल की पूर्ति के बाह रखा जा सकता है बशर्त कि ऐसी जेन्स आयात की निषेधप्रत्यक्ष सूची की जेन्स के लिए प्रतिधारण के अनुरोध आग्रह लाइसेंसिंग समिति को किए जा सकते हैं । तथापि, ऐसे माल का प्रतिधारण लागू सीमाशुल्कों के भुगतान की शर्त के अधीन होगा ।

उत्पादन कार्यक्रम 7.13 पूर्ववर्ती तीन लाइसेंसिंग वर्षों में विपत निर्यात निर्यातन वाले निर्यातक आग्रह लाइसेंस और आग्रह अन्तर्वर्ती लाइसेंस के लिए भी आवेदन कर सकते हैं । इसके अतिरिक्त वे निर्यात आदेश के बिना नीति के पैरा 10.2४४ के अधीन आने वाली श्रेणी को माल की आपूर्ति के लिए विशेष आग्रह लाइसेंस के लिए भी पात्र है । इस पैरा के अधीन हकदारी पूर्ववर्ती तीन लाइसेंसिंग वर्षों में उनके औसत वृद्धि पर्यन्त निर्यातक मूल्य के 100% तक होगी ।

निर्यात दाखिल 7.14 शुल्क मुक्त लाइसेंस के अधीन निर्यात दाखिल पूरा करने की अवधि, लाइसेंस जारी करने की तारीख से आरंभ होगी । निर्यात दाखिल केवल उन मामलों को छोड़कर 18 महीने की अवधि के भीतर पूरा करना होगा जिन मामलों में परिवोजना कार्यक्रम की निविदा अवधि के दौरान निर्यात दाखिल किया जाना जरूरी है और परिवोजनाओं के लिए विशेष आग्रह लाइसेंस के अधीन आपूर्ति की गई है ।

आग्रह रिलीज आदेश 7.15 शुल्क मुक्त लाइसेंसधारक जो सीधे आयात के बदले स्वदेशी स्रोतों से/सरणीकृत आभिकरणों/ई.ओ.यू./ई पी जेड/ई एच टी पी/एस टी पी यूनिटों से निविधियों प्राप्त करना चाहता है तो उसे उन निविधियों को आग्रह रिलीज आदेशों के प्रति विदेशी मुद्रा/भागीय रूप में प्राप्त करने का विकल्प होगा । ऐसे मामले में लाइसेंस सीधे आयात के लिए अमान्य हो जाएगा तथा आग्रह रिलीज आदेश जारी किया जाएगा जिससे आपूर्तिकर्ता माल निर्यात का हकदार हो जाएगा ।

बैक टू बैक अन्तर्वर्षीय साजपत्र 7.16 शुल्क मुक्त लाइसेंसधारक आग्रह रिलीज आदेश के लिए आवेदन करने के बजाए प्रक्रिया पुस्तक ४४७-1४ में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार बैक-टू-बैक अन्तर्वर्षीय साज पत्र का लाभ उठा सकता है ।

सीमाशुल्क से माल की निकासी 7.17 जो माल आयात किया जा चुका है परंतु लाहा गया/आ चुका है, लेकिन जिसकी सीमाशुल्क द्वारा निकासी नहीं की गई है वह माल बाह में जारी शुल्क मुक्त लाइसेंस के प्रति मुक्त कर दिया जाएगा । तथापि, आयातों की निषेधप्रत्यक्ष सूची में दी गई निविधियों के संबंध में उपर्युक्त सुविधा शुल्क मुक्त लाइसेंस के आवेदन की तारीख के बाह आयातित/लाहे गए/पहुंचे माल पर मिलेगी ।

लाइसेंस की प्रवारा में 7.18 ४४४ लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा आग्रह लाइसेंस और विशेष आग्रह लाइसेंस के लिए आवेदन पत्र की प्राप्ति की तारीख से किए गए निर्यात/आपूर्ति को निर्यात दाखिल पूरा

निर्यात

करने की दिशा में स्वीकार किया जा सकता है। तथापि, आगम्य अन्तर्वर्ती लाइसेंस के लिए आवेदन के मामले में केवल वही आपूर्ति निर्यात शक्ति के निष्पादन में शामिल होगी जो कि अन्तिम निर्यातक को अवैधीकरण पत्र के जारी होने के बाद की गई हो। यदि आवेदन मंजूर हो जाता है तो मानदण्डों में कोई संशोधन को अधिसूचित किया जाता है तब तक कि ये अन्तिम निर्यात के समानुपात में लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा लाइसेंस की प्राप्ति की तारीख को प्रभावी निविष्टि/उत्पाद मानदण्डों के आधार पर लाइसेंस जारी किया जाएगा। शेष निर्यातों के लिए लाइसेंस जारी करने की तारीख को प्रभावी नीति/प्रक्रियाएं लागू होंगी।

॥१॥ शुल्क मुक्त लाइसेंस की मंजूरी से पूर्व किया गया निर्यात/आपूर्ति पूर्णतया निर्यातक के जोखिम और जिम्मेदारी पर होगा।

॥ग॥ यदि लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा शुल्क मुक्त लाइसेंस के लिए आवेदन रद्द अथवा संशोधित किया जाता है तो सीमाशुल्क प्राधिकारी द्वारा शुल्क मुक्त जहाजरानी बिलों को शुल्क वापसी जहाजरानी बिलों में परिवर्तित करने की भी अनुमति दी जा सकती है।

हस्तान्तरणीयता

7.19 ॥क॥ विशेष आह्वय लाइसेंस को छोड़कर शुल्क मुक्त लाइसेंस और/अथवा इसके प्रति आयातित सामग्रियों के, निर्यात शक्ति पूरा करने और लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा हस्तान्तरणीयता का पृष्ठांकन के बाद हस्तान्तरण किया जा सकता है।

॥ख॥ उपर्युक्त पैरा ॥क॥ में किसी बात के होते हुए भी,

॥1॥ पैरा 7.4॥1॥ के अधीन वास्तविक उपयोक्तारों रतों पर जारी आगम्य लाइसेंस और/अथवा इसके प्रति आयातित सामग्री लाइसेंसधारी द्वारा किसी भी हस्त में अंतरित, बेची या अन्यथा निपटई नहीं जाएगी।

॥2॥ एसेटिक एनहाइड्राइड, एफेड्राइन और स्टूडो-एफेड्राइन या शुल्क मुक्त लाइसेंस के अधीन आयातित ऐसे माल के आयात के लिए जारी आगम्य लाइसेंस को लाइसेंसधारी द्वारा किसी भी परिस्थिति में हस्तान्तरित, बेचा या उनका अन्यथा निपटान नहीं किया जाएगा।

निषिद्ध मद्र

7.20 इस स्कीम के अधीन जारी लाइसेंसों के अन्तर्गत, आयातों की निषेधात्मक सूची की निषिद्ध मद्रों का आयात नहीं किया जाएगा।

निर्यात नीति का अनुपालन

7.21 इस स्कीम के तहत जारी लाइसेंसों के प्रति किया गया निर्यात नीति के अध्याय-11 और प्रक्रिया पुस्तक ॥भाग-1॥ के अध्याय-11 के प्रावधानों के अधधीन होगा। तथापि, निर्यात की निषेधात्मक सूची के माल के सम्बन्ध में ॥निषिद्ध मद्रों सहित॥ निर्यात की विशिष्ट निर्यात लाइसेंस के बिना अनुमति हो सकती है भारत की ऐसा माल शुल्क मुक्त लाइसेंस के अधीन आयातित निविष्टियों से बना हो न कि स्वदेशी निविष्टियों से बना हो। ऐसे मामलों में शुल्क मुक्त लाइसेंस पूर्व निविष्टि रत से पृष्ठांकित होंगे।

आगम्य लाइसेंस

7.22 आगम्य लाइसेंस के अधीन निर्यातित माल का मूल रूप में अथवा सारभूत मूल रूप में

के अधीन निर्धारित पुनः आयात किया जा सकता है बशर्ते कि राजस्व विभाग द्वारा सम्य-सम्य पर
माल का पुनः आयात व्यापिनिर्दिष्ट शर्तों का पालन किया जाए ।

शुल्क वापसी की स्वीकार्यता 7.23 अधिष्ठ लाइसेंस के मामले में, शुल्क वापसी किसी भी शुल्क प्रतल सम्पत्ती के लिए उपलब्ध होगी पहले वह चित्त प्रस्ताव 'शुल्क वापसी निर्देशावली' द्वारा निर्धारित बॉर्डर/सम्पत्ती उद्योगों के अनुसार निर्धारित उत्पाद के उपयोग के लिए आयातित माल हो या स्वदेशी । तथापि डा ब्रैक डी ई ई सी में क्या फ़ोन्किट और लाइसेंस के लिए आवेदन में व्यापिल्लिखित शुल्क प्रतल सम्पत्ती तक सीमित होगा ।

मूल्य परिवर्धन 7.24 इस अध्याय के प्रयोजन के लिए "मूल्य परिवर्धन" निम्नानुसार होगा :
ए बी

वी ए = ----- X 100, जहां

बी

वी ए मूल्य परिवर्धन है

ए- निर्यात का ब्रह्मण पर्यन्त निःशुल्क /आपूर्ति का रेल पर्यन्त निःशुल्क मूल्य है, और

बी - लाइसेंस में शामिल आयातित निवेश का लगभग-बीमा-भाड़ा मूल्य और अन्य प्रयुक्त आयातित सम्पत्ती शामिल है ।

शुल्क पत्रता पास हुक 7.25 शुल्क पत्रता पास हुक डी ई पी बी स्कीम के अधीन निर्धारित, अपनी श्रृण की पत्रता के कारण मुक्त परिवर्तनीय मुद्रा में किए गए निर्यात के पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य की विनिर्दिष्ट प्रतिशता का दावे करने का पत्र होगा । क्रेडिट ऐसे उत्पादों और दर के लिए उपलब्ध होगा जो इस संबंध में विनिर्दिष्ट किए गए हों ।

आयात की निषेधात्मक सूची में उल्लिखित मालों को छोड़कर, किसी भी माल को शुल्क पत्रता पास हुक स्कीम के अधीन क्रेडिट के प्रति मूल सीमाशुल्क विरोध सीमाशुल्क तथा अतिरिक्त सीमाशुल्क के भुगतान के बिना आयात करने की अनुमति होगी । शुल्क पत्रता पास हुक डी ई पी बी के धारक के पास अतिरिक्त सीमाशुल्क का भुगतान, यदि कोई हो, रोड्ड अथवा डी ई पी बी में उपलब्ध क्रेडिट के माध्यम से करने का विकल्प होगा । डी ई पी बी के प्रति मालों के आयात को विरोध सीमाशुल्क के भुगतान से छूट होगी ।

तृतीय पार्टी 7.26 डी ई पी सी के अधीन क्रेडिट की मंजूरी के लिए तृतीय पार्टी निर्यात भी अनुमत्त है
निर्यात

वैधता 7.27 डी ई पी सी, इसके जारी होने की तारीख से 12 माह की अवधि के लिए वैध
होगा ।

सीमाशुल्क से 7.28 जिस माल का पहले डी आयात किया जा चुका हो/पोत पर लटका जा चुका हो
माल की /अधिष्ठ पंक्ष गया हो लेकिन उसकी सीमाशुल्क से निकासी नहीं हुई हो उसके बहा में जारी

निकासी डी ई पी बी के प्रति निकासी की जा सकती है ।

डी ई पी बी की किस्में 7.29 डी ई पी बी को निम्नलिखित आधार पर जारी किया जा सकता है :

॥क॥ निर्यातोपरान्त आधार और

॥ख॥ निर्यातपूर्व आधार

निर्यातोपरान्त आधार 7.30 निर्यातोपरान्त आधार पर डी ई पी बी, पहले किए गये निर्यात के प्रति प्रचुर की पर डी ई पी बी जारीगी ।

पात्रता 7.31 व्यापारी-निर्यातक और विनिर्माता-निर्यातक निर्यातोपरान्त आधार पर डी ई पी बी के पात्र हैं ।

हस्तांतरणीयता 7.32 निर्यातोपरान्त आधार पर डी ई पी बी और/अथवा इसके प्रति आयातित में मुक्त हस्तांतरणीय हैं । तथापि, आयात के लिए डी ई पी बी का हस्तांतरण केवल पंजीकरण के प्रत्येक पर होगा ।

निर्यात पूर्व आधार पर डी ई पी बी 7.33 निर्यात पूर्व आधार पर डी ई पी बी का उद्देश्य, पात्र निर्यातकों को ऐसी निविष्टियों के आयात की सुविधा प्रदान की गई है जो निर्माण प्रयोजन के लिए अपेक्षित है ।

पात्रता 7.34 निर्माता-निर्यातक और व्यापारी-निर्यातक जो ऐसे सहायक विनिर्माताओं से सम्बद्ध हैं और जिन्होंने पिछले तीन लाइसेंसिंग वर्षों में निर्यात निष्पादन किया है वे निर्यात पूर्व आधार पर डी ई पी बी दाखे करने के पात्र हैं ।

हस्तारी 7.35 निर्यात पूर्व आधार पर डी ई पी बी का क्रेडिट, आवेदक के पिछले तीन लाइसेंसिंग वर्षों के दौरान औसत निर्यात उत्पादन की 5 प्रतिशत की दर से प्रदान किया जाएगा ।

प्रतिस्तुलन 7.36 निर्यातपूर्व आधार पर डी ई पी बी में ऐसा निर्यात दायित्व होगा जिसकी क्षतिपूर्ति डी ई पी बी धारक द्वारा निर्यात करके किया जाएगा । ऐसे निर्यात के प्रति क्रेडिट की पात्रता का हिसाब इस संबंध में निर्धारित दर पर लगाया जाएगा । जब डी ई पी बी धारक ऐसे मूल्य का निर्यात कर लेता किसे निर्यात पूर्व आधार पर डी ई पी के अधीन इसे पहले किए गए क्रेडिट के बराबर क्रेडिट की उसकी पात्रता हो जाएगी तो डी ई पी बी के प्रति उसका दायित्व प्रतिस्तुलन हो जाएगा ।

प्रतिस्तुलन की अवधि 7.37 निर्यात पूर्व आधार पर डी ई पी बी के अधीन क्रेडिट, डी ई पी बी के इसके जारी होने के 12 माह की अवधि के भीतर प्रतिस्तुलित हो जाएगा ।

मुक्त हस्तारी पास हुए डी ई 7.38 निर्यात दायित्व की क्षतिपूर्ति का प्रमाण पत्र जारी करने के समय, पूर्व निर्यात आधार पर डी ई पी बी के अधीन क्रेडिट के अलावा अधिक क्रेडिट, आवेदक को गत

- बी पी का रॉय निर्यात आधार पर डी ई पी बी जारी करने दिया जाएगा ।
- बैंक गारन्टी 7.39 पूर्व-निर्यात आधार पर डी ई पी बी के अधीन किए जाने वाले आयात से पहले इस सम्बन्ध में निर्धारित किए जाने वाले मूल्य के लिए डी ई पी बी धारक सीमाशुल्क प्राधिकारी के सम्बन्ध व्ययन/प्रतिभूति बांड का निष्पादन करेगा ।
- वास्तविक उपयोक्ता रत 7.40 पूर्व-निर्यात आधार पर डी ईपी बी अहस्तांतरणीय होगी और इसके प्रति आयातित में ऐसी डी ई पी बी के प्रति निर्यात बाधित्व की प्रतिस्तुति के बाद भी वास्तविक उपयोक्ता रत के अधीन होगी ।
- शुल्क वापसी का लक्ष्य होना 7.41 डी ई पी बी के अधीन किए गए निर्यात शुल्क वापसी के लिए हकदार नहीं होंगे । डी ई पी बी के अधीन निविधियों पर नकद अदा किया गया अतिरिक्त सीमाशुल्क राजस्व विभाग द्वारा बनाए गए नियमों के अनुसार मोड्युल क्रेडिट वा शुल्क वापसी के रूप में समायोजित किया जाएगा ।
- दण्ड 7.42 यदि स्क्रीम के अधीन लाइसेंसधारक लाइसेंस की किसी रत का उल्लंघन करता है या निर्यात बाधित्व को पूरा करने में असफल रहता है तो उसके विरुद्ध अधिनियम और उसके अन्तर्गत बने नियमों और आदेशों, इस नीति या लक्ष्य किसी अन्य कानून के अधीन कार्यवाई की जा सकती है ।

अध्याय २ अठ

हीरे, रत्न और अभूषण निर्यात संवर्धन स्कीम

- रत्न और अभूषण के लिए स्कीम** 8.1 रत्न और अभूषण निर्यातक इस सम्बंध में विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार सक्षम प्राधिकारी से प्रतिपूर्ति लाइसेंस और हीरे/डी टी सी आम्दाय लाइसेंस प्राप्त करके अपने निवेशों का आयात कर सकते हैं ।
- प्रतिपूर्ति लाइसेंस** 8.2 प्रक्रिया पुस्तक खण्ड-1 के परिशिष्ट 30क में सूचीबद्ध रत्न और अभूषण उत्पादों के निर्यातक, अपने निवेशों के आयात और प्रतिपूर्ति के लिए उक्त परिशिष्ट में उल्लिखित दर पर और उसमें बी गई शर्तों के लिए, प्रतिपूर्ति लाइसेंस प्रदान किए जाने के पात्र होंगे । तीसरे पक्ष के माध्यम से किए जाने वाले निर्यात भी प्रतिपूर्ति लाइसेंस के पात्र होंगे बशर्त शिफिंग बिल की ई.पी.प्रति विनिर्माता और तीसरे पक्ष दोनों के नाम पर बराबा गया हो और दूसरे पक्ष द्वारा दखा त्रयमे का प्रपत्र प्रस्तुत करने पर किसी भी पक्षकार द्वारा प्रतिपूर्ति लाइसेंस के प्रति ऐसे निर्यातों का दखा किया जाएगा । इस प्रकार के लाइसेंस हस्तान्तरणीय होंगे । हीरे/डी टी- आम्दाय लाइसेंसों के प्रति निर्यात दायित्व को पूर्ण करने के लिए किया गया निर्यात इस लाभ के लिए पात्र नहीं होगा ।
- हीरे और डी.टी. सी. आम्दाय लाइसेंस** 8.3 अपरिपुष्ट हीरो के आयात के लिए हीरा और डी. टी.सी. आम्दाय लाइसेंस ग्रीष्म रूप में जारी किए जा सकते हैं । इन लाइसेंसों के तहत निर्यात दायित्व की पूर्ति, इस बारे में जारी प्रक्रिया के अनुसार करनी होगी । इन लाइसेंसों वा उनके प्रति आयात की गई सामग्री को निर्यात दायित्व पूर्ण करने के बाद मुक्त रूप से हस्तांतरित किया जा सकता है ।
- हीरा आम्दाय लाइसेंस** 8.4 कोई निर्यातक निम्नलिखित अनुसार लाइसेंस के लिए आवेदन कर सकता है :-
क॥ पिछले तीन लाइसेंसिंग वर्षों में कटे हुए और पालिश किए गए हीरों के सर्वोत्तम वर्ष के निर्यात निष्पादन और जमा उसके 25 प्रतिशत के प्रति यदि उसने कम से कम 3 वर्षों तक निर्यात किया है । तथापि, डी टी सी आम्दाय लाइसेंस के अधीन निर्यात दायित्व की पूर्ति के प्रति निर्धारित कटे हुए और पालिश किए हुए हीरों का मूल्य, हीरा आम्दाय लाइसेंस हेतु उसकी पछता की गणना के प्रयोजन के लिए नहीं गिना जाएगा ।
ख॥ उसके स्वयं के नाम में वैध निर्यात आवेदों के प्रति,
- निर्यात दायित्व** 8.5 निर्यात दायित्व की पूर्ति, सीमाशुल्क के जरिए प्रत्येक लेप की निकासी की तारीख से पांच महीनों के अन्दर की जाएगी । इस स्कीम के तहत आवेदन प्राप्त की तारीख से किया गया निर्यात, लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा निर्यात दायित्व को पूरा करने के लिए स्वीकार किया जा सकता है ।
- डीटीसी** 8.6 पिछले तीन लाइसेंसिंग वर्षों के किसी भी निर्यात डीटीसी साइट होल्डर को वार्षिक

- आयाज लाइसेंस** डीटीसी लाइसेंस की अनुमति दी जा सकती है जोकि गत वर्ष प्रतिवृत्ति लाइसेंस के प्रति निष्पादित साइटों को छोड़कर। उस द्वारा प्राप्त सभी डी टी सी साइटों के स्पीकित मूल्य के डेढ़ गुणा के बराबर होगा । नए साइट होल्डर भी डीटीसी लेंन से साइट के आवंटन हो जाने पर मासिक आधार पर लाइसेंस के लिए आवेदन कर सकते हैं । वे लाइसेंस केवल डीटीसी लेंन से आयाज के लिए ही वैध होंगे ।
- स्पीरित /दलाली** 8.7 डी टी सी आयाज लाइसेंसधारकों को आयाज के लगभग बीमा भाड़ा मूल्य के 1.5% तक स्पीरित/दलाली प्रभार का भुगतान करने की अनुमति होगी बशर्ते निर्यात दायित्व में तदनुसंग वृद्धि हुई हो ।
- निर्यात दायित्व** 8.8 डी टी सी आयाज लाइसेंस के अधीन प्रत्येक साइट के प्रति निर्यात दायित्व ऐसे साइट के प्रति पड़ती षेप के आयाज की तारीख से पांच महीनों की अवधि के भीतर पूरा किया जाएगा ।
- आयाजी लाइसेंस** 8.9 निर्यात साइट धारक को आवंटित साइटों के वार्षिक डी टी सी आयाज लाइसेंस के तहत न जाने की स्थिति में उसी वर्ष में अन्य डी टी सी आयाज लाइसेंस हेतु आवेदन पर लाइसेंसिंग वर्ष की शेष अवधि में सम्भावित मासिक साइटों को ध्यान में रखते हुए विचार किया जाएगा ।
- अपरिष्कृत हीरों हेतु पोक लाइसेंस** 8.10 डी टी सी लेंन समेत किसी भी स्रोत से अपरिष्कृत हीरों के आयाज के लिए अपरिष्कृत हीरों हेतु पोक लाइसेंस जारी किए जाते हैं, जिनके तहत वैध प्रतिवृत्ति/हीरा आयाज लाइसेंस के धारक और ई ओ डूई पी जैड क्विंटों को इन हीरों की आपूर्ति करने का दायित्व शामिल है । पोक लाइसेंस के प्रति यज्ञ आयाजित अपरिष्कृत हीरों के मूल्य के 10% तक के अपरिष्कृत हीरों का निर्यात करने के लिए भी पोक लाइसेंस धारक को अनुमति होगी । लाइसेंस के जारी होने की तारीख से 12 महीनों की अवधि के भीतर इन अपरिष्कृत हीरों की आपूर्ति/निर्यात दिया जाएगा ।
- पात्रता** 8.11 निम्नलिखित व्यक्ति इस सम्बन्ध में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार पोक लाइसेंसों के लिए आवेदन करने के पात्र हैं ।
- 8.11.1 मैसर्स हिन्दुस्तान हीरा कंपनी लि०, नई दिल्ली ।
 - 8.11.2 एच एच टी सी लि०, नई दिल्ली ।
 - 8.11.3 वह निर्यातक जिसका गत तीन लाइसेंसिंग वर्षों में चूने हुए और पालिसा किए हीरों का वार्षिक औसत निर्यात 75 करोड़ रुपये से कम न हो, ।
- 8.12 यदि पात्र व्यक्ति कोई लि० कंपनी है और कंपनी अधिनियम के तहत पंजीकृत है तो 100% स्वामित्व वाली सॉलिसिडरी पात्र व्यक्ति के बन्दे में पोक लाइसेंस हेतु आवेदन कर सकता है ।
- अपरिष्कृत हीरों** 8.13 अपरिष्कृत हीरों के आयाज, स्टोक, निर्यात और बिक्री के लिए निर्यात संसाधन क्षेत्रों

के लिए निजी बांडिड. गोदाम घरेलू टेरिफ क्षेत्र में निजी बांडिड. गोदाम स्थापित किए जा सकते हैं ।
घरेलू टेरिफ क्षेत्र बृन्टों को वैध लाइसेंस के तहत अपरिपुन हीरों की बिक्री की जाएगी ।

सोने और चांदी 8.14 सोने/चांदी प्लेटिनम के आभूषणों और उनकी वस्तुओं के निर्यातक इस संबंध में निर्धारित प्रक्रियानुसार तथा सक्षम लाइसेंसिंग प्राधिकारियों द्वारा प्रदत्त आयात लाइसेंसों के माध्यम से सोना, प्लेटिनम, चांदी, माड्रॉस, फाइंडिंग्स, अपरिपुन रत्न, कीमती और अर्द्ध-कीमती सिंथेटिक पत्थर और असंसाधित मोती आदि वैसी अपनी अनिवार्य निषेधियों का आयात कर सकते हैं ।

नामित एजेंसियां 8.15 सोने/चांदी/प्लेटिनम आभूषणों और उनकी वस्तुओं की स्क्रीमों का लाभ उठाने वाला निर्यातक नामित एजेंसियों से सोने/चांदी/प्लेटिनम प्राप्त कर सकता है । नामित एजेंसियां हैं - एम एम टी सी लिमिटेड, हस्तशिल्प और हथकरघा निर्यात निगम एच एच ई सी, राज्य व्यापार निगम एस टी सीस्टेट बैंक ऑफ इंडिया एस बी आई और भारतीय रिजर्व बैंक आर बी आई द्वारा प्राधिकृत कोई एजेंसी ।

निर्यात की शर्तें 8.16 निर्यात की जाने वाली निम्नलिखित शर्तों को इन स्क्रीमों के अन्तर्गत सुविधाएं मिल सकेंगी :-
॥क॥ 8 कैरेट या अधिक सोना तब वाले सोने के जेवरों तथा वस्तुएं ॥सिस्को को छोड़कर॥ बड़े साइज हो या छोड़े हुए;

॥ख॥ भार में 50 प्रतिशत से अधिक चांदी वाले चांदी के जेवरों और वस्तुएं ॥सिस्को और इंजीनियरी माल को छोड़कर॥ ; और

॥ग॥ भार से 50 प्रतिशत प्लेटिनम से अधिक अंश वाले प्लेटिनम जेवरों और वस्तुएं ॥सिस्को और किस्ती इंजीनियरिंग माल को छोड़कर॥ ।

मूल्य परिवर्धन 8.17 मूल्य परिवर्धन की गणना स्वर्ण/प्लेटिनम और चांदी अंश अनुमत ॥केस्टेज सक्षि॥ के मूल्य के स्तरों में की जाएगी । न्यूनतम मूल्य परिवर्धन निम्नानुसार होगा :-
॥क॥ साइने/प्लेटिनम के जेवरों एवं वस्तुओं के लिए न्यूनतम मूल्य परिवर्धन 10 प्रतिशत,
॥ख॥ छोड़े हुए स्वर्ण/प्लेटिनम जेवरों और वस्तुओं के लिए 15 प्रतिशत ,
॥ग॥ चांदी जेवरों और वस्तुओं के लिए 25 प्रतिशत ।

केस्टेज ग्रान्टेंड 8.18 सोने/चांदी/प्लेटिनम जेवरों के लिए स्क्रीमों के तहत, विनिर्माण उपरोक्त अथवा केस्टेज पुस्तक ॥खण्ड-1॥ में विनिर्दिष्ट अनुसार अनुमत होगी ।

विदेशी क्रेता 8.19 उन मामलों में जहां विदेशी क्रेता द्वारा अन्य एजेंसी को निर्यात आदेश दिए गए हैं, विदेशी क्रेता द्वारा आपूर्ति के प्रति निर्यात नामित एजेंसियों को सोने और चांदी के जेवरों व उनकी वस्तुओं के विनिर्माण और निर्यात के लिए चांदी और 18 कैरेट और उससे कम के सोने के रत्नों, फाइंडिंग्स और माड्रॉस की आपूर्ति एवं मुफ्त आपूर्ति कर सकता है । नामित एजेंसी द्वारा सीधे अथवा उनके

सहयोगियों के माध्यम से निर्यात किया जा सकता है । मशीन और फाइंडिंग्स का अद्यत और निर्यात नेट दू नेट आधार पर किया जाएगा ।

प्ररानियों में
प्ररानि/बिक्री हेतु
निर्यात स्कीम

8.20 इस स्कीम के अन्तर्गत वाणिज्य प्रबन्ध के अनुमोदन से नामित एजेंटों और उनके सहयोगी तथा रत एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद् १९९१ के ई पी सी१ के अनुमोदन से अर्थों द्वारा विदेशों में प्ररानियों हेतु सोने/चांदी/प्लेटिनम के ज्वरातों और उनकी वस्तुओं का निर्यात किया जा सकता है । निर्यात निम्नलिखित शर्तों के अधधीन होंगे :-

१११ विदेश में न बिक्री हुई प्ररानि बन्द होने के ४५ दिनों के अन्दर पुनः अद्यत कर ली जाएगी; और

१२१ विदेश में बिक्री हुई प्ररानि के लिए सोने/चांदी/प्लेटिनम और चांदी तत्व प्रतिपूर्ति के रूप में प्ररानि बन्द होने के ६० दिनों के अन्दर, अद्यत कर लिए जाएंगे ।

8.21 कोई निर्यात अभिमान वृद्धि/निर्यात संसाधन क्षेत्र की वृद्धि भारत/विदेश में होने वाली प्ररानियों में भाग ले सकती है । तथापि, देश में होने वाली प्ररानियों में बिक्री करने की अनुमति नहीं होगी । इन वृद्धियों से और वापिस इन्हें ज्वरात की आवाजाही हेतु प्रक्रिया सीमाशुल्क प्राधिकारियों द्वारा निर्धारित की जाएगी ।

नामित एजेंटों
द्वारा आपूर्ति के
प्रति निर्यात

8.22 निर्यात निर्यात उत्पादों के लिए सोने/चांदी/प्लेटिनम को निर्यात के रूप में अभिमान अथवा निर्यात के बाद प्रतिपूर्ति के तौर पर नामित एजेंटों से प्राप्त कर सकता है ।

अभिमान लाइसेंस
के प्रति निर्यात

8.23 निम्नलिखित हेतु शुल्क मुक्त अद्यत के लिए मात्रा आधारित अभिमान लाइसेंस दिया जा सकता है ।

१११ कम से कम ०.९९५ शुद्धता का सोना, और ० कैरेट और अधिक के माशिनियस, साफ्ट्स, प्रेस एवं फाइंडिंग्स ।

१२१ कम से कम ०.९९५ शुद्धता की चांदी माशिनियस, साफ्ट्स, प्रेस और फाइंडिंग्स जिन्हें भार में ५०% से अधिक चांदी हो

१३१ कम से कम ०.९९९९ शुद्धता का प्लेटिनम, माशिनियस साफ्ट्स, प्रेस और फाइंडिंग्स जिन्हें भार में ५०% से अधिक प्लेटिनम हो

8.24 ऐसे लाइसेंसों में निर्यात दायित्व की शर्त रहेगी जिसे इस संबंध में विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार पूरा करना अपेक्षित होगा ।

8.25 अभिमान लाइसेंसधारक इस बारे में विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार सीधे अद्यत के बदले नामित एजेंटों से सोने/चांदी/प्लेटिनम प्राप्त कर सकते हैं ।

निर्वात संसाधन
क्षेत्रों/निर्वात अभिक्षुण
दृष्टियों से निर्वात

8.26 नीति के अध्याय-9 में दिए गए प्रावधान, इसमें नीचे दिए गए प्रावधानों को छोड़कर
रत्न और केवरात निर्वातानुसूत दृष्टियों और निर्वात संसाधन क्षेत्र दृष्टियों पर लागू होंगे:-

8.27 यदि कोई दृष्टि कार्य करना बन्द कर देती है, तो सोना और दूसरी कीमती धातु एलॉय, रत्न
और अन्य सामग्री को केवरात के विनिर्माण के लिए उपलब्ध हो वाणिज्य मंत्रालय द्वारा नामित किसी
स्वैचाली को उस स्वैचाली द्वारा निर्धारित की गई कीमत पर सौंप दी जाएगी ।

8.28 वे एकक निर्वात उत्पादन के लिए अपनी आवश्यक निषिद्धियों का आयात कर सकते हैं । वे नामित
अभिकरणों के माध्यम से 8.995 तक की परिशुद्धता के स्वर्ण को भी प्राप्त कर सकते हैं ।

8.29 एक निर्वातक द्वारा तरारो और पालिश किए गए हीरों, बहुमूल्य और अर्ध मूल्यवान
फायरों, मोतियों और सिन्थेटिक फायरों जिनका उपयोग स्टैंडिंग्स के रूप में किया गया हो, के मूल्य पर
5 प्रतिशत प्रतिशुद्ध मूल्य परिवर्धन प्राप्त करना भी अपेक्षित होगा जो कि स्वर्ण/प्लेटिनम तथा
चांदी तत्वों पर यथानिर्धारित न्यूनतम परिवर्धन से अलग होगा ।

8.30 लूट तरारो और पालिश किए गए हीरों और बहुमूल्य और अर्ध मूल्यवान फायरों का निर्वात करने
वाली दृष्टियों के मामले में प्राप्त किए जाने वाले आवश्यक न्यूनतम मूल्य परिवर्धन को घरेलू टैरिफ क्षेत्र
से ऐसे निर्वातों के लिए उपलब्ध इसी अवधि की प्रतिपूर्ति दरों के आधार पर
परिकल्पित किया जाएगा, जैसा कि प्रक्रिया पुस्तक खण्ड-1 के परिशिष्ट-30 क में
उल्लिखित है ।

8.31 आयात हेतु अनुपेक्ष केवरात नमूनों का उचित पक्षपान के बाह पुनः निर्वात किया जा सकता है ।

8.32 वैध प्रतिपूर्ति हीरा आयात लाइसेंसधारक द्वारा ऐसी शर्तों की स्वदेशी रूप से प्राप्त करके आयात के 5
प्रतिशत मूल्य तक डेड स्टॉक या टूटे फायरों/बिना तरारो हुए हीरों का पुनः निर्वात करने की
अनुमति संबंधित ई पी जेड/ई ओ वू के विकास प्राप्ति द्वारा दी जा सकती है ।

8.33 अंशतः संसाधित केवरातों को भी निर्धारित न्यूनतम मूल्य परिवर्धन की प्राप्ति की
शर्त के तहत निर्वात किया जा सकता है ।

8.34 निर्वात संसाधन क्षेत्र/निर्वातानुसूत दृष्टियों को स्वर्ण और चांदी की कैनों के कृत्रिम और
शुद्धता के बराबर के स्वर्ण और चांदी के विनिर्माण के प्रति घरेलू टैरिफ क्षेत्र से
प्राप्ति निर्मित स्वर्ण और चांदी की कैनों प्राप्त करने की अनुमति होगी ।
स्वर्ण के विनिर्माण के प्रति ऐसी कैनों की आपूर्ति करने वाली घरेलू टैरिफ क्षेत्र की
दृष्टि मूल्य निर्वात लाभों की हकदार नहीं होगी ।

- 8.35 सम्बन्धित निर्यात संसाधन क्षेत्र/निर्यात अभिमुख दृष्टि के विकास प्रयुक्त की अनुमति से ग्रेड मोडल्स बॉडी मोडल्स नमूनों और रबड के सावों का निर्यात किया जा सकता है, बशर्ते इनका मूल्य एक वर्ष में 10,000 रुपये से ज्यादा न हो ।
- 8.36 निर्यात अभिमुख दृष्टि/निर्यात संसाधन क्षेत्र की दृष्टि अपने ई ई एफ सी लगे से मुक्त विदेशी मुद्रा में लागू शुल्क के भुगतानों के बाद विशेष आयात लाइसेंस के अधीन घरेलू टैरिफ क्षेत्र को गत वर्ष में प्राप्त किए गए निर्यातों के मूल्य के 10 प्रतिशत तक बिक्री करने को अनुमति होगी । तथापि, ऐसी आपूर्ति निर्धारित मूल्य परिवर्धन की व्यापित की रत के अधीन होगी ।
- प्रतिपूर्ति लाइसेंस 8.37 एक निर्यातक सहा स्वर्ण अभूषणों और उनकी वस्तुओं, के निर्यातों के पत्र पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के 87% की दर, और अड़ित स्वर्ण अभूषणों और उनकी वस्तुओं के निर्यात के पत्र पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के 80 प्रतिशत की दर पर मुक्त रूप से हस्तान्तरणीय प्रतिपूर्ति लाइसेंस ॥आर ई पी॥ हेतु पत्र हैं । ऐसे लाइसेंस पुस्तक ॥खण्ड-1॥ में निर्दिष्ट अनुसार मद्रों के आयात हेतु वैध हैं ।
- रत्न प्रतिपूर्ति लाइसेंस 8.38 नीति के पैरा 8.19, 8.20, 8.22 और 8.23 में दिए गए स्वर्ण/बॉडी/प्लेटिनम प्लेटिनम अभूषण और उनसे बनी वस्तुओं के निर्यात के लिए स्कीमों के तहत रत्न प्रतिपूर्ति लाइसेंस जारी किया जा सकता है । सहा स्वर्ण/प्लेटिनम/बॉडी केवलत और उनकी वस्तुओं के मामले में, ऐसे लाइसेंसों का मूल्य, निर्धारित न्यूनतम मूल्य परिवर्धन से अधिक की वसूली के स्वरूप में निर्धारित किया जाएगा । अड़ित स्वर्ण/बॉडी/प्लेटिनम केवलत और उनकी वस्तुओं के मामले में, अनुपेक्ष वेस्टेज समेत स्वर्ण/प्लेटिनम/बॉडी पर मूल्य परिवर्धन का हिसाब लगाने के बाद, निर्यातित मद्रों में उपर्युक्त अड़ितों के मूल्य को ध्यान में रखकर रत्न प्रतिपूर्ति लाइसेंस का मूल्य निर्धारित किया जाएगा । ऐसे रत्न प्रतिपूर्ति लाइसेंस मुक्त रूप से हस्तान्तरणीय होंगे ।
- रत्न प्रतिपूर्ति दर और मद्र 8.39 प्रतिपूर्ति का पैमाना और आयात की मद्र पुस्तक ॥खण्ड-1॥ के अनुसार निर्धारित होगी ।

अध्याय — नौ

निर्यात अभिमुख वृन्टि, निर्यात संसाधन क्षेत्रों की वृन्टि, इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर टेक्नोलॉजी पार्क वृन्टि और सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क वृन्टि

पञ्चमा

- 9.1 अपने सारे उत्पादन को निर्यात करने का वाकित्व लेने वाली वृन्टि निर्यात अभिमुख वृन्टि ई ओ वू स्कीम, निर्यात संसाधन क्षेत्र ई पी जेड स्कीम, इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर टेक्नोलॉजी पार्क ई एच टी पी स्कीम या सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क एस टी पी के अंतर्गत स्थापित की जा सकती हैं । ऐसी वृन्टि सॉफ्टवेयर उत्पादन, कृषि, जलवर पालन, परंपालन, पुष्प कृषि, बागवानी, प्रत्युत्पादन, अंगुरोत्पादन, स्मृतिपालन, रेशम उत्पादन के विनिर्माण या उत्पादन में लगी हो सकती हैं । सेवा कार्यकलापों में लगी वृन्टियों पर भी विचार किया जा सकता है ।

नीति के अनुसार कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के निर्यात को विशेष प्रोत्साहन देने के लिए उपर्युक्त निर्यात अभिमुख स्कीमों में से किसी के अधीन ऐसी वृन्टियों को स्थापित करने के लिए बढ़ावा दिया जाएगा । सॉफ्टवेयर वृन्टि दूरसंचार सम्पर्क डेटा या वास्तविक निर्यात के रूप में जोकि कोरिडोरसेवा के माध्यम से भी किए जा सकते हों, व्यावसायिक सेवा के निर्यात सहित, निर्यात कर सकती है ।

माल की
अवस्थिति

- 9.2 एक निर्यात अभिमुख वृन्टि/निर्यात संसाधन वृन्टि/ई एच टी पी/एस टी पी वृन्टि विनिर्माण, उत्पादन और संसाधन के लिए पूंजीगत माल सहित सभी प्रकार की वस्तुओं का बिना शुल्क दिए आयात कर सकती है, बशर्ते कि वे आयातों की निषेधात्मक सूची में निषिद्ध हों न हों । तथापि बासम्पती धान/भूरे पाल का आयात निषिद्ध होगा ।

एस टी पी/ई.एच टी पी/ई पी जेड सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट वृन्टियों द्वारा उपभोग किए जाने के लिए केन्द्रीय सुविधा बनाने के लिए सभी प्रकार का सामान शुल्क मुक्त आयात कर सकती है । एस टी पी/ई एच टी पी/ई पी जेड में सॉफ्टवेयर वृन्टियों को विशिष्ट परिदोषनाओं के निषादन के लिए विशिष्ट अधिधिक के लिए ग्राहकों से श्रृण पर पूंजीगत माल का आयात करने के लिए अनुमति होगी । कृषि, परंपालन, पुष्प उत्पादन, बागवानी, प्रत्युत्पादन, अंगुरोत्पादन, स्मृतिपालन अथवा रेशम उत्पादन में संलग्न निर्यात अभिमुख वृन्टि केवल ऐसे माल का शुल्क मुक्त आयात कर सकती हैं जो इस बारे में जारी की गई सीमाशुल्क अभिसूचना के तहत शुल्क मुक्त आयात हेतु अनुमोदित हैं ।

पुराना पूंजीगत
माल

- 9.3 पुराने पूंजीगत माल का आयात भी अध्याय-पाँच में दिए गए प्रावधानों के अनुसार किया जा सकता है ।

पूँजीगत माल पर
पर उठाना

- 9.4 पार्टियों के बीच में हुई एकत्री संविदा के आधार पर कोई निर्यात अभिमुख वृन्टि/निर्यात क्षेत्र की वृन्टि/इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर टेक्नोलॉजी पार्क/सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क वृन्टि घरेलू पर उठाने वाली कंपनी

से पूर्णप्राप्त प्राप्त उठा सकती है । ऐसे मामले में घरेलू पेटे वाली कम्पनी तथा निर्यात अभिमुख वृन्ट/निर्यात क्षेत्र की वृन्ट/इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर टेक्नोलोजी पार्क/सॉफ्टवेयर टेक्नोलोजी पार्क वृन्ट शुरू हुक्त पूर्णप्राप्त प्राप्त अग्रगत करने के लिए संयुक्त रूप से अग्रगत वस्तुवैष फाइल करेगी ।

निर्यात एन एफ ई पीए और निर्यात बाधित्व के प्रतिरक्ष के रूप में निर्यात विदेशी मुद्रा अर्जन

- निर्यात एन एफ ई पीए और निर्यात बाधित्व के प्रतिरक्ष के रूप में निर्यात विदेशी मुद्रा अर्जन
- 9.5 वृन्ट निर्यात विदेशी मुद्रा अर्जन करने वाली होगी । पैरा 9.29 में परिभाषित निर्यातों की प्रतिरक्षता के तौर पर विदेशी मुद्रा का स्तर नीति के परिशिष्ट- 1 में विनिर्दिष्ट अनुसार होगा । अनुमति-फर/आरक्ष-फर में निर्दिष्ट निर्यात के लिए विनिर्माण की गये निर्यातों की प्रतिरक्षता के तौर पर निर्यात विदेशी मुद्रा अर्जन के परिष्कृत के लिए तथा निर्यात-बाधित्व की पूर्ति के लिए हिसाब में ली जाएगी । तथापि, एस टी पी वृन्टों के लिए क्या अभिवृद्धि मान्यता लागू होगी ।

उपवृक्त के होते हुए भी, इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर की वृन्ट निर्यातों की प्रतिरक्षता के तौर पर सकारात्मक निर्यात विदेशी मुद्रा के निर्धारण के बिना स्थापित किए जाने के लिए अनुमति होगी ।

- विधिवत कर्तव्य
- 9.6 वृन्ट सम्बन्धित विकास अग्रवृक्त को एक विधिवत कर्तव्यप्रवृत्ता प्रस्तुत करेगी और अनुमोदन/आरक्षक में निर्धारित बाधित्वों को पूरा न कर पाने के मामले में वह उस विधिवत कर्तव्यप्रवृत्ता वा उस सम्य लागू किसी अन्य कर्तव्य के अधीन दण्ड की भागी होगी ।

- स्वतः अनुमोदन
- 9.7 उन परियोजना आवेदन फार्मों को जो उद्योग मंत्रालय के उपवृक्त प्रेस नोट में निर्दिष्ट शर्तों को पूरा करते हों, संबंधित निर्यात संसाधन क्षेत्र के विकास अग्रवृक्त द्वारा 15 दिन के अन्दर-अन्दर स्वतः अनुमोदन प्रदान किया जा सकता है । निर्यात अभिमुख वृन्टों के मामले में, ऐसा अनुमोदन औद्योगिक अनुमोदन सचिवालय एएस आई एन द्वारा 15 दिन के भीतर दिया जाएगा ।

- अन्य मामले
- 9.8 अन्य मामलों में, अनुमोदन इस प्रयोजन के लिए गठित किए गए अनुमोदन बोर्डों वा औद्योगिक अनुमोदन सचिवालय द्वारा दिया जा सकता है, जैसा भी मामला हो ।

- घरेलू टैरिफ क्षेत्र
डी.टी.ए. में बिक्री
- 9.9 निर्यात अभिमुख वृन्टों/निर्यात संसाधन क्षेत्र की वृन्टों/ इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर टेक्नोलोजी पार्क/सॉफ्ट-वेयर टेक्नोलोजी पार्क वृन्टों का सारा उत्पादन निम्नलिखित के अधधीन निर्यात किया जाएगा :-

क. उत्पादन के मूल्य के 5 प्रतिशत तक अस्वीकृत प्राप्त को घरेलू टैरिफ क्षेत्र में बेचा जा सकता है । 5 प्रतिशत से ऊपर के अस्वीकृत प्राप्त को स्थानीय सीमाशुल्क प्राधिकारियों के साथ विचार विमर्श करके सम्बन्धित विकास अग्रवृक्त द्वारा अनुमोदित किया जा सकता है । वे बिक्रियां लागू सीमाशुल्क की अदायगी के अधधीन होंगी ।

ख. लागू शुल्कों के भुगतान के अधधीन मूल्य के अनुसार, उत्पादन का 25 प्रतिशत घरेलू टैरिफ क्षेत्र में बेचा जा सकता है । डी टी ए बिक्री, परिशिष्ट 1 में निर्धारित निर्यातों की प्रतिरक्षता के तौर पर न्यूनतम निर्यात विदेशी मुद्रा के अर्जन की पूर्ति के अधधीन होगी । नेवारतों, हीरों, बहुमूल्य

तथा अर्ध-व्यवसायिक फ़ैक्ट्री/रत्नों, मोटर कारों, अल्ट्राहालिक इयों, और सार्वजनिक सुचना द्वारा प्रकाशित, विदेश व्यापार द्वारा निर्धारित की गई ऐसी अन्य प्रदों के सम्बन्ध में डी टी ए में बिक्री की अनुमति नहीं होगी ।

- ॥ग॥ फिर भी, कृषि, जलपर पालन, पर्याप्त, पुष्प कृषि, बग़वानी, प्रत्यक्षपान, स्त्रीपालन और रेशम उत्पादन, जंगलपान से संबंधित निर्यात अभिवृद्धि वृद्धि/निर्यात संसाधन वृद्धि इस सम्बन्ध में अधिसूचित डी टी ए बिक्री निर्देशों के अनुसार निर्धारित निर्यातों की प्रतिशतता के तौर पर सकारात्मक निवल विदेशी मुद्रा अर्जन की पूर्ति के अधधीन मूल्य के अनुसार उत्पादन के 50 प्रतिशत तक बिक्री घरेलू टैरिफ क्षेत्र में कर सकती है ।
- ॥घ॥ इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर उत्पादों की निम्नलिखित आधार पर डी टी ए में बिक्री की जा सकती है :

निर्यात के प्रतिशत के रूप में निवल विदेशी मुद्रा अर्जन डी टी ए में अनुमेष बिक्री

॥1॥ 15 प्रतिशत से कम शुल्क

॥2॥ 15 - 25 प्रतिशत वृद्धि में निर्मित संघटकों सहित इलेक्ट्रॉनिक प्रदों के मूल्य के सम्बन्ध में उत्पादन के 30 % तक

॥3॥ 25 प्रतिशत से ज्यादा वृद्धि में निर्मित संघटकों सहित इलेक्ट्रॉनिक प्रदों के मूल्य के सम्बन्ध में उत्पादन के 40 प्रतिशत तक

॥5.॥ निर्यात अभिवृद्धि वृद्धि/निर्यात संसाधन क्षेत्र की वृद्धियों को नीति के अधीन मुक्त रूप में अद्यतनित तैयार उत्पादों को बेचने की अनुमति दी जा सकती है, और घरेलू टैरिफ क्षेत्र में, वार्षिक आधार पर पूरे शुल्क के भुगतान के प्रति उपर्युक्त उप पैरा ॥१॥ और ॥ग॥ के अधीन कुल मिलाकर अनुमेष स्तरों तक तैयार उत्पादों को बेचने की अनुमति दी जा सकती है बशर्ते कि उन्होंने निर्धारित निवल विदेशी मुद्रा अर्जन और निर्यात वाक्य पूरा कर लिया हो ।

॥१॥ इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर में ई ओ वू/ई पी वूड/ई ए टी पी वृद्धियों को अपने उत्पादन के मूल्य का डेढ़ गुणा वार्षिक आधार पर घरेलू बाजार में बेचने और इस सुविधा के लिए विशेष रूप से अधिसूचित लागू शुल्कों के भुगतान पर बिना किसी न्यूनतम विदेशी मुद्रा अर्जन निर्धारण, मूल्य शर्तों में, उत्पादन का अन्य आधे हिस्से के निर्यात का विकल्प होगा । इस सुविधा का लाभ उठाने के इच्छुक वृद्धियों को इस सम्बन्ध में एक बार विकल्प का इस्तेमाल कर सकती हैं । ऐसी वृद्धि पैरा 9.9॥घ॥ में दी गई घरेलू टैरिफ क्षेत्र बिक्री की सुविधा के लिए पात्र नहीं होगी ।

साफ्टवेयर वृद्धियों के लिए, किसी भी रूप में घरेलू टैरिफ क्षेत्र में बिक्री के लिए, दूर संचार डाटा सहित, मूल्य शर्तों में अपने उत्पादन के 25% तक अनुमति होगी ।

नोट:- इलेक्ट्रॉनिक्स हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर निर्माण करने वाली यूनिटों के मामले में, निर्यातों की प्रतिरक्षा के तौर पर निम्न विदेशी मुद्रा और डी टी ए बिंदी हस्तदारी, सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर के लिए उल्लाह से निर्धारित की जाणी ।

निर्यात बाधित 9.10 निर्यात बाधित को पूरा करने के लिए निम्नलिखित आपूर्तियों की गणना की जाणी :-

॥क॥ नीति के पैराग्राफ 10.2 के सम्बंध में डी टी ए में की गई आपूर्तियों;

॥ख॥ विदेशी मुद्रा में भुगतान के प्रति डी टी ए में की गई आपूर्ति;

॥ग॥ अन्य निर्यातनमूल इकाई/निर्यात संसाधन जोन/ इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर टेक्नोलोजी पार्क/सॉफ्टवेयर टेक्नोलोजी पार्क यूनिटों को आपूर्ति इस शर्त के साथ होगी कि ऐसी वस्तुएं नीति के पैराग्राफ 9.2 के अनुसार खरीद हेतु अनुमत हैं ।

निर्यात सदन/ 9.11 कोई निर्यात अभिमुख यूनिट/निर्यात संसाधन क्षेत्र/इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर टेक्नोलोजी पार्क/सॉफ्टवेयर
व्यापार सदन/ टेक्नोलोजी पार्क की यूनिट अपने विनिर्दिष्ट माल का निर्यात किसी अन्य निर्यात अभिमुख यूनिट/निर्यात
स्टार व्यापार सदन/ संसाधन क्षेत्र/इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर टेक्नोलोजी पार्क/सॉफ्टवेयर टेक्नोलोजी पार्क यूनिट अपना इस नीति
सुपर स्टार व्यापार सदन के अन्तर्गत मान्यता प्राप्त किसी व्यापारी निर्यातक/निर्यात सदन/व्यापार सदन/स्टार व्यापार सदन/सुपर
सदन के जरिये निर्यात स्टार व्यापार सदन के जरिए कर सकती है । वह अनुमति केवल व्यापारी निर्यातक/निर्यात सदन/
व्यापार सदन/स्टार व्यापार सदन/सुपर स्टार व्यापार सदन अपना अन्य निर्यात अभिमुख यूनिट/निर्यात
संसाधन क्षेत्र/ इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर टेक्नोलोजी पार्क/सॉफ्टवेयर टेक्नोलोजी पार्क यूनिट द्वारा माल के
विषयन तक ही सीमित है । माल का विनिर्माण निर्यात अभिमुख यूनिट/निर्यात संसाधन क्षेत्र/इलेक्ट्रॉनिक
हार्डवेयर टेक्नोलोजी पार्क/सॉफ्टवेयर टेक्नोलोजी पार्क यूनिट की यूनिटों में किया जाणा । निम्न
विदेशी मुद्रा अर्जन का स्तर और निर्यात बाधित साथ ही अद्यतन एवं निर्यात संबंधी कोई अन्य बाधित
निर्यात अभिमुख यूनिट/निर्यात संसाधन क्षेत्र/इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर टेक्नोलोजी पार्क/सॉफ्टवेयर टेक्नोलोजी
पार्क यूनिट की द्वारा पूरे किए जाते रहेंगे ।

9.12 संबंधित सीमाशुल्क प्राधिकारियों की अनुमति से निर्यात अभिमुख यूनिट/निर्यात संसाधन क्षेत्र/इलेक्ट्रॉनिक
हार्डवेयर टेक्नोलोजी पार्क/सॉफ्टवेयर टेक्नोलोजी पार्क यूनिटों को निम्नलिखित की अनुमति दी जा सकती
है :-

॥क॥ निर्यात अभिमुख यूनिटों निर्यात संसाधन क्षेत्र/इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर टेक्नोलोजी पार्क/सॉफ्टवेयर
टेक्नोलोजी पार्क यूनिटों द्वारा उत्पादित माल के नमूनों की घरेलू टैरिफ क्षेत्र में आपूर्ति/बिक्री, जो
लम्बे वाले शुल्क का भुगतान करने पर प्ररर्मी/बाजार संवर्धन के लिए हों, उत्पादन शुरू करने वाली
नई यूनिटों के मामले में अधिकतम 1 लाख रुपए तक या गत वर्ष के निर्यात के मूल्य के 1 प्रतिशत
तक हो । सीमाशुल्क प्राधिकारियों को ऐसे माल को लौटाने का समुचित वजन देने पर ऐसे नमूनों को
यूनिटों से हटाने की अनुमति दी जा सकती है । इससे पैरा-9.9 -के तहत पञ्चता प्रभावित नहीं
होती है ।

॥ल॥ डी.टी.ए. में बिक्री किए गए परन्तु श्रुतिपूर्ण पाए गए माल को मरम्मत/बदलने हेतु वापस लाना

॥ग॥ मरम्मत/परीक्षण अथवा व्यासमापन और वापसी हेतु डी.टी.ए. के माल का स्थानांतरण ।

डी.टी.ए.
से आपूर्तियों
को लाभ

9.13 ॥क॥ निर्यातनमूख/निर्यात संसाधन क्षेत्र/इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर टेक्नोलॉजी पार्क/सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क की कृन्टियों को परेल् टेरिफ क्षेत्र से की गई आपूर्तियों को "मान्य निर्यात" सम्माना जाएगा और वे नीति के पैरा 10.3 के अन्तर्गत प्राप्त निम्नलिखित संगत लाभों के लिए भी पात्र होंगे । इसके अलावा वे निम्नलिखित लाभों के लिए भी पात्र होंगे :

॥1॥ केन्द्रीय बिक्री कर की वापसी ;

॥2॥ पूर्णमत माल, संपत्कों और कच्चे माल पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के भुगतान में छूट; और

॥3॥ यदि आपूर्तिकर्ता पर कोई निर्यात दायित्व है तो उसका भुगतान ।

॥ल॥ निर्यातनमूखी कृन्टि/निर्यात संसाधन क्षेत्र/इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर टेक्नोलॉजी पार्क/सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क की कृन्टि, डी.टी.ए. आपूर्तिकर्ताओं के उपयुक्त द्वारा परिवर्ण्य प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर, नीति के पैरा 10.3 ॥ल॥ और ॥ग॥ में उल्लिखित लाभों को प्राप्त करने के लिए पात्र होंगी । इस उद्देश्य के लिए, विशेष व्यापार प्रहानिहेरालय द्वारा ब्रांड करें निर्धारित की जाएगी । ऐसी आपूर्तियों उपरोक्त पैरा 9.4 ॥1॥ में दिये गये लाभों के लिए पात्र होंगी ।

रतों

9.14 पैरा ग्राह 9.13 ॥क॥ और ॥ल॥ के अधीन बताए गए लाभ उपलब्ध होंगे बशर्ते कि आपूर्ति किया गया माल देश में विनिर्मित हो ।

निर्यातनमूखी
कृन्टि/निर्यात
संवर्धन क्षेत्र की
कृन्टियों के लिए लाभ

9.15 ॥क॥रिवायती किराया : निर्यातनमूखी क्षेत्रों की कृन्टि पहले तीन वर्षों के लिए अबाधित औद्योगिक प्लाट और स्टैन्डर्ड डिजाइन फैक्टरी बिल्डिंग/शेडों के फटे के रिवायती किराये के लिए निम्नलिखित दरों पर पात्र होंगी :-

॥1॥ प्लाटों के लिए: यदि उत्पादन पहले या दूसरे वर्ष में शुरू हो गया हो तो पहले वर्ष में रिवायत 75 प्रतिशत दूसरे वर्ष में 50 प्रतिशत और तीसरे वर्ष में 25 प्रतिशत होगी । यदि उत्पादन दूसरे वर्ष के अन्त तक शुरू नहीं हुआ तो तीसरे वर्ष के लिए रिवायत नहीं दी जाएगी ।

॥2॥ एस डी एफ बिल्डिंग/शेड के लिए: यदि पहले वर्ष में उत्पादन शुरू हो गया हो तो पहले वर्ष के लिए 50 प्रतिशत और दूसरे वर्ष के लिए 40 प्रतिशत रिवायत होगी । यदि उत्पादन पहले वर्ष में शुरू हो गया हो तो तीसरे वर्ष के लिए रिवायत 25 प्रतिशत होगी । यदि उत्पादन पहले वर्ष के अन्त तक शुरू नहीं हुआ तो रिवायत नहीं दी जाएगी ।

॥ल॥ टैक्स अवकाश: निर्यातनमूखी कृन्टि और निर्यात संसाधन क्षेत्र की कृन्टियों को प्रवाहन के पहले आठ वर्षों में पाँच वर्षों के ब्याक के लिए कापीट अग्र कर के भुगतान से छूट होगी ।

॥ग॥ निर्यात सदन/व्यापार सदन/स्टार व्यापार सदन या सुपर स्टार व्यापार सदन स्तर प्रदान करने के लिए डी टी ए में निर्यातानुसूची वृन्टि/निर्यात संसाधन क्षेत्र की वृन्टि के निर्यात के पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य इसकी पैक कम्पनी के निर्यात के पोत-पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के साथ मिलाया जा सकता है ।

॥घ॥ 100 प्रतिशत विदेशी इक्विटी: निर्यातानुसूची/निर्यात संसाधन क्षेत्र की वृन्टियों के मामले में 100 प्रतिशत तक विदेशी इक्विटी की अनुमति है ।

॥ड॥ निर्यातानुसूची वृन्टि/निर्यात संसाधन क्षेत्र की वृन्टि नीति के पैरा 14.4 के अनुसार विरोध आयात लाइसेंस प्रदान करने समेत लाभों की पात्र होगी । निर्यात अभिमुख वृन्टि/निर्यात संसाधन क्षेत्र की वृन्टि इस संबंध में निश्चित प्रक्रिया के अनुसार, विरोध आयात लाइसेंस प्रदान करने सहित, लाभों का पात्र होगी इसके अलावा, निर्यातानुसूची वृन्टि/निर्यात संसाधन क्षेत्र की वृन्टि, दूर संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स वृन्टियों को छोड़कर, प्रक्रिया पुस्तक ॥खण्ड-1॥ के पैरा 11.9 के तहत आरंगी, जो निर्धारित निर्यात दायित्व के कम से कम 25 प्रतिशत अधिक हो, निर्यातों के पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य पर 2% के अतिरिक्त विरोध आयात लाइसेंस हेतु पात्र होगी ।

॥ण॥ प्रशिक्षण प्रयोजन ॥वाणिज्यिक प्रशिक्षण सहित॥ के लिए सफ्टवेयर वृन्टियों को कंप्यूटर सिस्टम का प्रयोग करने की अनुमति होगी बशर्ते इस उद्देश्य के लिए बॉण्डेड परिसर के बाहर कोई कंप्यूटर टर्मिनल स्थापित न किया गया हो ।

अन्तः वृन्टि अंतरण 9.16 ॥क॥ एक निर्यात अभिमुख वृन्टि/निर्यात संसाधन क्षेत्र/ई एच टी पी/एस टी पी वृन्टि से अन्य ई ओ वृ/ई पी वैंड/ई एच टी पी/एस टी पी वृन्टि को विनिर्मित माल के अंतरण की अनुमति दी जा सकती है । तथापि, प्राप्त करने वाली वृन्टि निर्यात करने की केवल तभी पात्र होगी जब अंतरण किये जाने वाले माल का ओर अगले संसाधन/विनिर्माण किया गया हो ।

॥ख॥ ई ओ वृ/ई पी वैंड/ई एच टी पी/एस टी पी वृन्टि द्वारा आयातित माल को अन्य ई ओ वृ/ई पी वैंड/ई एच टी पी/एस टी पी वृन्टि को अंतरित अथवा उधार पर दिया जा सकता है बशर्ते बाकायदा गिना जायगा लेकिन निर्यात दायित्व की पूर्ति हेतु नहीं गिना जायगा ।

॥ग॥ ऊपर ॥क॥ और ॥ख॥ में किए गए लेन-देन के बारे में वृन्टि संबंधित विकास आयुक्त को रिपोर्ट करेगी । तथापि, ऊपर पैरा 9.16 ॥ख॥ के तहत स्थानित अथवा रूप पर दी गई पुंजीगत वस्तुओं के लिए विकास आयुक्त की अग्रिम अनुमति आवश्यक होगी ।

उप संविदाओं करना 9.17 ई ओ वृ/ई पी वैंड/ई एच टी पी/एस टी पी वृन्टियों को डी टी ए में स्थित वृन्टियों अथवा अन्य ई ओ वृ/ई पी वैंड/ई एच टी पी/एस टी पी वृन्टियों द्वारा चॉब कार्य के माध्यम से अपनी उत्पादन प्रक्रिया के भाग की उप-संविदा करने की अनुमति दी सकती है । इस बारे में, अनुरोधों पर निवेदा और उत्पादन मानदण्डों के निर्धारण जैसे कारकों के आधार पर विकास आयुक्त द्वारा अनुमति दी जा सकती है । संबंधित वृन्टियों द्वारा वषणक्षरता प्रस्तुत करने पर सीमाशुल्क प्राधिकारियों द्वारा इन पर अग्रिम रूप से विचार किया जा सकता है । प्रयुक्त: स्वदेशी कच्चे माल ॥वानी 90% वा अधिक॥

का प्रयोग करने वालों ई ओ यू/ई पी कैड/ई ए टी पी/एस टी पी यूनिटों को घरेलू टैरफ क्षेत्र ज़रूरी अन्य ई ओ यू/ई पी कैड/ई ए टी पी/एस टी पी यूनिटों का जॉब कार्य हेतु अपने उत्पादन के भाग की उप-संविदा करने की अनुमति दी जा सकती है ।

अव्यक्ति माल की बिक्री 9.18 यदि कोई निर्यातनृत्त यूनिट/निर्यात स्वर्धन क्षेत्र/ई ए टी पी/एस टी पी की यूनिट वैध कारणों से अव्यक्ति माल का उपयोग नहीं कर पाती है तो वह डी टी ए यूनिट द्वारा अव्यक्ति लाइसेंस सौंपकर और लागू शुल्कों का भुगतान करके, जो लागू हो, डी.टी.ए. में उनको पुनः निर्यात या निर्यातित कर सकती है । एक ई ओ यू/ई पी कैड/ई ए टी पी/एस टी पी यूनिट से दूसरी यूनिट को आपूर्ति इस पैरा के अधीन अव्यक्ति के रूप में जानी जाएगी ।

9.19 अव्यक्ति मरिनीरी/पूँजीगत माल जो पुरानी हो गई हो, का निर्यात किया जा सकता है बशर्ते कि उसके कम मूल्य पर सीमाशुल्क का भुगतान कर दिया गया हो ।

रुबी का निर्यात 9.20 डी.टी.ए. में उत्पादन प्रक्रिया से बचे स्क्रैप/वेस्ट/अवशेषों के भुगतान या बिक्री की अनुमति ऐसे स्क्रैप/वेस्ट/अवशेषों पर लागू शुल्कों/करों के भुगतान के बाद होगी । ऐसे स्क्रैप/वेस्ट/अवशेषों का प्रतिरत अनुमोदन बोर्ड द्वारा निर्यात किया जाएगा । तथापि, यदि सीमाशुल्क प्राधिकारियों की अनुमति से ऐसे स्क्रैप/वेस्ट/अवशेषों को नष्ट कर दिया जाता है तो इन पर कोई शुल्क/कर नहीं लगाए जाएंगे ।

निजी बॉण्ड गोदाम 9.21 निजी बॉण्ड वाले गोदाम, इसमें गिनये गये उद्देश्यों के लिए निर्यात संसाधन क्षेत्रों में, स्थापित किये जा सकते हैं । ऐसे गोदामों के लिए उपरोक्त पैरा-9.5 की आवश्यकताओं को पूर्ण करना आवश्यक नहीं होगा लेकिन अनुमोदन बोर्ड द्वारा निर्धारित शर्तों का पालन करना बाध्यकर होगा । इस अध्याय के पैरा 9.9, 9.10, 9.11, 9.16, 9.17 और 9.18 के प्रावधान ऐसे मामलों में लागू नहीं होंगे ।
निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए ऐसे गोदामों की स्थापना की गई है :-

॥1॥ माल का अव्यक्ति, स्टॉक और बिक्री

निर्यातनृत्त/निर्यात संसाधन क्षेत्र की यूनिटों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अव्यक्तियों की अनुमति दी जा सकती है । निर्यात-अव्यक्ति नीति के अनुसार अव्यक्ति योग्य जगहों का अव्यक्ति और डी टी ए, में उनकी बिक्री की जा सकती है बशर्ते कि ऐसी बिक्री प्रभावी होने के सम्यक् लागू शुल्कों का भुगतान कर दिया जाए ।

॥2॥ पुनः पैक करने/लेबल लगाने के परवत्त पुनः निर्यात समेत व्यापार

पुनः पैक करने और लेबल लगाने जैसे कार्यों के लिए सुस्त रूप से परिवर्तनीय विदेशी मुद्रा में पुनः निर्यात के लिए अव्यक्तियों की अनुमति दी जा सकती है ।

रिफ़िनिंग, पुनः निर्माण और मरम्मत 9.22 निर्यातनृत्त/निर्यात संसाधन/ई ए टी पी/एस टी पी क्षेत्र की यूनिटों को रिफ़िनिंग, पुनः निर्माण और मरम्मत जैसे कार्यों के लिए सुस्त रूप से परिवर्तनीय विदेशी मुद्रा में निर्यातों के लिए अव्यक्तियों की अनुमति दी जा सकती है । इस अध्याय के पैरा 9.5, 9.9, 9.10, 9.11, 9.13 और 9.17 के प्रावधान ऐसे कार्यमालाओं पर लागू नहीं होंगे ।

- निर्यातित वस्तुओं का प्रतिस्थापन/प्रत्युत्पादन 9.23 प्रतिस्थापन/प्रत्युत्पादन वस्तुओं के निर्यात से संबंधित नीति के पैराग्राफ 11.9 के प्रावधान ई ओ वू/ई पी बंड वृन्टों पर भी एक समान लागू होंगे तथापि पैराग्राफ 11.9 के प्रावधान के तहत न जाने वाले मामलों पर विकास आशुत द्वारा गुण-दोष आधार पर विचार किया जाएगा ।
- अद्यातित वस्तुओं का प्रतिस्थापन/प्रत्युत्पादन 9.24 अद्यातित करने पर वस्तुएं अथवा उनके हिस्से जो श्रुतिपूर्ण अथवा उपयोग हेतु अन्यथा अनुपलब्ध अथवा अद्यातित के बाह्य क्षतिग्रस्त हो जाएं लौटाए जा सकते हैं, तथा उन्हें प्रतिस्थापित करने वाली वस्तुएं विदेशी संपत्तियों से अद्यातित की जा सकती हैं ।
- बंड की लागू अवधि 9.25 निर्यात अभिमुख स्कीम के तहत वृन्टों हेतु बंड की लागू अवधि 5 वर्ष होगी । इस अवधि को 10 वर्षों के लिए बढ़ाया जा सकता है यदि उत्पाद में प्रत्यक्ष पूर्ण पूर्ण निवेश और अवस्थाना सहायता की आवश्यकता हो । बंड की लागू अवधि पूरी होने पर वह वृन्ट की इच्छा पर निर्भर होगा कि वह उसे जारी रखे या स्कीम को छोड़ने का विकल्प चुने । तथापि, बंड से इस प्रकार की व्यक्ति उस समय लागू औद्योगिक नीति के अधीन होगी । जहां वृन्ट जारी रखने का विकल्प चुनती है, संबंधित विकास आशुत बंड की लागू अवधि बढ़ा देगा और बढ़ी हुई अवधि के दौरान निर्यातों की प्रतिशतता के तौर पर निम्न विदेशी मुद्रा अर्जन, और प्राप्त किए जाने वाले निर्यात दाखिले का निर्धारण करेगा ।
- बंड से व्यक्ति 9.26 निर्यात अभिमुख वृन्ट/निर्यात संसाधन क्षेत्र की वृन्टों को निर्यात दाखिले, निर्धारित निर्यात की प्रतिशतता के तौर पर निम्न विदेशी मुद्रा अर्जन या अन्य अपेक्षाओं की पूर्ति में असमर्थ रहने पर अनुमोदन बोर्ड के अनुमोदन के अधीन बाण्ड से मुक्त किया जा सकता है । इस प्रकार बंड से वंशित करने में किए जाने वाले दण्ड और उस समय लागू सीमा शुल्क एवं उत्पाद शुल्क लागू होंगे ।
- 9.27 ई पी सी वी स्कीम के 10% शुल्क व्यवस्था के अधीन पूर्वनिर्धारित वस्तुओं पर शुल्क के भुगतान पर बंड से मुक्त करने के एक बार विकल्प के रूप में निर्यातनिष्ठ वृन्ट/निर्यात संसाधन क्षेत्र को भी अनुमति दी जा सकती है बशर्ते कि वृन्ट उक्त स्कीम के अधीन लागू निर्यात दाखिले को पूरा करने का वचन दे । ई पी सी वी स्कीम के शुल्क व्यवस्था के अधीन बाण्ड मुक्त करने के अनुरोध पर गुणदोष के आधार पर विचार किया जा सकता है बशर्ते कि वृन्ट पात्रता संबंधी मानदण्ड को पूरा करता हो और बी ओ ए द्वारा निर्दिष्ट शर्तों के अधीन होगा । बाण्ड मुक्त करने का कोई भी मामला बाण्ड मुक्त करने के समय लागू अन्य वस्तुओं पर सीमा और उत्पाद शुल्क के भुगतान के अधीन होगा ।
- परिवर्तन 9.28 प्रोजेक्टा डी टी ए वृन्टें भी किसी निर्यात अभिमुख वृन्ट में परिवर्तन के लिए आवेदन कर सकती हैं लेकिन पहले से स्थापित संबंध, प्रतिनिधी और उपस्कर के लिए योजना के अंतर्गत शुल्कों और करों में कोई छूट नहीं दी जाएगी । ई पी सी वी स्कीम के अन्तर्गत निर्यात दाखिले वाली प्रोजेक्टा डी टी ए वृन्टें ई ओ वू में परिवर्तन के लिए आवेदन कर सकती हैं । ऐसे परिवर्तन में ई पी सी वी स्कीम के अन्तर्गत निर्यात दाखिले निर्यातनिष्ठ वृन्ट के रूप में निर्यातों से साथ-साथ ही पूरे किए जाएंगे ।

निर्यातों की प्रति- 9.29 निर्यातों की प्रतिशतता के तौर पर निम्न विदेशी मुद्रा अर्जन को वाणिज्यिक उत्पन्न की शुरुआत से शतता के तौर पर पांच वर्ष की अवधि हेतु वार्षिक औसत संश्लिष्ट आधार पर निम्नलिखित फार्मूले के अनुसार संगणित किया निम्न विदेशी मुद्रा अर्जन ॥एन एफ ई पी॥ जाणः :-

$$\text{एन एफ ई पी} = \frac{\text{क} - \text{ख}}{\text{ख}} \times \text{जहाँ}$$

एन एफ ई पी = निर्यातों की प्रतिशतता के तौर पर निम्न विदेशी मुद्रा अर्जन,

क . निर्यात अभिलेख वृद्धि/निर्यात संसाधन/ई एच टी पी क्षेत्र की वृद्धि द्वारा अभिप्रायत किया गया पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य है ; और

ख . सभी आयातित निवेशों के लगत बीमा भाड़ा मूल्य, सभी आयातित पूंजीगत वस्तुओं के लगत बीमा भाड़ा मूल्य तथा पहले पांच वर्षों के दौरान का कमीशन, राखट्टी, फीस, लाभोरा, बद्धम ऋण पर ब्याज या किसी अन्य प्रकार के माध्यम से विदेशी मुद्रा में किए गए सभी भुगतानों का मूल्य । = निवेशों " का अर्थ है - कच्चा माल, मध्यवर्ती, संघटक, उपभोग्य, हिस्से पुर्ज और पैकिंग सामग्री ।

टिप्पणी :

1. यदि कोई निवेश अन्य निर्यातलेख वृद्धि/निर्यात संसाधन क्षेत्र/ई एच टी पी/एस टी पी वृद्धि से प्राप्त किया गया है, ऐसे निवेशों का मूल्य ख के अंतर्गत शामिल किया जाएगा ।
2. यदि कोई आयातित शुल्क मुक्त पूंजीगत माल घरेलू तीर्जिण कम्पनी से फट्टे पर लिया गया है, तो पूंजीगत माल का लगत बीमा भाड़ा मूल्य ख के अंतर्गत शामिल किया जाएगा ।
3. निर्यातों की प्रतिशतता के तौर पर, निम्न विदेशी मुद्रा के वार्षिक संगणन हेतु आयातित पूंजीगत वस्तुओं के 1/5 मूल्य को ऊपर ख के तहत शामिल किया जाएगा ।
4. उन परिवर्धनोक्तों के मामले में जहाँ भूमि, इमारत संरंघ और मशीनरी में निवेश 200 करोड़ रुपए से अधिक हो, पूंजीगत माल का मूल्य सात वर्षों की अवधि पर परिशोधित किया जाएगा; अर्थात् ऐसे मामलों में, पूंजीगत वस्तुओं के लगत बीमा भाड़ा मूल्य के केवल 5/7 को ऊपर "ख" के तहत शामिल किया जाएगा ।

टिप्पणी:

ई एच टी पी/एस टी पी स्क्रीनों के अधीन वृद्धि के मामले में इस अध्याय के संगत पैरा के अधीन आवश्यक अनुमोदन/अनुमति इस प्रयोजन के लिए ई पी जेड के विकास आदुस्त के बजाय इलेक्ट्रॉनिक विभाग द्वारा और बी ओ ए की बजाय अन्तर मंत्रालयी स्थायी समिति द्वारा नामित अधिकारी द्वारा मंजूर किया जाएगा ।

अध्याय 10

मान्य निर्यात

- परिभाषा: 10.1 "मान्य निर्यात" का अर्थ उस लेन-देन से है जिसमें आपूर्ति किया गया माल देश से बाहर नहीं जाता और माल के ऐसे का भुगतान माल के प्राप्त कर्ता द्वारा भारत में प्राप्त किया जाता है ।
- संभरण की श्रेणियाँ 10.2 इस नीति के तहत निम्नलिखित श्रेणियों के माल का मुख्य/उप ठेकेदारों द्वारा आपूर्ति को "मान्य निर्यात" के रूप में माना जाएगा बशर्ते कि माल भारत में विनिर्मित है:
- अक॥ शुल्क मुक्त स्कीम के तहत जारी शुल्क मुक्त लाइसेंसों के प्रति माल का संभरण ;
 - अख॥ निर्यातोनृत्त युक्तियों या निर्यात संसाधन क्षेत्रों या साफ्टवेयर टेक्नालोजी पार्क्स अथवा इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर टेक्नालोजी पार्क्स में स्थित युक्तियों को माल की आपूर्ति ।
 - अग॥ निर्यात संवर्धन पूंजीगत माल स्कीम के अन्तर्गत लाइसेंसधारियों को पूंजीगत माल की आपूर्ति इस शर्त के अनुसार होगी कि ऐसी आपूर्तियाँ नीति के पैरा 6.9 में निर्दिष्ट के तहत लाभों की पात्र होंगी ।
 - अघ॥ वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय प्रतिवोगी बोली या सीमित निविदा पद्धति के तहत बहुपक्षीय या द्विपक्षीय अभिकरणों/निधियों द्वारा वित्त-पोषित परियोजनाओं को उन अभिकरणों/निधियों की प्रक्रियाओं के अनुसार माल का संभरण, जहाँ विधिक करारों में सीमाशुल्क को शामिल किए बिना टेंडर फ्लोकिन की व्यवस्था हो ;
 - अड.॥ उर्वरक संयंत्रों को पूंजीगत माल और एक ओ आर फ्लव के 10% तक हिस्से-पूजों की आपूर्ति, यदि आपूर्ति अंतर्राष्ट्रीय प्रतिवोगी बोली की प्रक्रिया के अधीन की गयी हो ।
 - अच॥ इस अध्याय के अन्तर्गत घरेलू संभरण के लिए शुल्क सीमाशुल्क पर ऐसे माल के आयात की अनुमति देते हुए किसी परियोजना या प्रयोजन के लिए वित्त मंत्रालय की एक अधिसूचना के तहत घरेलू संभरण के लिए माल की सलाई ।
 - अउ॥ उर्जा, तेल और गैस के क्षेत्रों में ऐसी परियोजनाओं के लिए माल की आपूर्ति, जिसके बारे में वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना के जरिए इस अध्याय के अधीन घरेलू आपूर्ति के लिए लाभों को उपलब्ध कराया हो ।

मान्य निर्यातों के लिए लाभ 10.3 मान्य निर्यात के रूप में पात्र माल के विनिर्माण और आपूर्ति के संदर्भ में मान्य निर्यात पर निम्नलिखित लाभ दिए जायेंगे :-

- अक॥ विशेष आयात लाइसेंस/आयात मध्यवर्ती लाइसेंस ;
- अख॥ मान्य निर्यात शुल्क वापसी स्कीम ;
- अग॥ टर्मिनल उत्पाद शुल्क की वापसी ; और
- अघ॥ रेल फ्रैन्ट निःशुल्क मूल्य अर्क ओ आर॥ की 6 प्रतिशत की दर पर विशेष आयात लाइसेंस
- असमी करों एवं शगारियों को छोड़कर॥ ।

अध्याय-ग्यारह

निर्यात

- मुक्त निर्यात** 11.1 यदि वे निर्यात की निषेधात्मक सूची या इस नीति के अन्य प्रावधानों या तत्सम्य के लिए लागू किसी अन्य कानून द्वारा विनियमित न होते हों तो सभी निर्यात बिना किसी प्रतिबन्ध के किए जा सकेंगे। तथापि, महानिदेशक, विदेश व्यापार एक सार्वजनिक सूचा के जरिए उन शर्तों को निर्धारित कर सकते हैं जिनके अनुसार निर्यातों की निषेधात्मक सूची में शामिल न की गई किसी वस्तु का बिना लाइसेंस के निर्यात किया जा सकता है। इन शर्तों में वे बातें शामिल हो सकती हैं, न्यूनतम निर्यात कीमत, श्रेणी पी॥, विशिष्ट प्राधिकारियों के पास एंजीन, मशीनात्मक सीमा और अन्य विधियों, नियमों, विनियमों का पालन।
- निर्यात संविदाओं की कोटि-निर्धारण** 11.2 सभी निर्यात संविदाओं और बीचों को मुक्त रूप से परिवर्तनीय मुद्रा के खाते में रखा जाएगा और निर्यात प्राप्ति का मुक्त रूप से परिवर्तनीय मुद्रा में कूट की जाएगी। जिन संविदाओं के लिए भुगतान एरिशन क्लीयरिंग यूनिट ३९ सी यू॥ के जरिए किए जाएंगे उन्हें ए सी यू डालर के खाते में रखा जाएगा। केन्द्रीय सरकार उपयुक्त मामलों में इस पैरामा के प्रावधानों से छूट दे सकती है।
- निर्यात प्राप्ति की वसूली** 11.3 यदि कोई निर्यातक भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्दिष्ट समय के भीतर निर्यात आय वसूल नहीं कर सकता है तो ऐसी स्थिति में, उस समय लागू किसी कानून के अंतर्गत किसी दायित्व या दण्ड पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, उसके विरुद्ध अधिनियम, नियमों और उसके अंतर्गत किए गए आदेशों के प्रावधानों और नीति के प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई की जा सकेगी।
- उपहारों का निर्यात** 11.4 किसी एक लाइसेंसिंग वर्ष में जायद में सक्षित 15000/- रुपये तक के मूल्य की वस्तुओं का निर्यात उपहार स्वरूप किया जा सकेगा। तथापि, निर्यात की निषेधात्मक सूची की वस्तुओं को जायद वस्तुओं को छोड़कर उपहार के तौर पर बिना लाइसेंस के निर्यात नहीं किया जा सकता।
- अतिरिक्त पुर्जों का निर्यात** 11.5 संयंत्र, उपकरण, मशीनरी, मटेरियल इत्यादि किसी अन्य माल के स्वदेशी अथवा अयातित वारण्टी अतिरिक्त पुर्जों का निर्यात ऐसे माल की वारण्टी अधि के भीतर मुख्य उपकरण के साथ या बाद में उसके निर्यात के कुल जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के 7.5 प्रतिशत तक किया जा सकेगा।
- वाणी सामान का निर्यात** 11.6 बाहर जाने वाले भारतीय वाणिज्यों के वास्तविक निजी सामान को या तो वाणिज्यों के साथ ही अथवा यदि साथ न ले जाना हो तो भारत से वाणी के प्रत्यान के पहले या बाद में एक वर्ष के अन्दर ले जाने की अनुमति है। तथापि, निर्यात की निषेधात्मक सूची में सम्मिलित वस्तुओं को वैयक्तिक सामान के रूप में निर्यात करने के लिये, जायद वस्तुओं को छोड़कर, लाइसेंस लेना जरूरी होगा।
- अयातित वस्तुओं का निर्यात** 11.7 इस नीति के अनुसार अयातित माल का बिना किसी लाइसेंस के उसी रूप में या वास्तव में उसी रूप में निर्यात किया जा सकता है बशर्ते अयातित या निर्यात की जाने वाली यह अयातित की प्रतिबंधात्मक सूची या निर्यात की प्रतिबंधात्मक सूची में शामिल न हो। मुक्त रूप से परिवर्तनीय मुद्रा में भुगतान के प्रति अयातित ऐसी वस्तुओं के निर्यात मुक्त रूप से परिवर्तनीय

रूढ़ा में भुगतान के प्रति अनुमत होंगे। तथापि ऐसी वस्तुओं को भारतीय रुपये में भुगतान के प्रति निर्वात किया जाता है तो रशन पर न्यूनतम मूल्य परिवर्धन 100% लागू होगा बरतों निर्वात की जाने वाली मूल्य आयतों की निषेधात्मक सूची अथवा निर्वातों की निषेधात्मक सूची में न हो।

11.8 निर्वात अथवा आयात की निषेधात्मक सूची में सम्मिलित हों किसी भी सूची की प्रतिबंधित हों को छोड़कर का निर्वात निम्नलिखित शर्तों के अनुसार मुक्त परिवर्तनीय रूढ़ा में लाइसेंस के बिना किया जा सकता है :-

॥क॥ न्यूनतम मूल्य परिवर्धन 10 प्रतिशत हो ;

॥ख॥ सीमाशुल्क बंधक के अंतर्गत माल का आयात किया जाए ;

॥ग॥ माल का आयात एवं बह में निर्वात उसी सीमाशुल्क बॉण्डिड स्थल से किया गया हो ; और

॥घ॥ ऐसे माल सीमाशुल्क बॉण्डिड स्थल से बाहर नहीं ले जाया गया हो।

प्रतिस्थापन/किर गे
माल का निर्वात

11.9 निर्वात करते समय यदि कोई माल या उसके हिस्से दोषपूर्ण/टूटे-पूटे अथवा अन्यथा प्रयोग के प्रयोग पाये जाएं तो उनका प्रतिस्थापन निर्वातक द्वारा निःशुल्क किया जाएगा और इस प्रकार के माल की सीमाशुल्क प्राधिकारियों द्वारा क्लीयरेंस निम्नलिखित शर्तों के अधीन दी जा सकेगी :-

॥क॥ प्रतिस्थापन माल निर्वात की निषेधात्मक सूची में नहीं हो ;

॥ख॥ प्रतिस्थापन लगभग उतनी मात्रा और मूल्य के बराबर होगा जितना माल दोषपूर्ण/टूटा-पूटा अथवा प्रयोग के प्रयोग पाया गया हो ; और

॥ग॥ प्रतिस्थापन वस्तुओं का लक्षण पहले से निर्वात की गई वस्तुओं के निष्कारों की तिथि से 10 महीनों की अवधि के अन्दर या जहाँ यह अवधि 10 महीनों से ज्यादा है वहाँ मरानियों या उनके पुत्रों के मामले में गारंटी अवधि के अन्दर किया जाता है।

11.10 उपर्युक्त प्रावधानों के अन्दर नहीं आने वाले मामलों पर विदेश व्यापार महानिदेशक द्वारा गुण-बोध के आधार पर विचार किया जाएगा।

परामर्श किर गे
सामान का
निर्वात

11.11 निर्वात करते समय कोई माल या उसके हिस्से दोषपूर्ण, टूटे-पूटे या अन्यथा उपयोग के लिए प्रयोग पाये जायें तो परामर्श के लिए उनका आयात किया जा सकता है और बाह में पुनः निर्वात किया जा सकता है। ऐसे सामान को लाइसेंस के बिना और समय-समय पर इस संबंध में जारी सीमा शुल्क अधिसूचना के अनुसार निकासी की अनुमति होगी।

विशेष आयात
लाइसेंस लाभ

11.12 विदेश व्यापार महानिदेशक समय-समय पर व्याविनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन निर्वात उत्पादों के बॉण्डिड या श्रेणी अथवा निर्वातकों को विशेष आयात लाइसेंस के पत्र होंगे। के बॉण्डिड या श्रेणी को विनिर्दिष्ट कर सकते हैं।

11.13 विशेष आयात लाइसेंस मुक्त हस्तान्तरणीय होगा और उन हों के आयात के लिए वैध होगा जो "निर्वात और आयात हों का आई टी सी ॥एच एस॥ कर्षिकरण" नामक पुस्तक में दिए गए हैं। विशेष आयात लाइसेंस के अधीन आयात, सामान्य सीमाशुल्क के अधीन होगा। तथापि, स्वर्ण और चाँदी का आयात, समय-समय पर सीमाशुल्क द्वारा व्याविनिर्दिष्ट सीमाशुल्क की रिवाजती दर पर अनुमत होगी बरतों कि आयातक के पास ई ई एफ से जाता हो और सीमाशुल्क का भुगतान अपने ई ई एफ सी जाते से मुक्त विदेशी रूढ़ा में किया हो।

अध्याय-12

निर्यात सदन, व्यापार सदन, स्टार व्यापार सदन और सुपर स्टार व्यापार सदन

- उद्देश्य** 12.1 इस स्कीम का उद्देश्य निर्यात सदन, व्यापार सदन, स्टार व्यापार सदन और सुपर स्टार व्यापार सदन के रूप में प्रतिष्ठापित निर्यातकों का पुनर्गठन करना है । पुनर्गठित निर्यातकों से व्यापार को बढ़ावा देने के लिए विपणन आधारभूत ढांचा तैयार करने और अपेक्षित विशेषज्ञता उपलब्ध करने की आशा है । यह आशा कि ज्ञाती है कि ये सदन उच्च व्यावसायिक और सक्रिय संस्थाओं के रूप में तथा निर्यात में वृद्धि के लिए एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में कार्य करेंगे ।
- पात्रता** 12.2 व्यापारी तथा उत्पादक निर्यातक, निर्यातनैसुख दृष्टियों और वे दृष्टियों जो निर्यात संसाधन क्षेत्रों जेनों ॥ई पी वीड॥/इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर टेक्नोलोजी पार्कों ॥ई एच टी पी॥/सॉफ्टवेयर टेक्नोलोजी पार्कों ॥एस टी पी॥ में स्थित हैं, ऐसी मान्यता के पात्र होंगे ।
- मान्यता के लिए मानदण्ड** 12.3 ऐसी मान्यता के लिए पात्रता मानदण्ड का आधार गत तीन लाइसेंसिंग वर्षों में या पिछले लाइसेंसिंग वर्ष में, जो भी विकल्प निर्यातक द्वारा दिया गया हो, सॉफ्टवेयर के निर्यातों सहित वस्तुओं एवं सेवाओं के निर्यात के पोतर्पन्त निःशुल्क मूल्य या शुद्ध विदेशी मुद्रा अर्जन होगा ।
- सहायक कंपनियों द्वारा किया गया निर्यात** 12.4 मान्यता के प्रयोजन के लिए किसी लिमिटेड कंपनी की सहायक कंपनी द्वारा किया गया निर्यात, लिमिटेड कंपनी के निर्यात निषादन में गिना जायेगा । इस प्रयोजन के लिए, सहायक कंपनी में कंपनी के अधिक शेयर होने चाहिए ।
- निर्यात निषादन स्तर** 12.5 मान्यता के प्रयोजन के लिए निर्यात निषादन का स्तर इस शर्त के अधीन होगा कि :
- ॥क॥ मान्य निर्यात को, निर्यात निषादन के अधीन नहीं गिना जाएगा ।
 - ॥ख॥ पास बुक भारकों के मामले में, पास बुक स्कीम के अधीन किए गए निर्यात को तभी गिना जाएगा जब निर्यातक पोतर्पन्त निःशुल्क मूल्य के मानदण्ड के आधार पर मान्यता के लिए आवेदन करता है ।
 - ॥ग॥ यदि पोतर्पन्त निःशुल्क मूल्य के मानदण्ड पर पात्रता का दावा किया जाता है तो हीरा, रत्न और आभूषण उत्पादों के मामले में निर्यात को निर्यात के वास्तविक पोतर्पन्त निःशुल्क मूल्य के 50% पर गिना जाएगा ।

मान्यता के प्रयोजन के लिए निर्यात निषादन का स्तर निम्न तालिका के अनुसार होगा :-

वर्ग जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य मानकण्ड शुद्ध विदेशी मुद्रा मानकण्ड

गत तीन लाइसेंसिंग पिछले लाइसेंसिंग गत तीन लाइसेंसिंग पिछले लाइसेंसिंग वर्ष के दौरान
वर्षों में किए गए वर्ष के दौरान किए वर्षों के दौरान किए किए गए निर्यात से अर्जित
निर्यातों का औसत गए निर्यात का पोत- गए निर्यात से अर्जित निर्यात विदेशी मुद्रा
पोत पर्यन्त निःशुल्क पर्यन्त निःशुल्क मूल्य औसत निर्यात विदेशी रुपयों में।
मूल्य रुपयों में। रुपयों में। मुद्रा रुपयों में।

निर्यात सक्न	20 करोड़	30 करोड़	16 करोड़	24 करोड़
व्यापार सक्न	100 करोड़	150 करोड़	80 करोड़	120 करोड़
स्टार व्यापार सक्न	500 करोड़	750 करोड़	400 करोड़	600 करोड़
सुपर स्टार व्यापार सक्न	1500 करोड़	2250 करोड़	1200 करोड़	1800 करोड़

शुद्ध विदेशी मुद्रा की संग्रहणा 12.6 निर्यात से निर्यात विदेशी मुद्रा अर्जन की संग्रहणा के प्रयोजन के लिए सभी लाइसेंसों का मूल्य व्यक्ति द्वारा किए गए निर्यात के पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य में से घटा दिया जायेगा । तथापि, लाइसेंस की वैधता की अवधि के दौरान लौटाये गये लाइसेंसों का मूल्य और मुक्त हस्तांतरणीय विशेष आयात लाइसेंस एवं ई पी सी जी लाइसेंस का मूल्य नहीं घटया जायेगा ।

निर्यात करने पर क्रेडिट 12.7 गन्धता के प्रयोजन के लिए निर्यात पर निम्नलिखित क्रेडिट दिया जायेगा बशर्ते ऐसा निर्यात मुक्त परिवर्तनीय मुद्रा में किया गया हो ।

॥क॥ लघु उद्योग/छोटे उद्योग/कुटीर क्षेत्र जैसे पंजीकृत व्यक्ति द्वारा निर्मित उत्पाद के निर्यात पर अर्जित शुद्ध विदेशी मुद्रा या पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य आधार पर दुगुना क्रेडिट दिया जायेगा ।

॥ख॥ हथकरघा, और हस्तशिल्प क्षेत्र हथकरघे के बने रेशम उत्पाद सहित द्वारा से निर्मित उत्पाद हथ से बने कालीन, सिल्क से बने कालीन के निर्यात पर पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य पर दुगुना क्रेडिट और निर्यात विदेशी मुद्रा आधार पर तिगुना क्रेडिट दिया जायेगा ।

॥ग॥ फलों तथा सब्जियों, पुष्पोद्पन्न, संसाधित जल पदार्थों, कुम्हट और दुग्ध उत्पादों के निर्यात पर निर्यात विदेशी मुद्रा आधार पर दुगुना क्रेडिट दिया जायेगा ।

॥घ॥ पूर्वोत्तर राज्यों में निर्मित सामान पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य या शुद्ध विदेशी मुद्रा आधार पर निर्यात करने पर दुगुना क्रेडिट दिया जायेगा ।

॥ङ.॥ पुस्तक ॥खण्ड-1॥ के परिशिष्ट-33 में सूचीबद्ध ऐसे देशों को निर्यात पर पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य या शुद्ध विदेशी मुद्रा पर दुगुनी भारिता ।

- राज्य निम्नों को
मान्यता 12.8 निर्यात उन्मूलन गतिविधियों में राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्रों की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए, संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा नामित केवल एक निम्न को निर्यात सदन की मान्यता दी जा सकती है चाहे ऐसी मान्यता के लिए मानदण्डों को पूरा न किया गया हो । वह लाभ सम्य-सम्य पर विनिर्दिष्ट अवधि तथा शर्तों के अनुसार उपलब्ध होगा ।
- वैधता अवधि 12.9 जब तक कि अन्यथा विनिर्दिष्ट न किया गया हो निर्यात सदन/व्यापार सदन/स्टार व्यापार सदन/सुपर स्टार व्यापार सदन प्रमाण पत्र, उस लाइसेंसिंग वर्ष की 1 अप्रैल से तीन वर्ष की अवधि के लिए वैध होगा जिस वर्ष से ऐसी मान्यता के लिए आवेदन पत्र दिया जाता है । ऐसे प्रमाणपत्र की स्थापना पर, छः माह की अवधि के भीतर स्तर-प्रमाणपत्र के नवीकरण के लिए आवेदनपत्र देना आवश्यक होगा । उक्त अवधि के दौरान, स्तर-प्रमाणपत्र धारी विशेष अत्यंत लाइसेंस के लाभों को छोड़कर अन्य सुविधाओं और लाभों के लिए दावा करने का पत्र होगा ।
- लाभ 12.10 निर्यात सदन/व्यापार सदन/स्टार व्यापार सदन/सुपर स्टार व्यापार सदन प्रक्रिया पुस्तक खण्ड-11 के अध्याय- 12 में उल्लिखित लाभों के हकदार होंगे ।
- अन्तर्द्वीी व्यवस्था और नवीकरण का मानदण्ड 12.11 निर्यात सदन, व्यापार सदन, स्टार व्यापार सदन और सुपर स्टार व्यापार सदन, उनको दी गई मान्यता उस अवधि तक वैध रहेगी जिस अवधि तक उन्हें वह मान्यता दी गई थी । तथापि, उपर्युक्त अवधि की स्थापना पर उन्हें ऐसी मान्यता की प्रचुरी बाद में निर्धारित मानदण्डों को पूरा करने पर दी जायेगी ।
- 12.12 जिन मामलों में 1-4-1997 से आरम्भ होने वाली अवधि के लिए ऐस मान्यता दे दी गई है, प्रमाण पत्र का नवीकरण चाहने वाले निर्यातक को निर्यातों के औसत पोट पर्यंत निःशुल्क/निकल विदेशी मुद्रा मूल्य जिसके आधार पर ऐसी मान्यता दी गई थी के निर्यात निष्पादन में कम से कम 20% वार्षिक औसत वृद्धि प्राप्त करनी होगी । यदि गत लाइसेंसिंग वर्ष के आधार मान्यता प्राप्त की गई है तो, निर्यातों के आधार पर निर्यात निष्पादन में 20% वृद्धि परिकल्पित की जाएगी जिन पर मान्यता प्रदान की गई थी । प्रमाण पत्र धारक द्वारा न्यूनतम निर्धारित निर्यात वृद्धि प्राप्त करने में असफल रहने पर उसे निम्न का हेतु मान्यता प्रदान की जाएगी, यदि वह अन्यथा पत्र हो ।

अध्याप-तेरह

निर्यात संवर्धन परिषद्

मूल उद्देश्य, भूमिका 13.1 निर्यात संवर्धन परिषद् का मूल उद्देश्य देश के निर्यात को बढ़ावा देना और उसमें वृद्धि करना है । प्रत्येक परिषद् विशेष बर्ष के उत्पादों, परिव्योक्त्याओं, और सेवाओं के संवर्धन के लिए निर्धारित है । निर्यात संवर्धन परिषद् की सूची और विनियमित अभिकरणों/बोर्डों जिन्हें निर्यात संवर्धन परिषद् माना जाएगा, प्रक्रिया पुस्तक ॥खण्ड-1॥ के परिशिष्ट 3B में दी गई हैं ।

13.2 निर्यात संवर्धन परिषद् की मुख्य भूमिका उच्च गुणवत्ता वाली वस्तुओं एवं सेवाओं के विरचस्वीय आपूर्तिकर्ता के रूप में भारत की छवि प्रस्तुत करना है । विशेषतः, निर्यात संवर्धन परिषद् निर्यातकों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय बाजारों एवं विशिष्टियों के संवर्धन को बढ़ावा देगी तथा इनके अनुपालन की प्रतिक्रिया करेगी । निर्यात संवर्धन परिषद् मूल और सेवाओं के लिए अंतर्राष्ट्रीय बाजारों की प्रवृत्तियों तथा अवसरों पर नजर रखेगी और निर्यातों के विस्तार तथा उनमें विविधता लाने के उद्देश्य से ऐसे अवसरों का लाभ उठाने में अपने सदस्यों की सहायता करेगी ।

13.3 निर्यात संवर्धन परिषद् के मुख्य कार्य निम्न प्रकार हैं :

॥क॥ अपने सदस्यों की, उनके निर्यातों में विस्तार तथा वृद्धि करने में सहायता करना तथा उन्हें वाणिज्यिक लाभकारी सूचनाएं उपलब्ध करना ;

॥ख॥ अपने सदस्यों को प्रौद्योगिकी उन्नयन, गुणवत्ता तथा डिजाइन में सुधार, मानक तथा विशिष्टियों, उत्पाद-विकास, नवीन प्रक्रिया आदि जैसे क्षेत्रों में व्यावसायिक परामर्श देना ;

॥ग॥ विदेशों में बाजार अवसरों का अध्ययन करने के लिए अपने सदस्यों के प्रतिनिधिगण्डलों के दौरे आयोजित करना ;

॥घ॥ भारत तथा विदेशों में व्यापार मेलों, प्रदर्शनियों तथा मेला-विकेला बैठकों का आयोजन करना तथा उनमें भाग लेना ;

॥ङ.॥ निर्यातक समुदाय तथा केन्द्र एवं राज्य के बीच परस्पर बातचीत को बढ़ावा देना ; और

॥४॥ सौंथकीय आधार का निर्माण करना तथा देश के निर्यातों एवं अयातों, अपने सदस्यों के निर्यातों एवं अयातों तथा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संबंधी अन्य आवश्यक आंकड़े उपलब्ध करना ।

लाभ न कमाने वाले 13.4 निर्यात संवर्धन परिषदें कम्पनी अधिनियम अथवा समितियों एंजीकरण अधिनियम जैसा भी स्वच्छ और सम्पत्ता हो, के अन्तर्गत लाभ न कमाने वाले संगठन हैं । व्यावसायिक निकाय

13.5 निर्यात संवर्धन परिषदें स्वयत्तशासी होंगी और अपने कर्मों को स्वयं विनियमित करेंगी । तथापि, निर्यात संवर्धन परिषदों को मेलों, प्रदर्शनियों आदि में भाग लेने के लिए और विदेशों में बिक्री दलों/शिष्टमंडलों को भेजने हेतु केन्द्र सरकार की मंजूरी लेना आवश्यक नहीं होगा । भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय/वस्त्र मंत्रालय, जैसा भी सम्पत्ता हो, वर्ष में दो बार प्रथमतः वार्षिक योजना एवं बजट की स्वीकृति के लिए और दूसरी बार वर्ष के बीच में मूल्यांकन और उनके कार्य निष्पादन की समीक्षा करने के लिए संबंधित परिषद की प्रबंध समिति के साथ बैठक करेंगी ।

13.6 निर्यातों को बढ़ावा और प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से यह महत्वपूर्ण है कि निर्यात संवर्धन परिषदें व्यावसायिक निकायों के रूप में कार्य करें । इस प्रयोजन के लिए, वाणिज्य प्रबन्धन और अंतर्राष्ट्रीय बाजार और सरकार और उद्योग का अनुभव रखने वाले व्यावसायिक पृष्ठभूमि के अधिकारियों को निर्यात संवर्धन परिषदों में लाया जाना चाहिए ।

सरकारी सहायता 13.7 निर्यात संवर्धन परिषदें केन्द्र सरकार से वित्तीय सहायता प्राप्त संस्थाएँ हैं । निर्यात संवर्धन परिषदों को सरकार द्वारा दी जाने वाली सहायता धनराशि के रूप में अथवा अथवा किसी अन्य रूप में, निम्नलिखित पर निर्भर करेगी :

- ॥क॥ उनको सौंपे गए कार्यों का प्रभावी तरीके से निष्पादन ;
- ॥ख॥ निर्यात संवर्धन परिषदों की सदस्यता का लोकतांत्रिकरण ;
- ॥ग॥ निर्यात संवर्धन परिषदों के पदाधिकारियों का नियमित रूप से लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव; और
- ॥घ॥ निर्यात संवर्धन परिषद के लेवों की सम्यक् पर लेवा-परीक्षा ।

एंजीकरण-सह-सदस्यता 13.8 कोई भी निर्यातक, आवेदन करने पर, एंजीकरण करा सकता है और निर्यात संवर्धन परिषद का सदस्य बन सकता है । सदस्यता प्राप्त होने पर, आवेदक को एकदम संबंधित निर्यात संवर्धन परिषद का एक एंजीकरण-सह-सदस्यता प्रमाणपत्र ॥आर सी एम सी ॥, इस संबंध में निर्धारित की जाने वाली शर्तों के अधीन दिया जाएगा ।

अध्यक्ष-बौद्ध

गुणवत्ता

- गुणवत्ता जागृकता अभियान** 14.1 भारत सरकार की नीति यह है कि वह विनिर्माताओं और निर्यातकों को इस बात के लिए प्रोत्साहित करे कि वे अपने-अपने उत्पादों के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत गुणवत्ता के मानकपत्रों को प्राप्त करें। केन्द्रीय सरकार गुणवत्ता जागृकता पर एक राष्ट्रीय कार्यक्रम बनाने और गुणवत्ता प्रबंध के विषय को बढ़ावा देने के लिए उद्योग और व्यापार संस्थाओं को समर्थन और सहायता प्रदान करेगी।
- राज्य स्तरीय कार्यक्रम** 14.2 केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकारों को अपने-अपने राज्य में, विशेषकर छोटे पैमाने और हस्तशिल्प क्षेत्रों में इसी तरह के कार्यक्रम आरम्भ करने के लिए प्रोत्साहन और सहायता प्रदान करेगी।
- परीक्षण गृह** 14.3 केन्द्रीय सरकार परीक्षण गृहों और प्रयोगशालाओं को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के बराबर स्तर का बनाने के लिए उनके आधुनिकीकरण और उन्नयन में सहायता करेगी ताकि ऐसे परीक्षण गृहों और प्रयोगशालाओं द्वारा किए गए प्रमाण को देश और विदेश में मान्यता मिल सके।
- पुरस्कार और लाभ** 14.4 केन्द्रीय सरकार उन विनिर्माताओं/प्रोसेसरों को पुरस्कार प्रदान करेगी जिन्होंने आई एस ओ -9000 श्रृंखला अथवा आई एस/आई एस ओ 9000 श्रृंखला प्राप्त कर लिया हो। ऐसे मान्यता प्रमाणपत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत प्रमाणन एजेंसियों की एक सूची प्रक्रिया पुस्तक भाग-1 के परिशिष्ट 32 में दी गई है। ऐसे विनिर्माता/प्रोसेसर/प्रोसेसिंग-एजेंसी के अध्याय-14 में विहित लाभों के लिए पात्र होंगे।
- गुणवत्ता संबंधी शिकायतें/विवाद** 14.5 विदेशी भेजाओं से प्राप्त हुई गुणवत्ता संबंधी शिकायतों की जाँच विदेश व्यापार महानिदेशालय के क्षेत्रीय कार्यालयों में गठित गुणवत्ता शिकायतों हेतु क्षेत्रीय उप-समिति द्वारा की जाएगी।
- 14.6 यदि विदेश व्यापार महानिदेशक की जानकारी में यह बात आ जाती है अथवा उन्हें यह विश्वास हो जाता है कि कोई निर्यात अथवा आयात इस तरीके से किया गया है जो 11 किसी अन्य देश के साथ भारत के व्यापार संबंधों ; 12 निर्यात अथवा आयात में कार्यरत अन्य व्यक्तियों के हितों के प्रति हानिकार हो ; 13 जिससे देश की बदनामी हुई हो अथवा उसके माल की प्रतिष्ठा घटी हो, तो ऐसी स्थिति में विदेश व्यापार महानिदेशक संबंधित निर्यातक अथवा आयातक के विरुद्ध अधिनियम, इसके अधिनियमों तथा आदेशों और इस नीति के उपबंधों के अनुसार कार्यवाही कर सकते हैं।

अध्यास-15

अध्यास की निषेधात्मक सूची

भाग-एक

15.1 वर्जित प्रश्न

क्र. सं.	प्रश्नों का विवरण	प्रतिबंध का स्वरूप
1	2	3
1.	निम्नलिखित सक्षिप्त किसी पशु मूल का टैलो, फैट और/वा तेल रेंडर्ड, अनरेंडर्ड अथवा अन्यथा :- 111 लाई स्टीरिन, ओलियो स्टीरिन, टैलो स्टीरिन, लाई ऑयल, ओलियो ऑयल तथा टैलो ऑयल को किसी भी प्रकार से एल्सीफाइड वा प्रिस्सड वा किसी भी रूप में तैयार किया गया न हो; 121 नीट्स फुट ऑयल तथा बोन अथवा केस से फैट ; 131 पॉन्ट्री, फैट्स, रेन्डर्ड अथवा सोल्बेंट एक्स्ट्रैक्ट्स ; 141 मज्जी /मैरिन ओरिफन के फैट और तेल बाहे रिफाइण्ड हों अथवा नहीं इनमें कौंड लीवर ऑयल, स्किड लीवर ऑयल वा इसके मिश्रण को छेड़कर तथा आइसोसर्फेनोइक एसिड एवं डी-कोसाडिस्तीनोइक एसिड वाला फिरा लिफिड ऑयल ; और 151 ग्लगारिन, इमिटेरान लाई तथा पशु मूल के अन्य तैयार भाग फैट्स ।	अध्यास अनुमत्त नहीं है ।
2.	पशु रेंड्रे	-कही-
3.	कच जीव उनके हिस्सों एवं उत्पादों और हथी दांत सक्षिप्त ।	-कही-

भाग-दो

15.2 प्रतिबंधित प्रश्न

निम्नलिखित में किसी बात के होते हुये भी, उपरोक्त वस्तुओं समेत वस्तुओं के संबंध में अध्यास नीति, सम्य-सम्य पर क्या संशोधित और इस बारे में प्रधानमन्त्री, विदेश व्यापार द्वारा अधिसूचित और प्रकाशित पुस्तक शीर्षक "निर्घटित और अध्यास प्रश्नों के आई टी सी 11एच एस 11 कर्षिकरणों" की लाइसेंसिंग टिप्पणियों तथा कालम 3 से 5 में बताए अनुसार होगी । वे वस्तुएं जिनके बारे में नीति है कि वे मुक्त रूप से हस्तान्तरणीय विशेष अध्यास लाइसेंस

के अधीन आयात की जा सकती हैं केवल उन्हीं लाइसेंसों के तहत आयात की जाएगी और अन्यथा नहीं जब तक कि इस नीति में किए गए प्रावधान के अनुसार किसी अन्य स्कीम अथवा लाइसेंस अथवा अनुमति के अधीन उनके आयात की अनुमति न हो ।

क. उपभोध्य वस्तुएं

क्रम सं०	प्रद का विवरण	प्रतिबंध का स्वरूप
1	2	3
1.	सभी उपभोध्य माल, जैसे भी वर्णित, औद्योगिक, कृषि संबंधी, खनिज अथवा परम्पूत, के, चहे एस के डी/सी के डी हस्त में हो या सेट एसेम्बल करने हेतु तैयार हो अथवा परिष्कृत रूप में हो ।	लाइसेंस के प्रति अथवा इस संबंध में जारी सार्वजनिक सूचना के अलावा आयात अनुमति नहीं हैं ।

शंका के समाधान हेतु एतद्द्वारा घोषणा की जाती है कि उपभोध्य माल में निम्नलिखित भी सीमित होगा तथा किसी लाइसेंस अथवा सार्वजनिक सूचना के अलावा इनका आयात नहीं किया जाएगा :

1. उपभोध्य इलेक्ट्रॉनिक माल, उपकरण और सिस्टम जो किसी भी रूप में वर्णित हो ।
2. उपभोध्य दूर संचार उपकरण नमूना: टेलीफोन उपकरण और इलेक्ट्रॉनिक्स पी ए बी एक्स
3. एस के डी/सी के डी अथवा निर्मित हस्त में घड़ियां, घड़ी के केस, घड़ी के डॉक्टर
4. सूती, जूनी, रेशमी, मानव-निर्मित तथा सूती टेरी डॉक्टर, फैब्रिक सहित बटैरिड फैब्रिक्स
5. अल्लोहल मदिरा के साक्ष्य
6. मदिरा «टॉनिक अथवा मोडिकेटिड»
7. केसर

ख. मूल्यवान, अर्ध-मूल्यवान और अन्य रत्न

क्रम सं०	प्रद का विवरण	प्रतिबंध का स्वरूप
1.	व्यक्तिगत जिरकोनिया	इस सम्बन्ध में जारी की गई सार्वजनिक सूचना के अनुसार या लाइसेंस के प्रति निर्यात के लिए आयात अनुमति हैं ।
2.	रत्न : «क» अपरिष्कृत हीरे «ख» परिष्कृत या बिना तराशे गए सिंथेटिक रत्न	- कहीं -

- ॥बिना तरारो गर
सिमेंटिक स्त्री को छोड़कर॥,
और
॥ग॥ फन/स्त्री और नीलम, अर्द्ध-मूखवान
और मूखवान रत्न और मोती
॥वास्तविक वा संश्लिष्ट॥
3. प्रेनाइट, पोरिफरी, बेसाल्ट, बालूका
फयर और स्मारकीय वा झारती
अन्य फयर बड़े मोटे तौर पर
क्लाकों वा स्लेबों में काटकर वा
अन्यथा, तरारो हुए हों वा न
हों वा केवल कटे हुए हों । - वही -
4. 2.5 वा अधिक आभासी विशिष्ट
फनत्व का संग्रामर, डैवरटाइन, एको-
साइन और अन्य कल्केस स्मारकीय वा
झारती फयर बड़े मोटे तौर पर
क्लाकों वा स्लेबों में काटकर वा अन्यथा
तरारो हुए हों वा केवल कटे हुए हों । - वही -
5. ओनिस्स - वही -

ग. बचत, सुरक्षा और संबंधित प्रश्न

क्रम सं०	प्रश्नों का विवरण	प्रतिक्रिया का स्वरूप
1.	सुरक्षा छूट के लिए फेर, करेंसी फेर, स्टाम्प फेर और अन्य विशेष प्रकार के फेर	लाइसेंस के तहत वा इस संबंध में जारी सार्वजनिक सूचना के अलावा आयात की अनुमति नहीं है ।
2.	सभी बोर/साइजों के लाली/फ्लार हुए कारतूस	- वही -
3.	अग्नेयोज्ञ	भारत सरकार के द्वारा मामलों और खेल विभाग की संस्तुति पर विषयगत शूटर्स/राइफल स्लेबों को उनके स्वयं उपयोग के लिए, लाइसेंस के तहत को छोड़कर आयात की अनुमति

4. गोला बास्म

नहीं हैं ।

निम्नलिखित को लाइसेंस के प्रति आयात की अनुमति है :-

- ॥1॥ भारत सरकार के कृषि मंत्रालयों और सेल विभाग की संस्तुति पर विद्यमान निशाने-बाज/राइफल स्त्रों को उनके स्वयं उपयोग के लिए ; और
- ॥2॥ विशिष्ट प्रकार के गोलाबास्म के लिए लाइसेंसधारी गार्मर्स डीलरों को खानिदिष्ट शर्तों के अधीन ।

5. विस्फोटक

भारत सरकार के विस्फोटक निष्पन्न की संस्तुति पर सरकारी विभागों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को आयात की अनुमति दी जा सकती है । आयातकों की अन्य श्रेणियों को लाइसेंस लेना होगा ।

6. स्लोरो फ्लूरो हाइड्रोकार्बन्स

लाइसेंस के प्रति या इस संबंध में जारी सार्वजनिक सूचना के अनुसार, को छोड़कर आयात की अनुमति नहीं है ।

7क. टिप्पणी 1

- ॥1॥ सी एफ सी आई3 - ॥सी एफ सी-11॥ हाइड्रोफ्लोरो फ्लोरोप्रिमेन
 ॥2॥ सी एफ सी एल2-॥सी एफ सी-12॥ हाइड्रोफ्लोरो हाइड्रोफ्लोरो प्रिमेन
 ॥3॥ सी2 एफ3 सी एल3-॥सी एफ सी-113॥
 1,1,2 हाइड्रोफ्लोरो - 1,2,2 हाइड्रोफ्लोरो इमेन
 ॥4॥ सी2 एफ4 सी एल2-॥सी एफ सी-114॥ 1,2 डाईहाइड्रोफ्लोरो इमेन
 ॥5॥ सी2 एफ3 सी एल-॥सी एफ सी-115॥- स्लोरो फ्लोरो इमेन

वास्तविक प्रयोजन द्वारा लाइसेंस के तहत आयात अनुमति है बशर्ते कि वह आयात उस देश से हो-जो कि "प्रोजेक्ट की परत को नष्ट करने वाले पदार्थों से संबंधित प्रांशियल प्रोटोकॉल" का सदस्य हो । प्रांशियल प्रोटोकॉल में शामिल देशों की सूची विदेश व्यापार महानिदेशालय द्वारा समय-

समय पर अधिसूचित की जायेगी
 तथापि, जो देश प्रांतीय प्रोटेक्टोरेट
 में शामिल नहीं हैं, उनसे आयात
 की अनुमति नहीं होगी ।

गुप 2

॥6॥ सी एफ 2 बी आर सी एल-॥इलोन-1211॥

ब्रोमोक्लोरो डाइफ्लोरो मिथेन

॥7॥ सी एफ 3 बी आर ॥इलोन-1301॥-ब्रोमो डाइफ्लोरो मिथेन

॥8॥ सी 2 एफ 4 बी आर 2- ॥इलोन-2402॥ - डाइब्रोमोक्लोरोडाइफ्लोरो

मिथेन

गुप 1

7.ख.

॥1॥ सी एफ 3 सी आई ॥सी एफ सी-13॥ क्लोरोडाइफ्लोरो मिथेन

॥2॥ सी 2 एफ सी आई ॥सी एफ सी-111॥ फ्लोरोक्लोरोडाइफ्लोरो मिथेन

॥3॥ सी 2 एफ 2 सी आई ॥सी एफ सी-112॥ टेट्राक्लोरो डाइफ्लोरो
 मिथेन

॥4॥ सी 3 एफ सी आई ॥सी एफ सी-211॥ हेक्साक्लोरो डाइफ्लोरो
 प्रोपेन

॥5॥ सी 3 एफ 2 सी आई ॥सी एफ सी-212॥ हेक्साक्लोरो डाइफ्लोरो
 प्रोपेन

॥6॥ सी 3 एफ 3 सी आई ॥सी एफ सी-213॥ फ्लोरोक्लोरो
 डाइफ्लोरो प्रोपेन

॥7॥ सी 3 एफ 3 सी आई ॥सी एफ सी-214॥
 टेट्राक्लोरो टेट्राफ्लोरो प्रोपेन

॥8॥ सी 3 एफ 3 सी आई ॥सी एफ सी-215॥
 टेट्राक्लोरो फ्लोरोक्लोरो प्रोपेन

॥9॥ सी 3 एफ 6 सी आई ॥सी एफ सी-216॥
 डाइक्लोरो हेक्साक्लोरो प्रोपेन

॥10॥ सी 3 एफ 7 सी आई ॥सी एफ सी-217॥
 क्लोरो हेक्साक्लोरो प्रोपेन

गुप 2

॥11॥ सी सी आई 4 क्लोरो टेट्राक्लोरोइड

गुप 3

॥12॥ सी एफ 3 सी आई 3* 1,1,1-ट्राइक्लोरो मिथेन

॥प्रियाइल क्लोरोफॉर्म॥

* यह कार्बन 1,1,2-ट्राइक्लोरो मिथेन के संघर्ष में नहीं है ।

8. §11 कम्यूनिकरण जैमिा इन्विपमेंट स्टेटिक/मोबाइल/मैनपोर्टेबल, केन्द्र सरकार के विभागों को लाइसेंस के प्रति आयात की अनुमति होगी । किन्तु, अन्य किसी श्रेणी के आयातकों को आयात करने की अनुमति नहीं होगी ।
- §21 इलेक्ट्रानिक कम्पोंनेट §11 उपरोक्त के लिए, एंटीना सहित आर एफ, पावर एप्लीफायर्स नॉयस जेनरेटर्स
9. एसिस्टिक एन्हाइडाइड लाइसेंस के तहत या इस संबंध में जारी सार्वजनिक सूचना के अलावा आयात की अनुमति नहीं होगी ।

घ. बीज, पौधे और पशु

क्रम सं०	वस्तु का विवरण	प्रतिबंध का स्वरूप
1.	पशु, पक्षी और रेंगने वाले जीव §उनके अंग और उनके उत्पादों सहित§	प्राणी उत्पादों और पिड़ियाघरों, मान्यताप्राप्त वैज्ञानिक/अनुसंधान संस्थाओं, कच प्राणीजगत एवं कस्यतिजगत की संरक्षण प्रजातियों के अंतरराष्ट्रीय व्यापार से संबंधित कन्वेंशन §साइट्स§ के प्रावधानों के अधीन राज्य सरकार के मुख्य कच जीव वार्डन की सिफारिश पर सर्विस कंपनियों, प्राइवेट व्यक्तियों को लाइसेंस के प्रति आयात की अनुमति होगी ।
2.	स्टैलिक्स और बूडोपेस	राज्य सरकार पशुपक्षि और पशु चिकित्सा सेवाओं के निदेशक या भारत सरकार कृषि मंत्रालय पशुपक्षि और डेयरी विभाग की सिफारिश पर लाइसेंस के प्रति आयात करने की अनुमति होगी
3.	पशुधन §अरवों को छोड़कर§, विशुद्ध पशुधन, पक्षी, अंडे, फोल्ज सीमिन/एम्ब्रियो, पॉट स्टॉक §पोल्ड्री§ और क्मार्शियल फिस	भारत सरकार, कृषि एवं सहकारिता विभाग की सिफारिश पर लाइसेंस के प्रति आयात की अनुमति होगी ।
4.	पौधे, फल और बीज	§कृषि§ बुराई करने के लिए गेहूं, धान, मूंगे अनाज, दालें, तिलहन और धारे के बीजों की, बिना लाइसेंस आयात करने की अनुमति होगी, बशर्ते नई बीज विकास नीति 1988 की शर्तें पूरी होती हों और पौधे, फल एवं बीज §भारत में आयात के विनियमन§ अधिनियम, 1989 के अनुसार परीक्ष के अंतर्गत आयात हो । §ख§ बुराई या रोपण के लिए सब्जी, फल, फल और पौधों के

बीजों, फूलों के बन्ध और ट्यूबर्स फूलों एवं फलों की कटिंग, सैपलिंग, बड़बुड़ आदि के आयात बिना लाइसेंस करने की अनुमति, पौधे, फल और बीज भारत में आयात के विनियमन अधिनियम, 1989 के अनुसार परीक्षा के अंतर्गत होगी। तथापि, यदि वसतस के आयात की अनुमति दी जाती है तो वह इस शर्त के अधीन होगी कि आयातक मूल देश के मुख्य प्राधिकारी से एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा कि अग्रणी पोस्ट को अन्तर्राष्ट्रीय नरसिले फार्म निबंधन ब्यूरो की अपेक्षाओं के अनुसार उस देश में विधिसम्मत/कानूनी रूप से पैदा किया गया है।

अथवा बीज, फल और पौधों का आयात उपयोग के लिए अथवा अन्य प्रयोजनों के लिए लाइसेंस के प्रति अथवा इस विषय में जारी सार्वजनिक सूचना अथवा निर्यात और आयात शर्तों के आई टी सी एच एस कार्यकरणों में उल्लिखित नीति के अनुसार अनुमत्त होगा। तथापि, यदि वसतस के आयात की अनुमति दी जाती है तो वह इस शर्त के अधीन होगी कि आयातक मूल देश के मुख्य प्राधिकारी से एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा कि अग्रणी पोस्ट को अन्तर्राष्ट्रीय नरसिले फार्म निबंधन ब्यूरो की अपेक्षाओं के अनुसार उस देश में विधि-सम्मत/कानूनी रूप से पैदा किया गया है।

अथवा पौधों और उनके उत्पादों व उनसे तैयार माल का आयात, वन्य प्राणीजन्त एवं वनस्पतिजन्त की संरक्षण प्रजातियों के अन्तर-राष्ट्रीय व्यापार संबंधी कन्वेंशन की शर्तों के अनुसार होगा।

ड. कृषिनाशी और कीटनाशी

क्रम सं०	शर्तों का विवरण	प्रतिबंध का स्वरूप
1.	कोई भी कीटनाशी, कृषिनाशी, अप्रज्जनाशी, जडीबूटनीनाशी, कुन्तकनाशी और बटकनाशी जिन्हें कीटनाशी अधिनियम, 1968 और उनके प्रतिपादन के अन्तर्गत किन्हीं फंजीकृत नहीं किया गया है या जिन्हें आयात के लिए निषिद्ध किया गया है।	इनके आयात की अनुमति नहीं होगी। तथापि, कोई कीटनाशी कृषिनाशी, अप्रज्जनाशी, जडीबूटनीनाशी, कुन्तकनाशी और बटकनाशी जिन्हें कीटनाशी अधिनियम, 1968 और उनके प्रतिपादन के अन्तर्गत फंजीकृत किया गया है या आयात के लिए निषिद्ध नहीं किया गया है, किसी आयात लाइसेंस के बिना मुक्त रूप से आयात की जा सकती है।

2. डी डी टी-टेक्नीकल 75 #डब्ल्यूडीपी# लाइसेंस के प्रति या इस संबंध में जारी सार्वजनिक सूचना के तहत आयात की अनुमति होगी ।

ए. औषध और भेषज

- | | | |
|----|--|---|
| 1. | सभी प्रकार की पौन्सलीन | लाइसेंस के प्रति या इस सम्बन्ध में जारी सार्वजनिक सूचना के अनुसार आयात की अनुमति है । |
| 2. | 6 - ए पी ए | - कहीं - |
| 3. | टेरासाइक्लिन/ऑक्ससी टेरासाइक्लिन और उनके तत्व | - कहीं - |
| 4. | स्ट्रेप्टोग्राइसिन | - कहीं - |
| 5. | रिफेम्पिसिन | - कहीं - |
| 6. | रिफेम्पिसिन के मध्यवर्ती, नाममात्रः
#1# 3 फायमाइल रिफा एस वी
#2# रिफा एस/रिफा एस सोडियम और
#3# 1-रामिनो-4 प्रिवाइल पिरिजेनाइन | - कहीं - |
| 7. | क्विप्रिम बी-1, क्विप्रिम बी-2 और उनके तत्व | - कहीं - |

छ. रसायन और सम्बद्ध पदार्थ

- | | | |
|----|--|--|
| 1. | अलाइल ग्राइसोफ्लोसिक्लिन | लाइसेंस के प्रति या इस सम्बन्ध में जारी सार्वजनिक सूचना के अनुसार आयात की अनुमति है । |
| 2. | केपोसिटर फ्लूइस-पी सी बी टाइप | - कहीं - |
| 3. | पोली ग्लोमिनेटिड बाइफेनाइल्स | रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग की सिफारिश पर लाइसेंस के तहत को छोड़कर आयात की अनुमति नहीं है । |
| 4. | पोली क्लोरीनोडिड बाइफेनाइल्स | - कहीं - |
| 5. | पोली क्लोरीनो-नैटिड टराफेनाइल्स | - कहीं - |
| 6. | प्रिस # 2, 3 डाई-ब्रोमोप्रोपिल# फासफेट | - कहीं - |
| 7. | क्रोसोडोलाइट | - कहीं - |
| 8. | व्यक्तरनाक अपरोष | संसाधन या पुनः उपयोग के लिए ही लाइसेंस के प्रति आयात की अनुमति है । |
| 9. | व्यक्तरनाक रसायन | विनिर्माण, मण्डारण और व्यक्तरनाक रसायन नियम 1986 #पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के अधीन बने# के प्रावधानों के अनुसार लाइसेंस के बिना आयात की अनुमति है । नियमों में उल्लिखित अन्य शर्तों के अतिरिक्त आयातक उक्त नियमों की अनुसूची-5 में निर्दिष्ट प्राधिकारी को 30 दिन से पहले किन्तु |

अवत की तारीख से बाद में नहीं, नियम 18 में दिए अनुसार
बोरा प्रस्तुत करेगा ।

ग. लघु क्षेत्र से संबंधित हैं

- | | |
|--|--|
| 1. कापर आक्सिडोराइड | लाइसेंस के प्रति या इस संबंध में जारी सार्वजनिक सूचना के अनुसार अवत की अनुमति है । |
| 2. डिमिथाइल सल्फेट | -वही- |
| 3. डी एल पी टी डाइनाइड्रोसो फेनोप्रोपिलीन टेट्राइड | -वही- |
| 4. सुगंधित सत-सभी किस्में
जो परिवार के लिए हैं उनके सहित | -वही- |
| 5. नियासिन/निकोटिनिक एसिड/निया सिनेमाइड/
निकोटिनेमाइड/एसिडमाइड | -वही- |
| 6. सुगंधित द्रव्यों के मिश्रण/रेजिनाइडस के मिश्रण | -वही- |
| 7. प्लैस्टे प्लास्टिडाइजर | -वही- |
| 8. सुगंधित यौगिक/सिनथेटिक सुगंध तेल | -वही- |
| 9. सीसा तथा स्ल कटर्स | -वही- |
| 10. कणज काटने वाले पाक | -वही- |
| 11. कणज काटने की मशीनें जिनमें
क्यों सक्षिप्त मशीनें जैसे कि
मैक्रोमैटिक प्रोग्राम कटिंग मशीन
ग्री नाइफ डिमर्स शामिल नहीं हैं । | -वही- |
| 12. घरेलू वाटर मीटर | -वही- |

घ. विविध हैं

- | क्रम सं. | वस्तु का विवरण | प्रतिबंध का स्वरूप |
|----------|---|--|
| 1. | वायुयान और हेलिकॉप्टर | अवत की अनुमति केवल लाइसेंस के तहत या इस संबंध में जारी सार्वजनिक सूचना के आधार पर है । |
| 2. | पोत, ट्रालर, बोट और अन्य जल परिवहन वाहन | - वही - |

3. वाणिज्यिक और राष्ट्रीय प्रोटोबोर्डल वाहन जिनमें - बड़ी -
इण्डिया और तिपडिया औद्योगिक लोकमोटिव और
निजी किस्मों के वाहन शामिल हैं ।
4. नारिकेल- जटा शेरान/धमा/कपड़ा - बड़ी -
5. कच्चा रेशम/रेशम कुन्त लाइसेंस के तहत या इस संबंध में जारी सार्वजनिक
सूचना के अनुसार आयात की अनुमति है ।
6. प्राकृतिक रबड़ - बड़ी -
7. रेडियो शैल्य संप्रदाय परमाणु ऊर्जा विभाग की सिफारिश पर आयात
कर जाने की अनुमति है ।
8. रेडर अर्प आससाइड जिस्मों - बड़ी -
स्टाइल सैण्ड शामिल है ।
9. सिनेमेटोग्राफ फीचर फिल्म और वीडियो फिल्म आयात की अनुमति निम्नलिखित को होगी :
॥क॥ भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार और
भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान,
नेशनल सेंटर आफ फिल्मस् फार प्रिन्टन
एण्ड दंग पीपल और सत्यजीत रे फिल्म और
टेलीविजन संस्थान ।
॥ख॥ जन्मों को ऐसी शर्तों के अधीन जो इस
संबंध में विनिर्दिष्ट की जाएं,
10. कच्चा पाम स्टीयरिन आयात की अनुमति केवल लाइसेंस के प्रति या इस
संबंध में जारी सार्वजनिक सूचना के आधार पर है ।
11. केवल कुक्कुट अथवा जानवरों के कुक्कुट अथवा जानवरों के बारे के विनिर्माताओं द्वारा आयात
लाइसेंस के बिना अनुमति होगा बरतें आयात अनुबंध/साल-पर
नेट के पास पंजीकृत हो जो वास्तविक आयातों को मॉनिटर
भी करेगा ।
12. नेया आयात लाइसेंस के बिना अनुमति होगा बरतें कि आयातक नेया
की रिटर्न स्टीम केवल कूड आयात रिफाइनरियों को बेचेगा ।
बिक्री वाणिज्यिक शर्तों पर होगी जो कि आयातक और रिफाइनरी
के बीच तय हों । तथापि, आयातक रिटर्न स्टीम को स्वयं की प्रहीत
लक्ष्य हेतु औद्योगिक संभरण के तौर पर इस्तेमाल कर सकता है
परन्तु शेष बचा नेया, यदि कोई हो तो, वह केवल आयात
रिफाइनरियों को बेचा जाएगा ।

13. यन्त्री आटोमोबाइल वाहनों की बैटरियाँ और टायर जिसमें दुपहिया, त्रिपहिया और निजी वाहन शामिल हैं । आयात की अनुमति केवल लाइसेंस के तहत या इस संबंध में जारी सार्वजनिक सूचना के आधार पर है ।
14. सोडियम धातु -कड़ी

प्र . विरासत श्राव्य

क्र.सं.	प्रकार का विवरण	प्रतिबंध का स्वरूप
1.	होटलों, रेस्टोरेंटों, डेकल स्क्वेटों और दूर आगरेटों पर्यटन परिकल्पना आगरेटर्स रोमांच/कच बीज जैसे पर्यटकों हेतु अन्य दृष्टि और पारम्परिक दृष्टि	प्रधानमन्त्री, पर्यटन, भारत सरकार की सिफारिश पर लाइसेंस के तहत या इस संबंध में जारी सार्वजनिक सूचना के अनुसार आयात की अनुमति है ।
2.	रिक्लीकरण निवासों के लिए उपोक्षित प्रतिबंधित प्रभे ।	अनिवार्य आयात आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लाइसेंस के तहत आयात की अनुमति है । आयात की प्रभे और ऐसे आयात की शर्तें निर्दिष्ट अनुसार होगी ।

भाग-3

15.3 सारणीकृत प्रभे

क्रम सं.	प्रकार का विवरण	सारणीकृत अभिकरण
1.	पेट्रोलियम उत्पाद, नाममात्रः ॥क॥ एविएशन टर्बाइन फ्यूल ॥ख॥ कृषि तेल ॥ग॥ मोटर स्प्रिट ॥घ॥ बिटुमेन ॥रस्फाहट॥ पेट्रोल ग्रेड ॥ङ.॥ फर्नेस आइल ॥लो स्ल्फर हेवी स्टाक और लो स्ल्फर वेक्सी रीसिड्यू को छोड़कर ॥ और	इंडियन आइल कांफरेशन लिमिटेड

॥४॥ हाई स्पिड डीजल

- | | | |
|----|---|---|
| 2. | सभी प्रकार के उर्वरक, फोस्फैटिक और पोटाशिक उर्वरक, हाई अमोनियम फोस्फेट ॥डीएपी॥, पोटाश का ग्रिफ्ट ॥एमएपी॥, मोनो अमोनियम फोस्फेट ॥एमएपी॥, पोटाश का स्क्वेट ॥एसओपी॥, एन पी उर्वरक और एन पी के उर्वरक को छोड़कर । | ॥1॥ भारतीय खनिज एवं धातु व्यापार निगम लिमिटेड
॥2॥ केवल ब्रिवा के आयात के लिए भारतीय व्यापार निगम लिमिटेड और भारतीय पोटाश लिमिटेड |
| 3. | नारियल का तेल, आरबीडी तड़ का तेल और आर बी डी तड़ स्टीरिन | भारतीय राज्य व्यापार निगम लिमिटेड तथा हिन्दुस्तान कनस्पति तेल निगम लिमिटेड |
| 4. | बीज ॥गोता, मूंगफली, तड़, रेपसीड, कुसुम, सोयाबीन, सुरभूमणी, कपास ॥ | - बंदी - |
| 5. | ज्या अखिल/बाइना कुड अखिल और सुगन्धित प्राकृतिक तेलों को छोड़कर अन्य सभी बिना खाने वाले तेल; बीज या कोई, फसल जिसे उपर्युक्त या नीति में कहीं विनिर्दिष्ट नहीं किया गया है, जिससे तेल निकाला जा सके, को छोड़कर | - बंदी - |
| 6. | तड़ स्टीरिन, कच्चा तड़ स्टीरिन; पाप केनल आर्सेल और सभी प्रकार के टेलो अमाइन्स | भारतीय राज्य व्यापार निगम लिमिटेड |
| 7. | सूणी पालन या पशु-पालन के लिए, खाद्य श्रेणी के मक्के को छोड़कर, अनाज | ॥1॥ भारतीय खाद्य निगम
॥2॥ इस बारे में जारी सार्वजनिक सूचना के अनुसार गेहूँ के आयात की अनुमति होगी । |
| 8. | लौंग, दालचीनी और तेजपत्र | ॥1॥ मसाला व्यापार निगम लिमिटेड
॥2॥ भारतीय कृषि सहकारिता विपणन संघ लिमिटेड |

अध्याय -16

निर्यातों की निषेधात्मक सूची

भाग-1

16.1 वर्जित प्रदेश

क्रम सं०

प्रदेशों का विवरण

1. मोर पंख और उससे बने हस्तशिल्प तथा चीनल एवं साँभर के भड़े हुए मृग शृंग की वस्तुओं व चीनल को छोड़कर सभी प्रकार के जंगली जानवर, जिनमें उनके अंग और उत्पाद शामिल हैं जो "निर्यात और आयात प्रदेशों के आई.टी.सी. १एच एस १ वर्गीकरण" नामक पुस्तक के परिशिष्ट-1 की अनुसूची-2 में व्यापिनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन है ।
2. विदेशी पक्षी
3. संकटापन्न प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संबंधी कन्वेंशन १९७३ आई.टी.सी. १एस १ के परिशिष्ट-1 और परिशिष्ट-2 में शामिल सभी प्रकार के पौधे, की प्रदे जंगली आर्किड, और पक्ष्य जो "निर्यात और आयात प्रदेशों के आई.टी.सी. १एच एस १ वर्गीकरण" नामक पुस्तक के परिशिष्ट-2 की अनुसूची-2 में व्यापिनिर्दिष्ट हैं ।
4. गोम्रांस
5. मानव कंकाल
6. मछली के तेल को छोड़कर किसी भी पशु की शर्बी, बसा तथा/वा तेल
7. सिर्फ अश्वत्थि लट्ठा/स्मारकी लकड़ी से ही बनी चीरी हुई स्मारकी लकड़ी को छोड़कर लट्ठा, स्मारकी लकड़ी, टूट, ञड़, टखनी, पिप्पी, पाइडर, पछी, बुराहा, लकड़ी तथा बरकेल के रूप में काष्ठ तथा काष्ठ उत्पाद जो "निर्यात और आयात प्रदेशों के आई.टी.सी. १एच एस १ वर्गीकरण" नामक पुस्तक के परिशिष्ट-1, अनुसूची-2 में व्यापिनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन है ।
8. दिनांक 13-15 जनवरी, 1993 को पेरिस में हस्ताक्षरित संयुक्त राष्ट्र रासायनिक हथियार सम्मेलन की अनुसूची-1 में शामिल रासायन, जो "निर्यात और आयात प्रदेशों के आई.टी.सी. १एच एस १ वर्गीकरण" नामक पुस्तक के परिशिष्ट-3, अनुसूची-2 में व्यापिनिर्दिष्ट हैं ।
9. किसी भी रूप में पंढन की लकड़ी, निम्नलिखित को छोड़कर :-
 १। पंढन की लकड़ी से बने तैयार हस्तशिल्प उत्पाद ;
 २। पंढन की लकड़ी के शरीर द्वारा तैयार उत्पाद; और
 ३। पंढन की लकड़ी का तेल जो "निर्यात और आयात प्रदेशों के आई.टी.सी. १एच एस १ वर्गीकरण" नामक

पुस्तक के परिशिष्ट-1, अनुसूची-2 में व्यापिनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन है ।

10. रेड सेण्डर्स लकड़ी किसी भी रूप में, बाड़े अपरिष्कृत हो, प्रसंस्कृत अथवा अप्रसंस्कृत हो लेकिन इनमें निर्यात और आयात शर्तों के आई टी सी १एच एस१ वर्गीकरण" नामक पुस्तक के परिशिष्ट-4, अनुसूची-2 में निर्धारित शर्तों के अधीन तथा व्यापिनिर्दिष्ट रेड सेण्डर्स लकड़ी के ऐसे मूल्य संबंधित उत्पाद शामिल नहीं है ।

भाग - 2

- 16.2 प्रतिबंधित शर्तें
१ लाइसेंस के तहत निर्यात अनुमति

शर्तों	शर्तों का विवरण
1.	3 इंच से कम आकार के बीच-डी-ग्रे
2.	प्रवेशी
3.	जुट
4. १1१	सुरक्षित फास्फेट सहित सभी प्रकार के रासायनिक उर्वरक
१2१	उर्वरक १ नियंत्रण अधिनियम, 1985 के भाग क 1१व१ की अनुसूची 1 में विनिर्दिष्ट शर्तों को छोड़कर माइक्रोन्यूट्रिएंट उर्वरक तथा उनके एन.पी.के. युक्त मिश्रण
5.	पवित्र कुरान की आयतों के छोटे वाली परिधान सामग्री/सिलेसिलाए परिधान फैब्रिक्स/वास्त्र शर्तें
6.	ग्राफली की खली जिसमें 1 प्रतिशत से ज्यादा तेल हो और ग्राफली एक्सपेलर खली
7.	300 ग्राम से कम भार की ताजी तथा प्रशीतित फिल्टर पाप्रेट
8.	मेमनों के लोम र्थ को छोड़कर पालतू पशुओं के लोम र्थ
9.	गेहूं और बाजल के भूसे सहित चारा
10.	निम्नलिखित खालें और र्थ :-
१1१	एनियल ग्लु कोलेटिन के विनिर्माण के लिए कच्चे माल के रूप में प्रयुक्त खालों और र्थ की कटिंग और फ्लेशिंग
१2१	मेमनों के लोम र्थ को छोड़कर सभी प्रकार की अपरिष्कृत खालें और र्थ
१3१	ई.आई. शीश और गीली नीली खालों और र्थ तथा पण्डितार र्थ सहित अर्ध-संसाधित खालों तथा र्थ की सभी श्रेणियाँ
१4१	क्लोसिंग लेदर फर स्वेड/हेयर, हेयर-गन स्वेड/शिथरिंग स्वेड लेदर्स
१5१	फर लेदर्स
१6१	औद्योगिक चाड़े, नामातः
	1. सार्कल सेडल लेदर्स
	2. हाइड्रोथैलिक/पैकिंग/बैल्टिंग/हार्नेस/वाशर/लेदर्स
	3. फिकरिंग बैन्ड लेदर्स
	4. स्ट्रेप/कोरिंग लेदर्स
१7१	लाइनिंग लेदर्स, नामातः
	१1१ गाय और भैंस की खालों और बछड़े के र्थ से लाइनिंग स्वेड
	१2१ बकरी, बकरी के बच्चे, मेमने और भेड़ की खालों से लाइनिंग स्वेड

- ॥8॥ लोज लेसर्स - केस हाइड वा साइड/सुटेस/टैड के/लोव/केस के लेसर
- ॥9॥ विविध षण्डे, नामरा:
- ॥1॥ बुक बाइन्डिंग लेसर्स
- ॥2॥ स्क्वर लेसर्स
- ॥3॥ ट्रान्जिस्टर केस/केपरा केस लेसर
- ॥10॥ ए उपर लेसर्स, नामरा:
- ॥1॥ बुबेर लेसर
- ॥2॥ स्टर्टाई स्लीपर/सेडल लेसर
- ॥11॥ सोल लेसर क्रोम टैड सोल लेसर
11. घड़े -काठियावाड़ी, मारवाड़ी और मणिपुरी नस्लें
12. लकड़, अयस्क तथा सामान्य नामरा:
- ॥1॥ क्रोम अयस्क निम्नलिखित को छोड़कर :-
- ॥क॥ लामानिक सुक्ष्म क्रोम अयस्क/सामान्य तथा
- ॥ख॥ जो भाग 3 में उल्लिखित हैं ।
- ॥2॥ 46% से अधिक मैग्नीज वाले टैले/मिश्रित मैग्नीज अयस्क
13. दुग्ध, शिशु-दुग्ध और स्टरलाइज्ड लिक्विड दुग्ध
14. पसेवा और जीवित कीट वृक्ष कोई भी लाल, स्टिकलेक, बूडलेक ।
15. प्रसूर, फना, सेम सहित सभी प्रकार की दालें तथा उनसे बने अटे
16. ऐसी संसाधित दालें जो शुल्क छूट योजना के अन्तर्गत वा निर्यातानुगत एकक/निर्यात संसाधन क्षेत्र के एकक द्वारा अयातित दालों से भिन्न दालों से बनी हुई हों ।
17. धान ॥छिल्ले सहित धान॥
18. कृषी और उबली हुई चावल की भूसी
19. बीज और रोपण सामग्री, नामरा: :-
- अरंडी के बीज, बिनोला - इनमें उस बिनोले को छोड़ दिया गया है जो सीमा शुल्क उत्पन्न के तहत अन्य देशों में उत्पादित किस्में/संकर बीज हैं, काजू बीज तथा पोथे, मिश्र की कण्ठेयी ॥बर्सीम॥ - डिफोलिएट एलाक्सटम बीज, चारा फसल बीज, हरी वाय बीज, टैंग को छोड़कर ;
- ग्वार बीज ॥समपूर्ण॥, फटसन बीज, अलसी, लुसर्न ॥अल्फाल्फा॥ मेडिकगो स्टार्वा, ग्रेटा बीज, नक्स वायिका बीज/छाल/फले/जड़ व वर्ण, प्याज के बीज, सजावटी पौधों ॥जंगली किस्म॥ के बीज, धान-बीज ॥जंगली किस्म॥, काली मिर्च की कलमें वा कालीमिर्च की जड़वृक्ष कलमें, फारस की कण्ठेयी ॥स्नामटेल डिफोलिएट-रेसुपीनियम॥ बीज, लाल सेन्डर्स बीज ॥पैरोकार्पस सेटालिस॥, रबड़ बीज, रसा घास के बीज और टफट्स, सभी अन्य प्रजातियों के बीज, सभी तिलहन और दालों के बीज, सोयाबीन के बीज, पन्धन के बीज ॥सन्टालम एलम॥, केसर के बीज वा कोर्प्स ॥केसर के लिए रोपण-सामग्री॥ गेहूं के बीज ॥जंगली किस्म॥

20. सड़की सीप, पाँचला फिर हुए सड़की सीप तथा सड़की सीपों से बने हस्तशिल्प को छोड़कर निम्नलिखित वे सभी प्रजातियाँ शामिल नहीं हैं, जिनके किसी भी रूप में निर्यात की अनुमति नहीं है :
- 111 टोक्स निलोटिकोस
 - 121 ट्यों प्रजाति
 - 131 लैम्बस प्रजाति
 - 141 ट्रिडैस्ना गिगस
 - 151 चैक्स पाइरस
21. जी हडलिस सहित सभी प्रकार की सड़की शैवाल, परन्तु इनमें बाधन सड़की शैवाल तथा संसाधित रूप में तैम्लनाइ तथा फूल के थोफाइट्स शामिल नहीं हैं ।
22. रेगम के कड़ि, रेगम कीट बीजाणु, रेगम कीट कोम्न
23. 111 5 किया से अधिक के उपमेस्ता पैकों में वस्यति तेल, जिनके नाम हैं :-
नारियल तेल, बिनोला तेल, कर्ल अखल, कर्ली तेल, अलसी का तेल, सरसों का तेल, राम तिल का तेल, पपम अखल, पपम गिरी तेल, रेपसीड तेल, राबल भूसी का तेल, सलाब-तेल, सूर्यमुखी का तेल, तिल का तेल, सोयाबीन तेल
- 121 मृणाली तेल
24. 111 क्तिरेज ग्रेटरकार, उनके हिस्से-पुर्खे तथा संघटक, जो दिनांक 1-1-1950 से पहले बने हों ।
121 क्तिरेज ग्रेटरसाइकिल, उनके पुर्खे और संघटक, जो दिनांक 1-1-1940 से पहले बने हों ।
25. फिस्कोस स्टेफल फाइबर निर्यात, पॉलीनोसिक रेक्स को छोड़कर
26. सम्पूर्ण मानव रक्त प्लाज्मा और मानव रक्त से व्युत्पन्न सभी उत्पाद, जिसमें मानव प्लैसेंटा तथा मानव प्लैसेंटा रक्त से विनिर्मित गामा ग्लोबुलिन तथा मानव सीरम अल्बुमिन शामिल नहीं हैं; कच्चा प्लैसेंटा, प्लैसेंटल ब्लड प्लाज्मा
27. रद्दी कपण
28. दिनांक 13-15 जनवरी, 1993 को पेरिस में हस्ताक्षरित संयुक्त राष्ट्र रासायनिक हथियार सम्मेलन की अनुसूची 2 तथा 3 में शामिल रसायन, जो "निर्यात और आयात ज्यों के आई.टी.सी एच एस॥ वर्गीकरण" नामक पुस्तक के परिशिष्ट-5, अनुसूची-2 व्याख्यानित हैं ।
29. अद्यावधि चीनी, जिसमें ऐसी चीनी भी शामिल है जो बन्दराह पर पकूष गई हो और सीमाशुल्क की कित्यरेन्स के लिए पड़ी हो ।
30. "निर्यात और आयात ज्यों के आई टी सी एच एस॥ वर्गीकरण" नामक पुस्तक के परिशिष्ट-6, अनुसूची-2 में व्याख्यानित विशेष सम्प्रीध्या, उपस्कर तथा प्रोद्योगिकी ।

31. "निर्वात और अव्यक्त वस्तुओं के आई टी सी एच एस का कौटिल्य" नामक पुस्तक के परिशिष्ट-7, अनुसूची-2 में व्यापकनिर्दिष्ट रसायन किन्हीं दो रसायन भी शामिल हैं, जो ओजोन परत को नष्ट करने वाले पदार्थों संबंधी मान्यता प्रोटोकॉल के अनुलग्नक "क" और "ख" में शामिल रसायन ।
32. ऐसी कोई अन्य यह जिसका निर्वात इस संबंध में विदेश व्यापार प्रशासनिक द्वारा जारी किसी सार्वजनिक सूचना द्वारा विनिश्चित होता हो ।

भाग-तीन

16.3 सरणीबद्ध वस्तु

क्रम सं०	वस्तु का विवरण	सरणीबद्ध एजेंसी
1.	पेट्रोलियम उत्पाद, नामांकित:	इण्डियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड
111	एविएशन टर्बाइन फ्यूल	
121	बिटेमेन एस्फाल्ट पेंटिंग्स	
131	रूड ऑयल	
141	फर्टिलेजर ऑयल	
151	हाई स्पीड डीजल	
161	मिस्ट्री का तेल	
171	लिक्वीफाइड पेट्रोलियम गैस एलपीजी	
181	मोटर सिस्टम	
191	नाफ्था	
1101	कच्चा पेट्रोलियम कोक	
2.	गोंद कराया	भारतीय जनजाति सहकारी विपणन परिसंघ लि., नई दिल्ली ।
3.	माइका वेस्ट एफेक्टरी कटिंग सक्षिप्त तथा स्लेप को माइका संसाधित करते समय प्राप्त किया जाता है तथा साइज और रंग के कारण जिसे संसाधित अभ्रक की विशिष्टता से कम माना जाता है ।	एनिल एंड धातु व्यापार निगम लि. एच एम टी सी, नई दिल्ली
4.	एनिल अक्वस एवं सॉल्यूशन नामांकित:	
111	रेडर ऑर्ब एडिक्टिव सक्षिप्त अक्वस कंसंट्रेट तथा उसके कंपाउंड	इंडियन रेडर ऑर्ब लि., बम्बई ।

- ॥2॥ एम्प्रेसरी इन्फोडेटेड्स के रूप में इंडियन रेवर अर्बस लि., बम्बई तथा केरल खनिज एवं निम्नलिखित सबस्टेंस वाले अन्य धातु लि., कोल्लाम खनिज जिन्हें निम्नलिखित शामिल हैं :-

॥क॥ समोरस्काइट

॥ख॥ यूरेनीफेरियस अलानाइट:-

॥1॥ रेडियम अयस्क तथा सामान्य

- ॥3॥ इंडियन रेवर अर्ब लिमिटेड तथा केरल इंडियन रेवर अर्बस लि., बम्बई तथा केरल खनिज एवं धातु द्वारा उत्पादित ग्रेनुलर धातु लि., कोल्लाम सिलिमोनाइट ।

- ॥4॥ लोह अयस्क एमएफटीसी लिमिटेड

हालांकि, निम्नलिखित प्रकार के लोह अयस्क के निर्यात को सरणीबद्ध नहीं किया गया है :-

॥क॥ चीन, यूरोप, जापान, दक्षिण कोरिया और ताईवान को निर्यात किया जाने वाले लोह अंश को ध्यान में रखे बिना गोला मूल का लोह अयस्क

॥ख॥ लोह अंश को ध्यान में रखे बिना सभी बाजारों के लिए रेडी मूल का लोह अयस्क

॥ग॥ 64% तक लोह अंश के सभी लोह अयस्क

- ॥5॥ ॥क॥ 38 प्रतिशत तक सी आरटओउ एम एम टी सी लिमिटेड सहित क्रोम अयस्क लम्पस

॥ख॥ लो सिलिका फ्राइबल/फाइन अयस्क एम एम टी सी लिमिटेड फ्राइबल/फाइन अयस्क जिन्हें सी आरटओउ 52% से अधिक न हो तथा 4% से अधिक सिलिका न हो ।

- ॥6॥ सभी कोटियों के बॉक्साइट, कैलासिन्ड खनिज एवं धातु व्यापार निगम लि., नई दिल्ली बॉक्साइट तथा लो ग्रेड बॉक्साइट ए ओउ ओउ अलुमिना कैंटेन सहित, जो एराण्ड तट मूल के बॉक्साइट में 54 % से कम हों ।

॥7॥ निम्नलिखित को छोड़कर मैग्नीज अयस्क :
46 प्रतिशत मैग्नीज से अधिक लम्पी
ब्लैण्डेड मैग्नीज अयस्क ।

॥1॥ एम एम टी सी लि॥

॥2॥ एम ओ आई एल खानों में उत्पादित मैग्नीज अयस्क
के लिए मैग्नीज ओर इण्डिया लिमिटेड ॥मॉयल॥

5. रामतिल के बीज

॥1॥ भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारिता विपणन परिसंघ लि॥
॥नेफेड॥, नई दिल्ली ।

॥2॥ भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास परिसंघ लि॥
॥राईफेड॥, नई दिल्ली

॥3॥ राष्ट्रीय दूध विकास बोर्ड ॥एन डी डी बी॥

॥4॥ मध्य प्रदेश राज्य सहकारी तिलहन उत्पादक फेडरेशन
लिमिटेड, भोपाल

6. प्याज

भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारिता विपणन परिसंघ लि॥ ॥नेफेड॥,
नई दिल्ली ।

परिशिष्ट - 1

निर्वात आभूषण वस्तुओं/निर्वात संसाधन क्षेत्र की वस्तुओं/इ एच टी पी स्कीम नीति का पैरा 9.5।
के अन्तर्गत कुछ वस्तुओं के लिए अपेक्षित एन एच इ पी

1.	इलेक्ट्रॉनिक्स	
	कम्प्यूटर सामग्री	60 प्रतिशत
	इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर	कोई न्यूनतम शर्त नहीं
2.	वस्त्र	
	क. सिले-सिलार वस्त्र	40 प्रतिशत
	ख. प्रेड-अप	30 प्रतिशत
	ग. कॉटन वर्न और कॉटन पोलिस्टर वर्न	30 प्रतिशत
	घ. रिंग-स्पिंडल्स स्पा	
	च. कॉटन वर्न और कॉटन पोलिस्टर वर्न	30 प्रतिशत
	ज. ओफन एण्ड स्पिनिंग	
	ड. पीस गुड्स	30 प्रतिशत
	व. डेनिम फैब्रिक्स	30 प्रतिशत
	घ. टैरी टक्कल	30 प्रतिशत
	ज. सिल्क फैब्रिक्स	30 प्रतिशत
	ड. सिल्क एण्ड हाइफैशन गारमेंट्स	30 प्रतिशत
3.	छाया उत्पाद	
	क. लैडर के फुटकिर	30 प्रतिशत
	ख. लैडर के शू-अपर्स	30 प्रतिशत
	ग. लैडर गारमेंट्स/गुड्स	30 प्रतिशत
	घ. स्पोर्ट्स शूज/स्पोर्ट्स फुटकिर	30 प्रतिशत
4.	रत्न और आभूषण	
	क. साधारण सोने के आभूषण	10 प्रतिशत
	ख. स्वर्ण जड़ित आभूषण	15 प्रतिशत
	ग. पंजी के आभूषण	25 प्रतिशत
5.	अन्य	
	क. लेटेक्स ग्लोक्स	40 प्रतिशत
	ख. प्रेनाइट	50 प्रतिशत
	ग. रीबार चडियां/टाईग पीस/हथ की चडियां	30 प्रतिशत
	घ. सिगरेट	35 प्रतिशत
	ड. सिगरेट लाईटर्स	40 प्रतिशत
	व. हथों सहित त्रिस्ट्रस	30 प्रतिशत
	घ. टिशू क्लनर पोथे	60 प्रतिशत
6.	उपवृक्ष के अंतर्गत न आने वाले उत्पाद	20 प्रतिशत

MINISTRY OF COMMERCE

NOTIFICATION

No. 1/1997—2002

New Delhi, 31st March, 1997

S. O. 283 (E).—In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992 (No. 22 of 1992), the Central Government hereby notifies the Export and Import Policy, 1997—2002 as contained in the Annexure to this Notification. This shall come into force from 1st April, 1997.

2. This issues in public interest.

[Issued from File No. PRU/AS/96-97/Policy]

S. B. MOHAPATRA, Director General of Foreign Trade

and Ex-Officio, Addl. Secy.

EXPORT AND IMPORT POLICY

1st April 1997—31st March 2002

PREFACE

The Export and Import Policy, 1992-97 was a significant landmark in India's economic history. For the first time, conscious effort was made to dismantle various protectionist and regulatory policies and accelerate the country's transition towards a globally oriented economy. This Policy coincided with the 8th Five Year Plan and has yielded impressive growth in exports. While India's total exports during 1991-92 had been US\$ 17.86 billion, it has increased to US\$31.8 billion during 1995-96. India's share in the global trade has gone up and the share of exports as percentage of GDP has also increased from 7.3% in 1991-92 to 9.9% in 1995-96. During the 9th Five Year Plan period the Ministry of Commerce has set an ambitious target of attaining an export level of US\$ 90-100 billion by the year 2002 and achieving 1% share in world trade. Keeping these factors in view, the new Export and Import Policy, 1997-2002 has been formulated. The new Policy seeks to consolidate the gains of the previous Policy and to further carry forward the process of liberalisation. It has been our effort to de-regulate and simplify procedures, to remove quantitative restrictions in a phased manner and to create a congenial environment for the exporting community.

Various apex trade bodies like the CII, FICCI, ASSOCHAM, FIEO and different Export Promotion Councils and organisations have made

significant contributions to the formulation of this Policy. They have organised a number of seminars/workshops at different places and have given constructive suggestions for simplification of the policy and the procedures. It is my privilege to express my sincere thanks to them.

I take this opportunity to convey my sincere gratitude to Shri P.P. Prabhu, Secretary (Commerce), Shri M.S. Ahluwalia, Secretary (Finance), Shri N.K. Singh, Secretary (Revenue), Shri S.D. Mohile, Chairman, CBEC, senior officials in the Ministry of Commerce and the Ministry of Finance for their continuing guidance and support. I also thank Mrs. L. M. Vas, Export Commissioner and the officers and staff of Policy Research Unit and Policy Cell who have methodically compiled and collated all the suggestions received from trade and industry and analysed the same with a positive mind for reflecting such changes which ensure greater simplification and transparency in the Policy. I also acknowledge the support received from other officers and staff of DGFT, the NIC-DGFT Computer Centre and Government of India Press for publication of the Policy.



S.B. MOHAPATRA

NEW DELHI

DIRECTOR GENERAL OF FOREIGN TRADE &

31st March, 1997

EX-OFFICIO ADDITIONAL SECRETARY

TO THE GOVT. OF INDIA

CHAPTER 1

INTRODUCTION

- | | | |
|----------------------------------|-----|--|
| Notification | 1.1 | In exercise of the powers conferred under section 5 of the Foreign Trade (Development and Regulation Act), 1992 (No. 22 of 1992) , the Central Government hereby notifies the Export and Import Policy for the period 1997-2002. |
| Duration | 1.2 | This Policy shall come into force with effect from 1st April, 1997 and shall remain in force for a period of five years, i.e, upto 31st March, 2002 and will be co-terminus with the Ninth Five Year Plan (1997-2002). |
| Amendment | 1.3 | The Central Government reserves the right in public interest to make any amendments to this Policy in exercise of the powers conferred by section 5 of the Act. Such amendment shall be made by means of a Notification published in the Gazette of India. |
| Transitional arrangements | 1.4 | Any Notification made or Public Notice issued or anything done under the previous Export-Import policies, and in force immediately before the commencement of this Policy shall, In so far as they are not inconsistent with the provisions of this Policy, continue to be in force and shall be deemed to have been made, issued or done under this Policy. Licences issued before the commencement of this Policy shall continue to be valid for import/export of the items permitted therein unless otherwise stipulated. |
| | 1.5 | In case an export or Import that is permitted freely under this Policy is subsequently subjected to any restriction or regulation, such export or import will ordinarily be permitted notwithstanding such restriction or regulation, unless otherwise stipulated, provided that the shipment of the export or import is made within 45 days of imposition of such restriction against an order backed by an irrevocable letter of credit established before the date of imposition of such restriction. |

CHAPTER 2

OBJECTIVES

2.1 The principal objectives of this Policy are:

- (i) To accelerate the country's transition to a globally oriented vibrant economy with a view to derive maximum benefits from expanding global market opportunities.
- (ii) To stimulate sustained economic growth by providing access to essential raw materials, intermediates, components, consumables and capital goods required for augmenting production.
- (iii) To enhance the technological strength and efficiency of Indian agriculture, industry and services, thereby improving their competitive strength while generating new employment opportunities, and encourage the attainment of internationally accepted standards of quality.
- (iv) To provide consumers with good quality products at reasonable prices.

2.2 The objectives will be achieved through the coordinated efforts of all the departments of the government in general and the Ministry of Commerce and the Directorate General of Foreign Trade and its network of Regional Offices in particular, with a shared vision and commitment and in the best spirit of facilitation, in the interest of export promotion.

CHAPTER 3

DEFINITIONS

- 3.1 For the purpose of this Policy, unless the context otherwise requires, the following words and expressions shall have the meanings attached to them:
- 3.2 "Accessory" or "Attachment" means a part, sub- assembly or assembly that contributes to the efficiency or effectiveness of a piece of equipment without changing its basic functions.
- 3.3 "Act" means the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992 (No.22 of 1992).
- 3.4 "Actual User" means an actual user who may be either industrial or non-industrial.
- 3.5 "Actual User (Industrial)" means a person who utilises the imported goods for manufacturing in his own industrial unit or manufacturing for his own use in another unit including a jobbing unit.
- 3.6 "Actual User (Non-Industrial)" means a person who utilises the imported goods for his own use in
- (i) any commercial establishment carrying on any business, trade or profession; or
 - (ii) any laboratory, Scientific or Research and Development (R&D) institution, university or other educational institution or hospital; or
 - (iii) any service industry.
- 3.7 "ALC" means the Advance Licensing Committee in the Directorate General of Foreign Trade for recommending grant of licences under Duty Exemption Scheme.
- 3.8 "Applicant" means the person on whose behalf the application is made and shall, wherever the context so requires, include the person signing the application.

- 3.9 "Canalisation" of exports and imports means exports and imports only through the agencies designated by the Central Government.
- 3.10 "Capital Goods" means any plant, machinery, equipment or accessories required for manufacture or production, either directly or indirectly, of goods or for rendering services, including those required for replacement, modernisation, technological upgradation or expansion. Capital goods also include packaging machinery and equipment, refractories, refrigeration equipment, power generating sets, machine tools, catalysts for initial charge, equipment and instruments for testing, research and development, quality and pollution control. Capital goods may be for use in manufacturing, mining, agriculture, aquaculture, animal husbandry, floriculture, horticulture, pisciculture, poultry, sericulture and viticulture as well as for use in the services sector.
- 3.11 "Competent Authority" means an authority competent to exercise any power or discharge any duty or function under the Act or the Rules and Orders made thereunder or under this Policy.
- 3.12 "Component" means one of the parts of a sub-assembly or assembly of which a manufactured product is made up and into which it may be resolved. A component includes an accessory or attachment to the component.
- 3.13 "Consumables" means any item which participates in or is required for a manufacturing process, but does not form a part of the end-product. Items which are substantially or totally consumed during a manufacturing process will be deemed to be consumables.
- 3.14 "Consumer Goods" means any consumption goods which can directly satisfy human needs without further processing and include consumer durables and accessories thereof.
- 3.15 "Counter Trade" means any arrangement under which exports/imports from/ to India are balanced either by direct imports/exports from the importing/ exporting country or through a third country under a Trade Agreement or otherwise. Exports/Imports under Counter Trade may be carried out through Escrow Account, Buy Back arrangements, Barter trade or any similar arrangement. The balancing of exports and imports could wholly or partly be in cash, goods and/or services.

- 3.16 "DEEC" means Duty Exemption Entitlement Certificate issued under Duty Exemption Scheme.
- 3.17 "Designated Authority" means an officer of the Directorate General of Foreign Trade not below the rank of Deputy Director General of Foreign Trade, for operating the Pass book Scheme.
- 3.18 "Drawback" in relation to any goods manufactured in India and exported means the rebate of duty chargeable on any imported material or excisable material used in the manufacture of such goods in India. The goods include imported spares, if supplied, with capital goods manufactured in India.
- 3.19 "EOU" means Export Oriented Unit.
- 3.20 "EPZ" means Export Processing Zone.
- 3.21 "Excisable goods" means any goods produced or manufactured in India and subject to a duty of excise under the Central Excises and Salt Act 1944 (1 of 1944) .
- 3.22 "Exporter" means a person who exports or intends to export and holds an Importer-Exporter Code number.
- 3.23 "Export House/Trading House/ Star Trading House/ Super Star Trading House" means an exporter holding an Export House/ Trading House/ Star Trading House/ Super Star Trading House certificate issued by the Directorate General of Foreign Trade.
- 3.24 "Export Obligation" means the obligation to export the product or products covered by the licence or permission in terms of quantity, value or both, as may be prescribed or specified by the licensing or competent authority.
- 3.25 "Form" means a form prescribed under the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992, or the Rules and Orders made thereunder or a form provided in the Handbook (Vol.1).
- 3.26 "Handbook (Vol.1)" means the Handbook of Procedures (Vol.1) and "Handbook (Vol.2)" means Handbook of Procedures (Vol.2) published under the provisions of the paragraph 4.11 of the Policy.

- 3.27 "Importer" means a person who imports or intends to import and holds an Importer-Exporter Code number.
- 3.28 "Jobbing" means processing or working upon of raw materials or semi-finished goods supplied to the job worker so as to complete a part or whole of the process resulting in the manufacture or finishing of an article or any operation which is essential for the aforesaid process.
- 3.29 "Licensing Authority" means the authority competent to grant a licence under the Act/Order.
- 3.30 "Licensing Year" means the period beginning on the 1st April of a year and ending on the 31st March of the following year.
- 3.31 "Manufacture" means to make, produce, fabricate, assemble, process or bring into existence, by hand or by machine, a new product having a distinctive name, character or use and shall include processes, such as refrigeration, repacking, polishing, labelling and segregation. Manufacture, for the purpose of this Policy, shall also include agriculture, aquaculture, animal husbandry, floriculture, horticulture, pisciculture, poultry, sericulture, viticulture and mining.
- 3.32 "Manufacturer Exporter" means a person who exports goods manufactured by him or intends to export such goods.
- 3.33 "Merchant Exporter" means a person engaged in trading activity and exporting or intending to export goods.
- 3.34 "Notification" means a notification published in the Official Gazette.
- 3.35 "Order" means Order made by the Central Government under the Act.
- 3.36 "Part" means an element of a sub-assembly or assembly not normally useful by itself and not amenable to further disassembly for maintenance purposes. A part may be a component or an accessory.
- 3.37 "Person" includes an individual, firm, society, company, corporation or any other legal person.

- 3.38 "Policy" means the Export and Import Policy, 1997-2002 as amended from time to time.
- 3.39 "Prescribed" means prescribed under the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992 (No. 22 of 1992) or the Rules or Orders made thereunder or under this Policy.
- 3.40 "Public Notice" means a notice published under the provisions of paragraph 4.11 of the Policy.
- 3.41 "Raw material" means:
- (i) basic materials which are needed for the manufacture of goods, but which are still in a raw, natural, unrefined or unmanufactured state; and
 - (ii) for a manufacturer, any materials or goods which are required for his manufacturing process, whether they have actually been previously manufactured or are processed or are still in a raw or natural state.
- 3.42 "RALC" means the Regional Advance Licensing Committee in the office of the Regional Licensing Authority.
- 3.43 "Regional Licensing Authority" means a licensing authority exercising powers in respect of any area or region specified in this behalf by the Director General of Foreign Trade.
- 3.44 "Registration-cum-Membership Certificate" (RCMC) means the certificate of registration and membership granted by an Export Promotion Council or other competent authority as prescribed in the Policy or Handbook (Vol.1).
- 3.45 "Rules" means Rules made by the Central Government under section 19 of the Act.
- 3.46 "SALC" means the Special Advance Licensing Committee in the Directorate General of Foreign Trade for recommending Input- Output Norms to be notified by Director General of Foreign Trade.

3.47 "Service Provider" means a person providing

- (i) supply of a service from India to any other country;
- (ii) supply of a service from India to the service consumer of any other country in India; and
- (iii) supply of a service from India through commercial presence in the territory of any other country.

3.48 "Services" include computer software.

3.49 "SIL" means freely transferable Special Import Licences issued under the Policy.

3.50 "Spares" means a part or a sub-assembly or assembly for substitution, that is ready to replace an identical or similar part or sub-assembly or assembly. Spares include a component or an accessory.

3.51 "Specified" means specified by or under the provisions of this Policy.

3.52 "Wild Animal" means any wild animal as defined in section 2(36) of the Wildlife (Protection) Act, 1972.

3.53 "ZALC" means the Zonal Advance Licensing Committee in the office of Jt. Director General of Foreign Trade at Mumbai, Calcutta, Delhi and Chennai for recommending grant of licences under Duty Exemption Scheme.

CHAPTER 4

GENERAL PROVISIONS REGARDING
EXPORTS AND IMPORTS

Exports and Imports free unless regulated	4.1	Exports and Imports shall be free, except to the extent they are regulated by the provisions of this Policy or any other law for the time being in force. The itemwise export and import policy shall be, as stated in columns 3 to 5 of the book, titled "ITC (HS) Classifications of Export and Import Items" published and notified by the Director General of Foreign Trade and as amended from time to time.
Regulation	4.2	The Central Government may, in public interest, regulate the import or export of goods by means of a Negative List of Imports or a Negative List of Exports, as the case may be.
Negative Lists	4.3	The Negative Lists may consist of goods, the import or export of which is prohibited, restricted through licensing or otherwise, or canalised. The Negative List of Imports and the Negative List of Exports shall be as contained in this Policy .
Prohibited goods	4.4	Prohibited items in the Negative List of imports shall not be imported and prohibited items in the Negative List of Exports shall not be exported.
Restricted goods.	4.5	Any goods, the export or import of which is restricted through licensing, may be exported or imported only in accordance with a licence issued in this behalf.
Terms and Conditions of a licence	4.6	<p>Every licence shall be valid for the period of validity specified in the licence and shall contain such terms and conditions as may be specified by the licensing authority which may include:</p> <ul style="list-style-type: none"> (a) The quantity, description and value of the goods; (b) Actual User condition, (c) Export obligation, (d) The value addition to be achieved, and (e) The minimum export price.
Licence not a right	4.7	No person may claim a licence as a right and the Director General of Foreign Trade or the licensing authority shall have the power to refuse to grant or renew a licence in accordance with the provisions of the Act and the Rules made thereunder.

Canalised goods	4.8	Any goods, the import or export of which is canalised, may be imported or exported by the canalising agency specified in the Negative Lists. The Director General of Foreign Trade may, however, grant a licence to any other person to import or export any canalised goods.
Importer-Exporter Code Number	4.9	No export or import shall be made by any person without an Importer-Exporter Code (IEC) number unless specifically exempted. An Importer-Exporter Code (IEC) number, , shall be granted, on application by the competent authority in accordance with the procedure specified in the Handbook (Vol.1)
Registration-cum-Membership Certificate	4.10	Any person, applying for (i) a licence to import/export or (ii) any other benefit or concession under this Policy shall be required to furnish Registration-cum-Membership Certificate (RCMC) granted by the competent authority in accordance with the procedure specified in the Handbook (Vol.1) unless specifically exempted under the Policy.
Procedure	4.11	The Director General of Foreign Trade may, in any case or class of cases, specify the procedure to be followed by an exporter or importer or by any licensing, competent or other authority for the purpose of implementing the provisions of the Act, the Rules and Orders made thereunder and this Policy. Such procedures shall be included in the Handbook (Vol.1), Handbook(Vol.2) and ITC(HS) Classifications of Export and Import items and published by means of a Public Notice. Such procedures may, in like manner, be amended from time to time.
Compliance with Laws	4.12	Every exporter or importer shall comply with the provisions of the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992, the Rules and Orders made thereunder, the provisions of this Policy and the terms and conditions of any licence granted to him, as well as provisions of any other law for the time being in force.
Interpretation of Policy	4.13	If any question or doubt arises in respect of the interpretation of any provision contained in this Policy, the said question or doubt shall be referred to the Director General of Foreign Trade whose decision thereon shall be final and binding.

If any question or doubt arises whether a licence has been issued in accordance with this Policy or if any question or doubt arises touching upon the scope and content of a licence, the

same shall be referred to the Director General of Foreign Trade for a decision.

- | | | |
|---|------|--|
| Exemption from Policy/ Procedure | 4.14 | Any request for relaxation of the provisions of this Policy or of any procedure, on the ground that there is genuine hardship to the applicant or that a strict application of the Policy or the procedure is likely to have an adverse impact on trade, may be made to the Director General of Foreign Trade for such relief as may be necessary. The Director General of Foreign Trade may pass such orders or grant such relaxation or relief as he may deem fit and proper. The Director General of Foreign Trade may, in public interest, exempt any person or class or category of persons from any provision of this Policy or any procedure and may, while granting such exemption, impose such conditions as he may deem fit. |
| Private Bonded Warehouses | 4.15 | Private bonded warehouses may be set up in the Domestic Tariff Area. Any person may import goods which are freely importable or which may be imported against Special Import Licences (SIL) and warehouse them in such private bonded warehouses. Such goods may be cleared for home consumption in accordance with the provisions of this Policy and against Special Import Licence, wherever required. Customs duty as applicable shall be paid at the time of clearance of such goods. If such goods are not cleared for home consumption within a period of one year or such extended period as the custom authorities may permit, the importer of such goods shall export the goods in accordance with the provisions of the Policy and against a licence, wherever required. |
| Trade with Neighbouring Countries | 4.16 | The Director General of Foreign Trade may issue, from time to time, such instructions or frame such schemes as may be required to promote trade and strengthen economic ties with neighbouring countries. |
| Trade with Russia under Debt-Repayment Agreement | 4.17 | In the case of trade with Russia under the Debt Repayment Agreement, the Director General of Foreign Trade may issue, from time to time, such instructions or frame such schemes as may be required, and anything contained in this Policy, in so far as it is inconsistent with such instructions or schemes, shall not apply. |
| Transit facility | 4.18 | Transit of goods through India from or to countries adjacent to India shall be regulated in accordance with the treaty between India and those countries. |

CHAPTER 5

IMPORTS

Free Importability	5.1	Capital goods, raw materials, intermediates, components, consumables, spares, parts, accessories, instruments and other goods may be imported without any restriction except to the extent such imports are regulated by the Negative List of Imports or any other provision of this Policy or any other law for the time being in force.
Actual User Condition	5.2	Capital goods, raw materials, intermediates, components, consumables, spares, parts, accessories, instruments and other goods, which are importable without any restriction, may be imported by any person whether he is an Actual User or not. However, if such imports require a licence, the Actual User alone may import such goods unless the Actual User condition is specifically dispensed with by the licensing authority.
Second hand goods	5.3	All second hand goods, other than capital goods, may be imported in accordance with a Public Notice or a licence issued in this behalf.
Import of second hand capital goods	5.4	All second hand capital goods, having a minimum residual life of 5 years, may be imported by Actual Users, without a licence, subject to Actual User condition and in accordance with the procedure given in Handbook (Vol.1).
Import of gifts	5.5	Import of gifts, shall be allowed in accordance with the provision of Baggage Rules as amended from time to time. Import of gifts shall be permitted without a Custom Clearance Permit (CCP) where such goods are otherwise freely importable under this Policy. In other cases, a Customs Clearance Permit (CCP) shall be required and may be issued, on application, by the licensing authority, on merits.
Import of Passenger's Baggage.	5.6	Bonafide household goods and personal effects may be imported as part of a passenger's baggage. Samples of such items that are otherwise freely importable under this Policy may also be imported as part of a passenger's baggage without a licence. Exporters coming from abroad are also allowed to import drawings, patterns, labels, price tags, buttons, belts, required for execution of specific export orders

placed on them, as part of their passenger's baggage without a licence.

**Import on
export basis**

- 5.7 (a) New or second hand jigs, fixtures, dies (including contour roller dies), moulds (including moulds for die-casting), patterns, press tools and lasts, construction machinery and other equipments and containers meant for packing of goods for export, may be imported on export basis without a licence on execution of bond/bank guarantee to the satisfaction of the customs authorities.
- (b) Such goods need not have a minimum residual life of five years.

**Re-Import of
goods repaired
abroad**

- 5.8 Capital goods, aircraft including their components, spare parts and accessories, whether imported or indigenous, may be sent abroad for repairs, testing, quality improvement or upgradation of technology and re-imported without a licence subject to the satisfaction of the customs authorities that such re-imported goods are the same as the goods that were exported.

**Import of
machinery and
equipment used
in projects
abroad.**

- 5.9 After completion of the projects abroad, project contractors may import, without a licence, used construction equipment, machinery, related spares upto 15% of the CIF value of such machinery, tools and accessories on the basis of furnishing of evidence of purchase for and use in the overseas project. Used office equipment and vehicles may also be imported after completion of the projects abroad without a licence provided that they have been used for at least one year.

**Sale on high
seas**

- 5.10 Sale of goods on high seas for importation into India may be made subject to this Policy or any other law for the time being in force.

CHAPTER 6**EXPORT PROMOTION CAPITAL GOODS SCHEME**

Scheme 6.1 Capital goods, both new and second hand, may be imported under the Export Promotion Capital Goods (EPCG) Scheme. The import of second hand capital goods under the scheme shall be subject to such conditions as prescribed in the Handbook (Vol.1). Import of computer systems may also be imported under the EPCG Scheme.

Import on concessional duty 6.2 Capital goods (CG), including spares upto 20% of the CIF value of the capital goods, may be imported at a concessional rate of customs duty subject to an export obligation to be fulfilled over a period of time as per table given below. The period for fulfilment of the export obligation shall be reckoned from the date of issue of the import licence. For calculation of NFE, the provision of paragraph 12.6 of the Policy shall apply.

CUSTOMS DUTY	EXPORT OBLIGATION		PERIOD
	FOB Basis	NFE Basis	
10%	4 times cif value of CG	Not applicable.	5 years
Zero duty (in case CIF value is Rs.20 crores or more)	6 times cif value of CG	5 times cif value of CG	8 years
Zero duty in case CIF value is Rs.5 crores or more for agriculture, aquaculture, animal husbandry, floriculture, horticulture, pisciculture, viticulture, poultry and sericulture	6 times cif value of CG	5 times cif value of CG	6 years

Eligibility 6.3 (a) Under the Scheme, manufacturer exporters, merchant exporters tied to supporting manufacturer(s) and service providers are eligible to import capital goods.

(b) If the licence issued under the zero duty scheme has actually been utilised for import for a value less than Rs.

20 crores or Rs. 5 Crores as the case may be, such imports shall not be covered under the zero duty scheme and the importer shall be liable to pay full customs duty with 24% interest immediately to the customs authorities and produce evidence to that effect to the Director General of Foreign Trade within a period of one month.

**Conditions for
Import of
Capital goods**

6.4 Import of capital goods, both new and second hand, shall be subject to Actual User condition till the export obligation is completed.

**Export
obligation**

6.5 The following conditions shall apply to the fulfilment of the export obligation:

- (i) The export obligation shall be fulfilled by the export of goods manufactured or produced by the use of the capital goods imported under the scheme;
- (ii) The exports shall be direct exports in the name of the EPCG licence holder. However, the export through third party(s) is also allowed provided the name of the EPCG Licence holder is also indicated on the shipping bill. If a merchant exporter is the importer, the name of the supporting manufacturer shall also be indicated on the shipping bill. At the time of export, the EPCG licence No. and date shall be endorsed on the shipping bill which are proposed to be presented towards discharge of export obligation.
- (iii) Export proceeds shall be realised in freely convertible currency;
- (iv) Exports shall be physical exports. However, deemed exports as specified in paragraph 10.2 (a), (b), (d), (e), and (f) of Policy shall also be counted towards fulfilment of export obligation, but the EPCG licence holder shall not be entitled to claim any benefit under paragraph 10.3 of this Policy in respect of such deemed exports;
- (v) The export obligation shall be, in addition to any other export obligation undertaken by the importer, except the export obligation for the same product under the duty exemption scheme as specified in paragraph (vi) below. The export obligation shall be over and above the average level of exports of the same product achieved by him in the preceding three licensing years. If the exporter achieves an export of 75% of the annual value of the production of the relevant export product,

the export obligation against the EPCG licence shall be subsumed under that export, provided, however, that the aggregate value of such exports during the specified period shall not be less than the aggregate value of the export obligation fixed under paragraph 6.2 of this Policy;

- (vi) Where the manufacturer exporter has obtained licences for the manufacture of the same export product both under EPCG and the Duty Exemption Scheme, the physical exports made under the Duty Exemption Scheme including the Passbook Scheme shall also be counted towards the discharge of the export obligation under this scheme;
- (vii) In case of export of computer software, agriculture, aquaculture, animal husbandry, floriculture, horticulture, pisciculture, viticulture, poultry and sericulture, the export obligation shall be determined in accordance with paragraph 6.2 of the Policy, but the licence holder shall not be required to maintain the average level of exports as specified in sub-paragraph (v) above.

Clearance of goods from Customs

- 6.6 The licence issued under this scheme shall be valid for the goods already shipped/ arrived provided customs duty has not been paid and the goods have not been cleared from Customs.

Import of Components and goods in SKD/CKD condition

- 6.7 A person may apply for a licence under the EPCG scheme to import the capital goods in SKD/CKD condition or components of such capital goods to assemble or manufacture the capital goods. This facility shall not be available for replacement of parts.

Indigenous sourcing of capital goods

- 6.8 A person holding an EPCG licence, may source the capital goods from a domestic manufacturer instead of importing them. In the event of a firm contract between the parties for such sourcing, the domestic manufacturer may apply under the scheme for the import of components required for the manufacture of the said capital goods, at a rate of duty at which EPCG licence for capital goods is issued.

The domestic manufacturer may also replenish the components after supply of capital goods to the EPCG licence holder. However the export obligation relating to an EPCG licence, shall be reckoned with reference to the CIF value of the licence, actually utilised.

- | | | |
|--------------------------------------|------|--|
| Benefits to domestic supplier | 6.9 | The domestic manufacturer supplying capital goods to EPCG licence holders shall be eligible for deemed export benefit under paragraph 10.3 (a) (Special Imprest Licence) or 10.3 (b) in respect of supplies to Zero Duty EPCG licence holder and 10.3 (b) in respect of supplies to 10% EPCG licence holder. In addition, deemed export benefits under paragraph 10.3 (c) and (d) would also be available to such supplies against both 10% and zero duty EPCG licence. |
| LUT and/ or Bank Guarantee | 6.10 | <p>(a) The licensee shall give to the licensing authority an undertaking for the fulfilment of the export obligation in accordance with the procedures specified in this behalf:</p> <p>(b) The licensee shall also be required to execute, with the customs authorities, a bond with surety/security as may be prescribed by them.</p> <p>(c) In case of indigenous sourcing of capital goods, the EPCG licence holder shall furnish bank guarantee (BG)/legal undertaking(LUT) to the licensing authority in accordance with the procedure specified in this behalf.</p> |
| Compliance with Policy | 6.11 | Exports made against licences issued under this scheme shall be subject to the provisions of Chapter 11 of the Policy and Chapter 11 of the Handbook (Vol.1). |
| Penalty | 6.12 | If an EPCG licence holder violates any condition of the licence or fails to fulfill the export obligation, he shall be liable to action in accordance with the Act, the Rules and Orders made thereunder, the Policy and any other law for the time being in force. |

CHAPTER 7**DUTY EXEMPTION SCHEME**

- | | | |
|------------------------------|-----|---|
| Duty Exemption Scheme | 7.1 | The Duty Exemption Scheme consists of Duty Free Licence and Duty Entitlement Pass Book (DEPB). |
| Duty Free Licence | 7.2 | 'Duty Free Licence' includes Advance Licence, Advance Intermediate Licence and Special Imprest Licence. Import of raw materials, intermediates, components, consumables, parts, accessories, mandatory spares (not exceeding 5% of the cif value of the duty free licence), and packing material (hereinafter referred to as "inputs") may be permitted against a Duty Free Licence. |
| Advance Licence. | 7.3 | <p>An Advance Licence is granted to a merchant-exporter or manufacturer-exporter for the import of inputs required for the manufacture of goods without payment of basic customs duty. However, such inputs shall be subject to the payment of additional customs duty equal to the excise duty at the time of import. The said additional customs duty shall be adjusted in the following manner:</p> <ul style="list-style-type: none">(a) If the importer uses the inputs for production of export goods, which are otherwise liable to a duty of excise and eligible for Modvat, he may avail of Modvat credit in respect of the additional customs duty so paid, immediately upon the said inputs entering his factory;(b) If the importer uses the inputs for production of export goods, which are otherwise not excisable or not dutiable or not eligible for Modvat benefit, he may claim drawback in respect of the additional customs duty so paid at the time of export of goods in which such inputs have been used;(c) If the importer uses the inputs for manufacture and sale in the DTA of excisable goods, he may claim Modvat in respect of the additional customs duty so paid, immediately upon the said inputs entering his factory;(d) If the importer uses the inputs for manufacture and sale in the DTA of goods, which are not excisable or not dutiable or not eligible for Modvat benefit, he shall not be eligible to any rebate or adjustment of the additional customs duty so paid. |

7.4 (i) Notwithstanding anything contained above, exemption from payment of additional customs duty shall be allowed in respect of Advance Licences, issued with actual user condition to:

(a) Manufacturer exporter

(b) Merchant exporter where the merchant exporter agrees to the endorsement of the name(s) of the supporting manufacturer(s) on the relevant DEEC Book.

(ii) Such advance licences and/or materials imported thereunder shall not be transferable even after completion of export obligation.

Advance licences shall be issued in accordance with the Policy and procedure in force on the date of issue of licence and shall be subject to the fulfilment of a time bound export obligation and value addition as may be specified.

**Advance
Intermediate
Licence**

7.5 An Advance Intermediate Licence (AIL) is granted to a manufacturer-exporter for the import of inputs required in the manufacture of goods to be supplied to the ultimate exporter holding an Advance Licence/Special Imprest Licence.

**Special Imprest
Licence**

7.6 A Special Imprest Licence is granted to a manufacturer-exporter for the import of inputs required in the manufacture of goods to be supplied to the categories mentioned in paragraph 10.2 (b) (c) (in case of zero duty EPCG licence) (d) (e) and (f) of the Policy. In addition, in respect of supply of goods to specified projects mentioned in paragraph 10.2 (d) (e) and (f) of the Policy, a Special Imprest Licence can also be availed by the sub-contractor of the main contractor to such project. A Special Imprest Licence is also granted for supplies made to United Nations Organisations or under the Aid Programme of the United Nations or other multilateral agencies and paid for in foreign exchange.

**Description of
a Duty Free
Licence**

7.7 A Duty Free Licence and the relevant DEEC Book shall specify:

- (a) the names and description of items to be imported and exported/supplied;
- (b) the quantity of each item to be imported or wherever the quantity cannot be indicated, the value of the item shall be indicated. However, if in Standard input output norms, the quantity and value of individual inputs is a limiting factor, the same shall be applicable.
- (c) the aggregate CIF value of imports; and
- (d) the FOB/FOR value and quantity of exports/supplies.

Input-Output norms

- 7.8 The standard input-output norms for the imports and exports for the grant of a duty free licence shall be in accordance with the norms published by the Director General of Foreign Trade in the Handbook (Vol.2). However, in respect of goods for which such standard input-output norms have not been published, the norms will be as specified by the competent authority, referred in Paragraph 7.7 of the Handbook (Vol. I).

Value Addition

- 7.9 Unless otherwise specified, in a Standard Input-Output Norms, a duty free licence shall have a minimum value addition of 33%. The ALC may, however, consider requests on merits for grant of a duty free licence on a lower value addition, upto 25% and in exceptional cases even below 25%.

Exports not covered by freely convertible currency

- 7.10 Exports for which payments are not received in freely convertible currency shall be subject to value addition as specified in Appendix 39 of Handbook (Vol.1). However, the Director General of Foreign Trade may permit a lower value addition, which shall be not less than 75%, in respect of such class or category of goods as may be specified by him in this behalf.

Third Party Exports

- 7.11 An Advance Licence holder may export directly or through third party(s) and discharge his export obligation. In the case of export through a third party, shipping bills relating to the export shall show the names of both the licence holder and the third party.

Jobbing, repairing etc. for re-export

- 7.12 (i) The import of goods in terms of para 7.2 supplied free of cost may be permitted for the purpose of jobbing.

- (ii) In addition, patterns, drawings, jigs, tools, fixtures, moulds, tackles, computer hardware, software, instruments and hangers may also be imported if they are directly related to the export order and are supplied free of cost by the foreign buyer.
- (iii) The imports shall be under a bond/bank guarantee to the satisfaction of the customs authorities and subject to such conditions as may be specified by the customs authorities from time to time.
- (iv) All goods so imported except the wastage shall be re-exported. The wastage shall be determined in terms of Standard Input-Output norms published in Handbook (Vol.2) and disposed off in the manner specified by the customs authority. Where norms have not been notified, the extent of wastage shall be to the satisfaction of Asstt. Commissioner of Customs. The value addition to be achieved shall be not less than 10%.
- (v) The imported patterns, drawings, jigs, tools, fixtures, moulds, tackles, computer hardware and instruments may be retained after the fulfilment of the export obligation, provided, such items are not in the Negative list of Imports. For items in the Negative list of imports, request for retention may be made to the Advance Licensing Committee. However, retention of such goods will be subject to the payment of applicable customs duties.

Production Programme

- 7.13 Exporters having past export performance in the preceding three licensing years may also apply for Advance Licence and Advance Intermediate Licence. In addition, they are also eligible for Special Imprest Licences for supply of goods to the category covered under para 10.2(b) of the Policy without an export order. The entitlement under this paragraph shall be upto 100% of the average FOB value of their exports in the preceding three licensing years.

Export Obligation

- 7.14 The period for fulfilment of the export obligation under a duty free licence shall commence from the date of issuance of the licence. The export obligation shall be fulfilled within a period of 18 months except in the case of supplies under Special Imprest Licence to the projects where the export obligation must be fulfilled during the contracted duration of execution of the project.

- Advance Release Orders** 7.15 A duty free licence holder intending to source the inputs from indigenous sources/canalising agencies/EOU/ EPZ/ EHTP/ STP units in lieu of direct import has the option to source them against Advance Release Orders denominated in foreign exchange/Indian rupees. In such a case the licence shall be invalidated for direct import and a permission in the form of ARO shall be issued which will entitle the supplier to the benefits of deemed export.
- Back-to-Back Inland Letter of Credit** 7.16 A duty free licence holder may, instead of applying for an Advance Release Order, avail of the facility of Back-to-Back Inland Letter of Credit in accordance with the procedure specified in Handbook (Vol.1).
- Clearance of goods from Customs** 7.17 The goods already imported/ shipped/ arrived in advance but not cleared from Customs may also be cleared against the duty free licence issued subsequently. However, in respect of inputs appearing in the Negative List of Imports, the above facility shall be available only in respect of goods imported/ shipped/ arrived after the date of filing of application of duty free licence.
- Exports in anticipation of Licence** 7.18 (a) Exports/supplies made from the date of receipt of an application for an Advance Licence and Special Imprest Licence, by the licensing authority, may be accepted towards discharge of export obligation. However, in the case of application for Advance Intermediate Licence, only such supplies shall be covered towards discharge of export obligation which are made after the issuance of the invalidation letter to the ultimate exporter. If the application is approved, the licence shall be issued based on the input/output norms in force on the date of receipt of the application by the licensing authority in proportion to the provisional exports already made till any amendment in the norms is notified. For the remainder of the exports, the Policy/ Procedures in force on the date of issue of the licence shall be applicable.
- (b) The exports/ supplies made in anticipation of the grant of a duty free licence shall be entirely on the risk and responsibility of the exporter.
- (c) The conversion of duty free shipping bills to drawback shipping bills may also be permitted by the customs authorities in case the application for a duty free licence is rejected or modified by the licensing authority.

Transferability	7.19	<p>(a) A duty free licence except Special Imprest Licence and/or materials imported against it is transferable after the completion of export obligation and endorsement of transferability by the licensing authority.</p> <p>(b) Notwithstanding anything contained in the para (a) above,</p> <p>(i) Advance Licences issued with Actual User condition under para 7.4(i) and/or material imported against it shall not be transferable, sold or otherwise disposed off by the licence holder under any circumstances; and</p> <p>(ii) Advance licences issued for the import of Acetic Anhydride, Ephedrine and Pseudo-ephedrine or such goods imported under a duty free licence shall not be transferable, sold or otherwise disposed off by the licence holder under any circumstances.</p>
Prohibited Items	7.20	Prohibited items in the Negative List of Imports shall not be imported under the licences issued under the scheme.
Compliance with Export Policy	7.21	Exports made against licences issued under this scheme shall be subject to the provisions of Chapter 11 of the Policy and Chapter 11 of the Handbook (Vol.1). However, in respect of goods in the Negative List of Exports (excluding Prohibited items), the export may be allowed without specific export licence, provided such goods are made out of inputs imported under the Advance licence and not out of indigenous inputs. In such cases, the Advance licences will be endorsed with 'Prior import' condition.
Re-Import of exported goods under Advance Licence.	7.22	Goods exported under Advance Licence may be reimported in the same or substantially the same form subject to such conditions as may be specified by the Deptt. of Revenue from time to time.
Admissibility of Drawback	7.23	In the case of an Advance Licence, the drawback shall be available in respect of any of the duty paid materials, whether Imported or indigenous, used in the goods exported, as per the all industry/ brand rate fixed by Ministry of Finance (Directorate of Drawback). The drawback shall however be restricted to the duty paid materials as indicated in the application for the licence and endorsed as such on the DEEC.

Value Addition 7.24 The value addition for the purposes of this Chapter shall be:-

$$VA = \frac{A - B}{B} \times 100, \text{ where}$$

VA is Value Addition

A is the FOB value of the export/FOR value of supply;

B is the CIF value of the imported inputs covered by the licence plus any other imported materials used.

**Duty
Entitlement
Pass Book**

7.25 Under the Duty Entitlement Pass Book (DEPB) Scheme, an exporter shall be eligible to claim credit as a specified percentage of fob value of exports made in freely convertible currency. The credit shall be available against such export products and at such rate as may be specified by the Director General of Foreign Trade by a Public Notice issued in this behalf.

Any item except those appearing in the Negative List of Imports shall be allowed for import without payment of basic customs duty, special duty of customs as well as additional duty of customs, against the credit under a Duty Entitlement Pass Book (DEPB). The holder of Duty Entitlement Pass Book (DEPB) shall have the option to pay additional customs duty, if any, in cash as well.

**Third party
Exports**

7.26 Third party exports are also admissible for grant of credit under DEPB.

Validity

7.27 The DEPB shall be valid for a period of 12 months from the date of its issuance.

**Clearance of
goods from
Customs**

7.28 The goods already imported/ shipped/ arrived in advance but not cleared from customs may also be cleared against the DEPB issued subsequently.

Types of DEPB

7.29 DEPB may be issued on:

- (a) Post export basis and
- (b) Pre export basis.

DEPB on post exports basis	7.30	DEPB on post-export basis shall be granted against exports already made.
Eligibility	7.31	Merchant-exporter and manufacturer-exporter are eligible for DEPB on post export basis.
Transferability	7.32	The DEPB on post export basis and/or the items imported against it are freely transferable. The transfer of DEPB shall however be for import at the port specified in the DEPB which shall be the port from where exports have been made.
DEPB on Pre export basis.	7.33	DEPB on pre export basis aims to provide the facility to eligible exporters to import inputs which are required for production.
Eligibility	7.34	Manufacturer-exporters and Merchant-exporter tied with the supporting manufacturer(s) having export performance in the preceeding three licensing years are eligible to claim DEPB on pre export basis.
Entitlement	7.35	The credit of DEPB on pre export basis shall be granted at the rate of 5% of the average export performance of the applicant during the preceding three licensing years.
Offsetting	7.36	The DEPB on pre export basis shall carry an export obligation which has to be offset by the DEPB holder by making exports. The credit entitlement against such exports shall be calculated in accordance with the rate specified in this behalf. When the DEPB holder has made exports of such a value which will entitle him to credit equivalent to the credit already given to him under DEPB on pre export basis, his obligation against such DEPB shall be offset.
Period of offsetting	7.37	The credit under DEPB on pre export basis shall be offset within a period of 12 months from the date of issue of DEPB.
Balance of Duty Entitlement Pass Book (DEBP)	7.38	At the time of issue of certificate of offsetting of the export obligation, the credit earned over and above the credit under DEPB on pre export basis, shall be given to the applicant by way of issuance of DEPB on post export basis.
Bank Guarantee	7.39	The DEPB holder shall be required to execute Bond with surety/security to the customs authority for a value as may be specified in this behalf before the imports are effected under the DEPB on pre export basis.

Actual User condition	7.40	DEPB on pre export basis shall be non-transferable and the items imported against it shall be subject to Actual User condition even after offsetting of obligation against such DEPB.
Applicability of Drawback	7.41	The exports made under the DEPB Scheme shall not be entitled for drawback. The additional customs duty paid in cash on inputs under DEPB shall be adjusted as MODVAT Credit or Duty Drawback as per Rules framed by the Deptt. of Revenue.
Penalty	7.42	If a holder of a licence, including DEPB under the Scheme, violates any condition of the licence or fails to offset the export obligation, he shall be liable to action in accordance with the Act, the Rules and Orders made thereunder, this Policy and any other law for the time being in force.

CHAPTER 8

DIAMOND, GEM & JEWELLERY
EXPORT PROMOTION SCHEMES

- | | | |
|---|-----|--|
| Scheme for Gem and Jewellery | 8.1 | Exporters of gem and jewellery are eligible to import their inputs by obtaining Replenishment (REP) Licences and Diamond/DTC Imprest Licences from the licensing authorities in accordance with the procedure specified in this behalf. |
| Replenishment Licences | 8.2 | The exporters of gem and jewellery products listed in Appendix 30-A of the Handbook (Vol.1) shall be eligible for grant of Replenishment Licences at the rate and for the items mentioned in the said Appendix to import and replenish their inputs. Exports through third party are also admissible for REP Licences provided the EP copy of the Shipping Bill shows the names of both the manufacturer and the third party and REP licence against such exports is claimed by either of the parties after furnishing a disclaimer from the other party. Such REP licences will be transferable. The exports made in fulfilment of export obligation against Diamond/DTC Imprest Licences shall not qualify for this benefit. |
| Diamond and DTC Imprest Licences | 8.3 | Diamond Imprest Licence and DTC Imprest Licence may be issued, in advance, for import of rough diamonds. Such licences shall carry an export obligation which has to be discharged in accordance with the procedure specified in this behalf. These licences or the materials imported against them shall be freely transferable after the export obligation has been fulfilled. |
| Diamond Imprest Licence | 8.4 | <p>An exporter may apply for a licence</p> <p>(a) against the best export performance of cut and polished diamonds in a licensing year during the preceding three licensing years plus 25% thereof, if he has a minimum of three preceding licensing years of export performance. However, the value of cut and polished diamonds exported towards fulfilment of export obligation under DTC Imprest Licence shall be excluded for the purpose of calculation of his entitlement for Diamond Imprest Licence;</p> <p>(b) against a valid export order in his own name.</p> |

Export Obligation	8.5	The export obligation against each consignment shall be fulfilled within a period of five months from the date of clearance of such consignment through Customs. Exports made from the date of receipt of an application under this scheme by the licensing authority may be accepted towards discharge of export obligation.
DTC Imprest Licences	8.6	A regular DTC sight holder of preceding three licensing years may be allowed annual DTC Licence equal to 1.5 times the consolidated value of all the DTC sights received by him excluding the sights cleared against Replenishment Licence in the preceding licensing year. The new sight holders may also apply for licences on monthly basis on allotment of sight from DTC, London. These licences will be valid for import from DTC, London only.
Commission/ Brokerage	8.7	The DTC Imprest Licence holders are allowed to pay commission/brokerage charges upto 1.5% of cif value of import provided there is a corresponding increase in the export obligation.
Export Obligation	8.8	The export obligation against each sight under DTC Imprest Licence shall be completed within a period of five months from the date of import of the first consignment against such sight.
Further Licences	8.9	In case the sights allocated to a regular sight holder are not covered by the annual DTC Imprest Licence, application for another DTC Imprest Licence in the same licensing year shall be considered keeping in view the monthly sights expected in the remaining period of a licensing year.
Bulk Licences for Rough Diamonds	8.10	Bulk licences for rough diamonds are issued for import of rough diamonds from any source, with an obligation to supply such diamonds to the holder of valid REP/Diamond Imprest Licence and EOU/EPZ units. The Bulk Licence holder are also allowed to export rough diamonds upto 10% of the value of such rough diamonds imported against the Bulk Licence. The supply/export of such rough diamonds shall be completed within a period of 12 months from the date of issuance of licence.
Eligibility	8.11	<p>The following persons are eligible to apply for Bulk Licences in accordance with the procedure specified in this behalf.</p> <p>(i) M/s.Hindustan Diamond Company Ltd (HDCL), Mumbai;</p>

- (ii) MMTC Ltd, New Delhi;
- (iii) Exporter whose annual average FOB value of export of cut and polished diamonds during the preceding three licensing years has been not less than Rs. 75 crores.
- 8.12 If the eligible person is a limited company registered under the Companies Act, its 100% owned subsidiary may apply for the Bulk Licence in lieu of the eligible person.
- Private Bonded Warehouse for Rough Diamonds** 8.13 Private Bonded Warehouses may be set up in EPZ or DTA for import, stock, export and sale of rough diamonds. The sale of rough diamonds to DTA units shall be against a valid licence.
- Schemes for Gold/ Silver/ Platinum Jewellery** 8.14 Exporters of gold/silver/platinum jewellery and articles thereof may import their essential inputs such as gold, silver, platinum, mountings, findings, rough gems, precious and semi-precious stones, synthetic stones and unprocessed pearls etc. in accordance with the procedure specified in this behalf.
- Nominated agencies** 8.15 The exporter availing the schemes of gold/silver/platinum jewellery and articles thereof may obtain gold/silver/platinum from the nominated agencies. The nominated agencies are MMTC Ltd, Handicraft and Handloom Export Corporation (HHEC), State Trading Corporation (STC), State Bank of India (SBI) and any agency authorised by Reserve Bank of India (RBI).
- Items of export** 8.16 The following items, if exported, would be eligible for the facilities under these schemes:
- (a) Gold jewellery and articles (other than coins), whether plain or studded, containing gold of 8 carats and above;
- (b) Silver jewellery and articles (excluding coins and any engineering goods) containing more than 50% silver by weight;
- (c) Platinum jewellery and articles (excluding coins and any engineering goods) containing more than 50% platinum by weight.
- Value Addition** 8.17 The value addition will be calculated with reference to the value of gold/silver/platinum content including admissible wastage. The minimum value addition shall be:

- (a) 10% for plain gold/ platinum jewellery and articles thereof;
- (b) 15% for studded gold/platinum jewellery and articles thereof;
- (c) 25% for silver jewellery and articles thereof.

Wastage Norms	8.18	Under the schemes for gold/silver/platinum jewellery, the wastage or manufacturing loss shall be admissible as specified in the Handbook (Vol.1).
Export against supply by Foreign Buyer	8.19	Where the export orders are placed on nominated agencies, the foreign buyer may supply to the nominated agencies, in advance and free of charge, gold, silver, alloys, findings and mountings of silver and gold of 18 carats and below for manufacture and export. The exports may be made by the nominated agencies directly or through their associates. The import and export of mountings and findings shall be on net to net basis.
Export through Sale at Exhibitions	8.20	<p>The nominated agencies and their associates with the approval of the Ministry of Commerce, and others with the approval of Gem & Jewellery Export Promotion Council (G&J EPC) may export gold/silver/platinum jewellery and articles thereof for holding exhibitions abroad. The exports shall be subject to the following conditions :</p> <ul style="list-style-type: none"> (i) Items not sold abroad shall be re-imported within 45 days of the close of the exhibitions; (ii) The gold/silver/ platinum content on items sold in such exhibitions may be imported as replenishment not later than 60 days after the close of the exhibition.
	8.21	An EOU/EPZ unit may also participate in exhibitions in India/abroad. No sale, however, shall be permitted in exhibitions held in the country. The procedure for movement of the jewellery from these units and back shall be as prescribed by the customs authorities.
Export against supply by Nominated Agencies	8.22	The exporter may obtain the gold/silver/ platinum as an input for export products from nominated agencies in advance or as replenishment after exports in accordance with the procedure specified in this behalf.

**Export against
Advance Licence**

- 8.23 A quantity based Advance Licence may be granted for the duty free import of:
- (i) gold of fineness not less than 0.995 and mountings, sockets, frames and findings of 8 carats and above;
 - (ii) silver of fineness not less than 0.995, mountings, sockets, frames and findings containing more than 50% silver by weight;
 - (iii) platinum of fineness not less than 0.9999, mountings, sockets, frames and findings containing more than 50% platinum by weight.
- 8.24 Such licences shall carry an export obligation which will be required to be fulfilled in accordance with the procedure specified in this behalf.
- 8.25 The advance licence holder may obtain gold/silver/platinum from the nominated agencies in lieu of direct import in accordance with the procedure specified in this behalf.

**Exports from
EPZs/EOUs**

- 8.26 The provisions in Chapter 9 of the Policy will be applicable to gem and jewellery EOUs and EPZ Units except for the provisions contained herein.
- 8.27 In the event of a unit ceasing its operation, gold and other precious metals, alloys, gem and other materials available for manufacture of jewellery, shall be handed over to an agency nominated by the Ministry of Commerce at the price to be determined by that agency.
- 8.28 These units may import their essential inputs for export production. They may also source gold of fineness not less than 0.995 through the nominated agencies.
- 8.29 An exporter shall also be required to achieve an additional value addition of 5% over the value of cut and polished diamonds, precious and semi-precious stones, pearls and synthetic stones used as studdings over and above the value addition prescribed for the gold/silver/platinum content.
- 8.30 The minimum value addition for units exporting loose cut and polished diamonds and precious and semi-precious stones shall be calculated on the basis of the corresponding replen-

ishment rates available to such exports from DTA as given in Appendix 30-A of the Handbook (Vol- 1).

- 8.31 Jewellery samples allowed to be imported may be re-exported after proper identification.
- 8.32 Re-export/supply of dead-stock or broken stones/rough diamonds upto 5% of the value of import/indigenously procured such items by holder of valid REP/Diamond Imprest Licence may be allowed by the Development Commissioner of the EPZ/EOU concerned.
- 8.33 Partly processed jewellery may also be exported subject to realisation of the prescribed minimum value addition.
- 8.34 EPZ/EOU units are allowed to receive machine made gold and silver chains from DTA against exchange of gold and silver of the same purity and quantity in weight as that of the said gold and silver chains. The DTA units supplying such chains, against exchange of gold shall not be entitled for deemed export benefits.
- 8.35 Samples made in wax models, silver models and rubber moulds may be permitted for export with the permission of Development Commissioner of the EPZ/EOU concerned provided its value does not exceed Rs.10,000 in a year.
- 8.36 EOU/EPZ units are also permitted to sell 10% of value of exports of the preceding year to DTA provided the recipient furnishes a freely transferable Special Import Licence for clearance of such item from EOU/EPZ and agrees to pay applicable duty from his EEFC account in free foreign exchange. Such supply shall, however, be subject to the achievement of prescribed value addition.

**Replenishment
Licence**

- 8.37 An exporter is eligible for freely transferable Replenishment (REP) Licence at the rate of 87% of the FOB value of exports of plain gold jewellery and articles thereof, and 80% of the FOB value of export of studded gold jewellery and articles thereof. Such REP licences are valid for import of items as given in Handbook (Vol.1).

**Gem Replenish-
ment Licence**

- 8.38 Gem Replenishment (Gem REP) Licence may be issued under the schemes for export of gold/silver/platinum jewellery and articles thereof as given in paragraph 8.19, 8.20, 8.22 and 8.23 of the Policy. In the case of plain gold/silver/platinum

jewellery and articles, the value of such licences shall be determined with reference to the realisation in excess of the prescribed minimum value addition. In the case of studded gold/silver/platinum jewellery and articles thereof, the value of Gem Replenishment Licence shall be determined by taking into account the value of studdings used in items exported, after accounting for the value addition on gold/silver/platinum including admissible wastage. Such Gem Rep licences shall be freely transferable.

**Gem REP rate
and item**

8.39 The scale of replenishment and the item of import will be as prescribed in the Handbook (Vol.1).

CHAPTER 9**EXPORT ORIENTED UNITS (EOUs), UNITS IN
EXPORT PROCESSING ZONES (EPZ), ELECTRONIC HARD-
WARE TECHNOLOGY PARK UNITS (EHTP) AND SOFTWARE
TECHNOLOGY PARK UNITS (STP)**

Eligibility	<p>9.1 Units undertaking to export their entire production of goods may be set up under the Export Oriented Unit (EOU) Scheme, Export Processing Zone (EPZ) Scheme, Electronic Hardware Technology Park (EHTP) Scheme or Software Technology Park (STP). Such units may be engaged in manufacture, production of software, agriculture, aquaculture, animal husbandry, floriculture, horticulture, pisciculture, viticulture, poultry and sericulture. Units engaged in service activities may also be considered.</p> <p>Commensurate with the policy to give a special thrust to export of computer software, such units would be encouraged to be set up under any of the aforementioned export oriented schemes. Software units may undertake exports using data communication links or in the form of physical exports (which may be through courier service also), including export of professional services.</p>
Importability of goods	<p>9.2 An EOU/EPZ/EHTP/STP unit may import free of duty all types of goods, including capital goods, required by it for manufacture, production or processing provided they are not prohibited items in the Negative List of Imports. However, import of Basmati paddy/ brown rice shall be prohibited.</p> <p>STP/EHTP/EPZ may import free of duty all types of goods for creating a central facility for use by software development units in STP/EHTP/EPZ. Software units shall also be permitted to import capital goods on loan from clients for specified period for executing specified projects.</p> <p>An EOU engaged in agriculture, animal husbandry, floriculture, horticulture, pisciculture, viticulture, poultry or sericulture may import free of duty only such goods as are permitted to be imported duty free under a Customs Notification issued in this behalf.</p>
Second hand Capital goods	<p>9.3 Second-hand capital goods may also be imported in accordance with the provisions contained in Chapter 5.</p>

Leasing of Capital goods	9.4	An EOU/EPZ/EHTP/STP unit may, on the basis of a firm contract between the parties, source the capital goods from a domestic/foreign leasing company. In such a case, the EOU/EPZ/EHTP/STP unit and the domestic/foreign leasing company shall jointly file the import documents to enable import of the capital goods free of duty.
Net Foreign Exchange Earning as a percentage of exports (NFEP) and export obligation.	9.5	<p>The Unit shall be a net foreign exchange earner. The level of foreign exchange earning as a percentage of exports (NFEP) as defined in paragraph 9.29 shall be as specified in Appendix 1 of the Policy. Items of manufacture for export specified in the Letter of Permission/Letter of intent alone shall be taken into account for calculation of net foreign exchange earning as a percentage of exports and discharge of export obligation. However, for STP units export obligation norms as notified would apply.</p> <p>Notwithstanding the above, electronic hardware units shall be allowed to be set up without stipulation of a positive net foreign exchange earning as a percentage of exports.</p>
Legal Undertaking	9.6	The unit shall execute a legal undertaking with the Development Commissioner concerned and in the event of failure to fulfil the obligations stipulated in the letter of approval/ intent, it would be liable to penalty in terms of the legal undertaking or under any other law for the time being in force.
Automatic Approvals	9.7	Project applications satisfying the conditions mentioned in the appropriate press note of the Ministry of Industry may be given automatic approval within 15 days by the Development Commissioner of the EPZ concerned. In the case of EOUs, such approval may be granted within 15 days by the Secretariat of Industrial Assistance(SIA).
Other cases	9.8	In other cases, approval may be granted by the Board(s) of Approval (BOA) set up for this purpose or Secretariat for Industrial Assistance, as the case may be.
DTA Sales	9.9	<p>The entire production of EOU/EPZ/EHTP/STP Units shall be exported subject to the following:</p> <p>(a) Rejects upto 5% of the value of production may be sold in the Domestic Tariff Area (DTA). Sale of rejects above 5% may be approved by the Development Commissioner concerned in consultation with the local customs</p>

authority. These sales shall be subject to payment of applicable duties.

- (b) 25% of the production in value terms may be sold in the DTA subject to payment of applicable duties. DTA sale shall be subject to fulfilment of minimum net foreign exchange earning as a percentage of exports prescribed in Appendix 1 of the Policy. No DTA sale shall be permissible in respect of motor cars, alcoholic liquors, and such other items as may be stipulated by Director General of Foreign Trade by a Public Notice issued in this behalf.
- (c) However, an EOU/EPZ unit in agriculture, aquaculture, animal husbandry, floriculture, horticulture, pisciculture, poultry, viticulture and sericulture may, in accordance with the DTA sale guidelines notified in this behalf, sell upto 50% of the production in value terms in the DTA subject to positive net foreign exchange earning.
- (d) The electronics hardware products may be sold in the DTA on the following basis:-

Net Foreign Exchange earnings as a percentage of exports	Permissible sale in the DTA
(i) Less than 15%	NIL
(ii) 15 - 25%	Upto 30% of the production in value terms of the electronic items, including components manufactured in the unit.
(iii) More than 25%	Upto 40% of the production in value terms, of electronic items including components manufactured in the units;

- (e) EOU/EPZ units may be permitted to sell finished products, which are freely importable under the Policy, in the DTA, over and above the levels permissible under sub paragraph (b) and (c) above against payment of full duties, provided they have achieved on an annual basis, the stipulated NFEP and export obligation.

- (f) Electronic hardware units in EOU/EPZ EHTP shall have an alternative facility to sell one half of the value of their production on an annual basis, in the domestic market and export the other half of production, in value terms, without any minimum foreign exchange earning stipulation, on payment of applicable duties as specifically notified for this facility. Units desirous of availing this facility shall exercise a one time option in this regard. Such units shall not be eligible for DTA sale facility provided for in paragraph 9.9 (d).

For software units, sale in the DTA in any mode, including data communication, shall be permissible upto 25% of their production in value terms.

Note: In the case of units manufacturing electronic hardware and software, the net foreign exchange earning as a percentage of exports and DTA sale entitlement shall be reckoned separately for hardware and software.

Export Obligation

9.10 The following supplies shall also be counted towards fulfilment of the export obligation:

- (a) Supplies effected in DTA in terms of paragraph 10.2 of the Policy;
- (b) Supplies effected in DTA against payment in foreign exchange;
- (c) Supplies to other EOU/ EPZ/EHTP/STP units provided that such goods are permissible for procurement in terms of paragraph 9.2 of the Policy.

Exports through Export House/ Trading House/ Star Trading House/ Super Star Trading House

9.11 An EOU/EPZ/EHTP/STP unit may export goods manufactured by it through a merchant exporter/ Export House/ Trading House/ Star Trading House/ Super Star Trading House recognised under this Policy or any other EOU/EPZ/EHTP/STP unit. This permission extends only to the marketing of the goods by the merchant exporter/ Export House/ Trading House/ Star Trading House/ Super Star Trading House or other EOU/ EPZ/EHTP/STP unit. The manufacture of the goods shall be done in the EOU/EPZ/EHTP/STP unit concerned. The level of net foreign exchange earning and export obligations as well as any other obligation relating to the imports and exports as prescribed shall continue to be discharged by the EOU/EPZ/EHTP/STP unit concerned.

9.12 EOU/EPZ/EHTP/STP units may, with the permission of the concerned customs authority:

- (a) Supply or sell in the DTA, samples of goods produced by EOU/EPZ/EHTP/STP units for display/market promotion, upto 1% of the value of previous years export or maximum of Rs. 1 lakhs in case of new units going into production, on payment of applicable duties. Such samples may also be allowed to be removed from the unit on furnishing a suitable undertaking to the customs authority for return of such goods. This does not affect the eligibility under para 9.9.
- (b) Bring back for repair the goods sold in DTA but found defective.
- (c) Transfer goods to DTA for repair/replacement, testing or calibration and return.

**Benefits for
supplies from
the DTA**

- 9.13 (a) Supplies from the DTA to EOU/EPZ/EHTP/STP units will be regarded as "deemed exports" and, besides being eligible for the relevant benefits under para 10. 3 of this Policy, will be eligible for the following benefits:
- (i) Refund of Central Sales Tax;
 - (ii) Exemption from payment of Central Excise Duty on capital goods, components and raw materials;
 - (iii) Discharge of export obligation, if any, on the supplier.
- b) EOU/EPZ/EHTP/STP units shall, on production of a suitable disclaimer from the DTA suppliers, be eligible for obtaining the benefits specified in paragraph 10.3 (b) and (c) of the Policy. For this purpose, they shall get Brand Rates fixed by the DGFT. Such supplies would, however, be eligible for benefits specified in subparagraph (a) above.

Conditions

- 9.14 The benefits stated under paragraph 9.13(a) and (b) shall be available provided the goods supplied are manufactured in the country.

**Benefits for
EOU/EPZ/ Units**

- 9.15 (a) Concessional Rent: The units set up in the EPZs will be eligible for concessional rent for lease of industrial plots and standard design factory (SDF) buildings/sheds allotted for the first three years at the following rates:
- (i) For Plots: The concession will be 75% for the first year, 50% for the second year and 25% for the third year if production had commenced in the first year or the second year. The concession will not be available for the third year if production had not commenced by the end of the second year;
 - (ii) For SDF buildings/sheds: The concession will be 50% for the first year and 40% for the second year if production had commenced in the first year. The concession will be 25% for the third year if production had commenced in the first year. The concession will not be available if production had not commenced by the end of the first year;
- (b) Tax Holiday: EOUs and EPZ units will be exempted from payment of corporate income tax for a block of five years in the first eight years of operation;
- (c) FOB value of export of an EOU/ EPZ unit can be clubbed with FOB value of export of its parent company in the DTA for the purpose of according Export House, Trading House, Star Trading House or Super Star Trading House status for the latter;
- (d) 100% Foreign Equity: Foreign equity upto 100% is permissible in the case of EOUs and EPZ/EHTP/STP units.
- (e) The EOU/ EPZ units will be entitled to the benefits including grant of Special import licences, in terms of paragraph 14.4 of the Policy. In addition, EOU/EPZ units, except telecommunication and electronics units which will be covered by paragraph 11.9 of the Handbook (Vol.1), which achieve atleast 25% higher or more than the stipulated export obligation, would be eligible for additional Special Import Licence of 2% of the f.o.b. value of such exports, in accordance with the procedure specified in this behalf.

- (f) Software units will be allowed to use the computer system for training purpose (including commercial training) subject to the condition that no computer terminal shall be installed outside the bonded premises for the purpose.
- Inter-unit transfer**
- 9.16 (a) Transfer of manufactured goods from one EOU/EPZ/EHTP/STP unit to another EOU/EPZ/EHTP/STP unit will be allowed. However, it would be eligible to be considered as export by the recipient unit only when the transfer goods undergo further processing/manufacture.
- (b) Goods imported by an EOU/EPZ/EHTP/STP unit may be transferred or given on loan to another EOU/EPZ/EHTP/STP unit which shall be duly accounted for, but not counted towards discharge of export obligation.
- (c) The unit will report the transactions in terms of subparagraph (a) and (b) above to the Development Commissioner concerned. However, any capital goods transferred or given on loan under para 9.16(b) above shall require prior permission of Development Commissioner.
- Subcontracting**
- 9.17 The EOU/EPZ/EHTP/STP units may be permitted to sub-contract part of their production process through job work by units in the DTA or other EOU/EPZ/EHTP/STP units. Requests in this regard will be permitted by the Development Commissioner on the basis of factors such as fixation of input and output norms, and will be finally processed by customs authority on furnishing of undertaking by the concerned units. EOU/EPZ/EHTP/STP units using predominantly indigenous raw materials (i.e 90% or more) may be permitted to sub-contract part of their product for jobwork in DTA or to other EOU/EPZ/EHTP/STP units.
- Sale of Imported Materials**
- 9.18 In case an EOU/EPZ/EHTP/STP unit is unable, for valid reasons, to utilise the imported goods, it may re-export or dispose them in the DTA on payment of applicable duties and submission of import licence, by the DTA unit, wherever applicable. Supply from one EOU/EPZ/EHTP/STP unit to another such unit would also be treated as import under this para.

- 9.19 Imported machinery/capital goods that have become obsolete may be disposed of, subject to payment of customs duties on the depreciated value thereof.

Disposal of scrap

- 9.20 Sale or disposal in the DTA of scrap/waste/remnants arising out of production process may be permitted on payment of duty/taxes applicable on such scrap/waste/remnants. Percentage of such scrap/waste/remnants shall be fixed by the respective Board of Approval. However, there shall be no duties/taxes on such scrap/waste/remnants in case the same are destroyed with the permission of the customs authority.

Private bonded Warehouses

- 9.21 Private bonded warehouses may be set up in EPZs for the purposes enumerated hereinafter. Such warehouses need not conform to the requirements of paragraph 9.5 above but shall be subject to such conditions as may be stipulated by the BOA. The provisions of paragraphs 9.9, 9.10, 9.11, 9.16, 9.17 and 9.18 of this Chapter shall not apply in such cases.

The purpose for which such warehouses may be set up for the following purposes:

- (i). Imports, stock and sale of goods:

Imports may be permitted to meet the requirements of EOU/EPZ units. Items importable in accordance with this Policy may also be imported and sold in the DTA subject to compliance with the Policy for such clearance in the DTA and on payment of applicable duties at the time of effecting such sales.

- (ii). Trading, including re-export after re-packing/labelling:

Imports may be permitted for re-export in freely convertible foreign currency for activities such as re-packing and labelling.

Reconditioning, repair and re-engineering

- 9.22 EOU/EPZ/EHTP/STP units may be permitted to carry out reconditioning, repair and re-engineering activities for exports in freely convertible currency. The provisions of paragraphs 9.5, 9.9, 9.10, 9.11, 9.13 and 9.17 of this Chapter shall not, however, apply to such activities.

Replacement/ Repair of exported goods.	9.23	The provisions of paragraph 11.9 of the policy relating to export of replacement/repair goods would also apply equally to EOU/EPZ/ units, save that, cases not covered by the provision of paragraph 11.9 will be considered on merits by the Development Commissioner.
Replacement/ Repaired of Imported goods.	9.24	Goods or parts thereof, on being imported, and found defective or otherwise unfit for use or which have been damaged after import may be returned, and goods in replacement thereof may be imported from the foreign suppliers.
Period of Bonding	9.25	The bonding period for units under the EOU Scheme shall be 5 years. This period may be extended to 10 years in case of products requiring significant capital investment and infra-structural support. On completion of the bonding period, it shall be open to the unit to continue under the scheme or opt out of the scheme. Such debonding shall, however, be subject to the industrial policy in force at the time the option is exercised. Where the unit opts to continue, the Development Commissioner concerned will extend the bonding period and determine the net foreign exchange earning as percentage of exports and the export obligation to be achieved during the extended period.
De-Bonding	9.26	Subject to the approval of Development Commissioner, EOU/EPZ units may be debonded on their inability to achieve export obligation, net foreign exchange as percentage of export prescribed or other requirements. Such debonding shall be subject to penalty, if any, that may be imposed and payment of duties of customs and excise applicable at the time of debonding.
	9.27	An EOU/EPZ unit may also be permitted, as a one time option to debond on payment of duty on capital goods, under the 10% duty regime of the EPCG Scheme, subject to the unit undertaking the export obligation applicable under the said scheme. Request for debonding under zero duty regime of EPCG scheme may be considered on merits subject to the unit satisfying the eligibility criteria and such conditions as may be specified by the BOA. Debonding in either case shall be subject to payment of duties of customs and excise on other goods applicable at the time of debonding.
Conversion	9.28	Existing DTA units may also apply for conversion into an EOU but no concession in duties and taxes would be available under the scheme for plant, machinery and equipment already installed. Existing DTA units, having an export obligation under

the EPCG scheme, may also apply for conversion into an EOU. On such a conversion, the export obligation under the EPCG scheme will be met concurrently from the exports by the unit as an EOU.

**Net Foreign
Exchange Earn-
ings as a
Percentage of
exports (NFEP)**

- 9.29 Net Foreign Exchange Earning as a percentage of export (NFEP) shall be calculated annually and cumulatively for a period of five years from the commencement of commercial production according to the following formula:

$$\text{NFEP} = \frac{\text{A} - \text{B}}{\text{B}} \quad \text{where}$$

NFEP is Net Foreign Exchange Earning as a percentage of exports,

A is the FOB value of exports by the EOU/EPZ/EHTP unit; and

B is the sum total of the CIF value of all Imported inputs, the CIF value of all imported capital goods, and the value of all payments made in foreign exchange by way of commission, royalty, fees, dividends interest on external borrowings during the first five years period or any other charges. "Inputs" mean raw materials, intermediates, components, consumables, parts and packing materials.

Note :

1. If any input is obtained from another EOU/ EPZ/EHTP/STP unit, the value of such input shall be included under B.
2. If any capital goods imported duty free is leased from a leasing company, the CIF value of the capital goods shall be Included under B.
3. For annual calculation of net foreign exchange, as a percentage of exports, 1/5th value of imported capital goods shall be included under B above.
4. In the case of projects where the investment in land, building, plant and machinery exceeds Rs. 200 crores, the value of the

capital goods shall be amortised over a period of seven years; i.e. in such cases, only 5/7th of the CIF value of the imported capital goods shall be included under B.

Note: In the case of units under EHTP/STP schemes, necessary approvals/permission under relevant paragraphs of this chapter shall be granted by the officer designated by the Department of Electronics for the purpose instead of Development Commissioner of EPZ and by the Inter- Ministerial Standing Committee (IMSC) instead of BOA.

CHAPTER 10

DEEMED EXPORTS

- | | |
|-----------------------------|--|
| Definition | 10.1 "Deemed Exports" refers to those transactions in which the goods supplied do not leave the country and the payment for such goods are made in India, by the recipient of the goods. |
| Categories of supply | <p>10.2 The following categories of supply of goods by the main/sub-contractors shall be regarded as "Deemed Exports" under this Policy, provided the goods are manufactured in India:</p> <ul style="list-style-type: none"> (a) Supply of goods against duty free licences issued under the Duty Exemption Scheme; (b) Supply of goods to Export Oriented Units (EOUs) or units located in Export Processing Zones (EPZs) or Software Technology Parks (STPs) or to Electronic Hardware Technology Parks (EHTPs); (c) Supply of capital goods to holders of licences under the Export Promotion Capital Goods (EPCG) scheme subject to the condition that such supplies will be eligible for benefits as stated in paragraph 6.9 of the Policy; (d) Supply of goods to projects financed by multilateral or bilateral agencies/ Funds as notified by the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance under international competitive bidding or under limited tender system in accordance with the procedures of those agencies/ Funds, where the legal agreements provide for tender evaluation without including the customs duty; (e) Supply of capital goods and spares to the extent of 10% of the FOB value to fertiliser plants if the supply is made under the procedure of international competitive bidding; (f) Supply of goods to any project or purpose in respect of which the Ministry of Finance, by a notification, permits the import of such goods at zero customs duty coupled with the extension of benefits under this Chapter to domestic supplies; and |

- (g) Supply of goods to the Power, Oil and Gas sectors in respect of which a notification duly approved by Ministry of Finance, extends the benefit under this Chapter to domestic supplies.

**Benefits for
deemed exports**

- 10.3 Deemed exports shall be eligible for the following benefits in respect of manufacture and supply of goods qualifying as deemed exports:
- (a) Special Imprest Licence/Advance Intermediate Licence;
 - (b) Deemed Exports Drawback Scheme;
 - (c) Refund of terminal excise duty; and
 - (d) Special Import Licence at the rate of 6% of the FOR value (excluding all taxes and levies).

CHAPTER 11

EXPORTS

- | | | |
|---|------|---|
| Free Exports | 11.1 | All goods may be exported without any restriction except to the extent such exports are regulated by the Negative List of Exports or any other provision of this Policy or any other law for the time being in force. The Director General of Foreign Trade may, however, specify through a Public Notice such terms and conditions according to which any goods, not included in the Negative List of Exports, may be exported without a licence. Such terms and conditions may include Minimum Export Price (MEP), registration with specified authorities, quantitative ceilings and compliance with other laws, rules, regulations. |
| Denomination of Export Contracts | 11.2 | All export contracts and invoices shall be denominated in freely convertible currency and export proceeds shall be realised in freely convertible currency. Contracts for which payments are received through the Asian Clearing Union (ACU) shall be denominated in ACU Dollar. The Central Government may relax the provisions of this paragraph in appropriate cases. |
| Realisation of Export proceeds | 11.3 | If an exporter fails to realise the export proceeds within the time specified by the Reserve Bank of India, he shall, without prejudice to any liability or penalty under any law for the time being in force, be liable to action in accordance with the provisions of the Act, the Rules and Orders made thereunder and the provisions of this Policy. |
| Export of Gifts | 11.4 | Goods, including edible items of value not exceeding Rs. 15,000/- in a licensing year, may be exported as a gift. However, items in the Negative List of Exports shall not be exported as a gift, without a licence, except in the case of edible items. |
| Export of Spares | 11.5 | Warranty spares, whether indigenous or imported, of plant, equipment, machinery, automobiles or any other goods may be exported upto 7.5% of the FOB value of the exports of such goods alongwith the main equipment or subsequently but within the contracted warranty period of such goods. |
| Export of Passenger Baggage | 11.6 | Bonafide personal baggage may be exported either along with the passenger or, if unaccompanied, within one year before or after the passenger's departure from India. However, items in |

the Negative List of Exports shall require a licence, except in the case of edible items.

**Export of
Imported goods**

11.7 Goods imported, in accordance with this Policy, may be exported in the same or substantially the same form, without a licence provided that the item to be imported or exported is not in the Negative List of Imports or Negative List of Exports. Exports of such goods imported against payment in freely convertible currency would be permitted against payment in freely convertible currency. However, if such goods are exported against payment in Indian rupees, they shall be subject to a minimum value addition of 100%, provided the item to be exported is not in the Negative List of Imports or Negative list of Exports.

11.8 Goods including those in the Negative list of Imports or Negative List of Exports (except prohibited items in either list) may be imported for export in freely convertible currency without a licence subject to the following conditions:

- (a) There is a minimum value addition of 10%;
- (b) The goods shall be imported under Customs bond;
- (c) Import and subsequent export of the goods shall be made from the same Customs bonded premises; and
- (d) Such goods shall not be taken outside the Customs bonded premises.

**Export of
Replacement
Goods**

11.9 Goods or parts thereof on being exported and found defective/damaged or otherwise unfit for use may be replaced free of charge by the exporter and such goods shall be allowed clearance by the customs authorities provided that

- (a) The replacement goods are not in the Negative List of Exports;
- (b) The replacement shall be approximately equal in quantity and value to the extent of the goods found defective/damaged or otherwise unfit for use; and
- (c) The shipment of replacement goods is effected within 18 months from the date of shipment of the previously exported goods or within the contracted guarantee period in the case of machines or parts thereof where such period is more than 18 months.

11.10 Cases not covered by the above provisions will be considered by the Director General of Foreign Trade on merits.

**Export of
Repaired goods**

11.11 Goods or parts thereof on being exported and found defective damaged or otherwise unfit for use may be imported for repair and subsequent re-export. Such goods shall be allowed clearance without a licence and in accordance with customs notification issued in this behalf.

**Special Import
Licence Benefits**

11.12 The Director General of Foreign Trade may specify a class or category of export products or a class or category of exporters who shall be eligible for Special Import Licence subject to such conditions as may be specified.

11.13 The Special Import Licences shall be freely transferable and shall be valid for import of items as given in the book titled "ITC(HS) Classifications of Export and Import Items". The imports under Special Import Licence shall be subject to normal customs duties. Import of gold and silver, however, will be allowed at the concessional rate of customs duty as specified by the Customs, provided the importer is holding an EEFC account and the customs duty is paid in free foreign exchange, out of his EEFC account.

CHAPTER 12**EXPORT HOUSES, TRADING HOUSES, STAR TRADING HOUSES AND SUPER STAR TRADING HOUSES**

Objective	12.1	The objective of the scheme is to recognise established exporters as Export House, Trading House, Star Trading House and Super Star Trading House with a view to build marketing infrastructure and expertise required for export promotion. Such Houses should operate as highly professional and dynamic institutions and act as important instruments of export growth.
Eligibility	12.2	Merchant as well as Manufacturer exporters, Export Oriented Units (EOUs)/units located in Export Processing Zones (EPZs)/ Electronic Hardware Technology Parks (EHTPs)/ Software Technology Parks (STPs) shall be eligible for such recognition.
Criterion for recognition	12.3	The eligibility criterion for such recognition shall be either on the basis of the FOB/Net Foreign Exchange (NFE) value of export of goods and services, including software exports, made directly by the exporter during the preceding three licensing years or the preceding licensing year, at the option of the exporter.
Exports made by Subsidiary Company	12.4	The export made by a subsidiary of a limited company shall be counted towards export performance of the limited company for the purpose of recognition. For this purpose, the company shall have the majority share holding in the subsidiary company.
Export Performance Level	12.5	<p>The applicant is required to achieve the prescribed average export performance level subject to the condition that</p> <ul style="list-style-type: none">(a) Deemed exports, shall not be counted under export performance.(b) Exports made under the Passbook Scheme shall be counted only if the exporter applies for recognition on the basis of FOB criterion.(c) If the eligibility is claimed on FOB criterion, the FOB value of exports of diamond, gem & jewellery products

shall be counted at 50% of the actual FOB value of exports.

The level of export performance for the purpose of recognition shall be as per the table below:

Category	FOB Criterion		NFE Criterion	
	Average FOB value of exports made during the preceding three licensing years, in Rupees	FOB value of exports made during the preceding licensing year, in Rupees	Average net foreign exchange value of exports made during the preceding three licensing years, in Rupees	Net foreign exchange value of exports made during the preceding licensing year, in Rupees
Export Houses	20 crores	30 crores	16 crores	24 crores
Trading Houses	100 crores	150 crores	80 crores	120 crores
Star Trading Houses	500 crores	750 crores	400 crores	600 crores
Super Star Trading Houses	1500 crores	2250 crores	1200 crores	1800 crores

Calculation of NFE

- 12.6 For the purpose of calculation of the Net Foreign Exchange earned on exports, the value of all the licences shall be deducted from the FOB value of exports made by the person. However, the value of freely transferable Special Import Licences, EPCG licences and the value of licences surrendered during the validity of licence and shall not be deducted.

Weightage to exports

- 12.7 For the purpose of recognition, weightage shall be given to the following categories of exports provided such exports are made in freely convertible currency:
- Double weightage on FOB or NFE on the export of products manufactured by units in the Small Scale Industry (SSI)/Tiny sector/Cottage Sector;
 - Double weightage on FOB value and Triple weightage on NFE on the export of products manufactured by the handlooms and handicraft sector (including handloom made silk products), hand-knotted carpets, carpets made of silk;

- (c) Double weightage on FOB or NFE on the export of fruits and vegetables, floriculture and horticulture produce/products;
- (d) Double weightage on FOB or NFE on export of goods manufactured in North Eastern States;
- (e) Double weightage on FOB or NFE on export to such countries listed in Appendix 33 of the Handbook (Vol.1).

**Recognition
for State
Corporations**

- 12.8 With a view to encourage participation of State Government and Union Territories in export promotion, one state corporation nominated by the respective State Governments/ Union Territories may be recognised as an Export House, even though the criterion for such recognition is not fulfilled by them. This benefit shall be available only for such period and in accordance with such terms and conditions as may be specified from time to time.

Validity period

- 12.9 Export House/ Trading House/ Star Trading House/ Super Star Trading House Certificate shall be valid for a period of three years starting from 1st April of the licensing year during which the application for the grant of such recognition is made, unless otherwise specified. On the expiry of such certificate, application for renewal of status certificate shall be required to be made within a period of six months. During the said period, the status holders shall be eligible to claim the usual facilities and benefits, except the benefit of a Special Import Licence (SIL).

Benefits

- 12.10 Export Houses/ Trading Houses/ Star Trading Houses/ Super Star Trading Houses shall be entitled to such benefits as specified in Chapter 12 of the Handbook (Vol.1).

**Transitional
arrangement and
Criterion for
renewal**

- 12.11 Export Houses, Trading Houses, Star Trading Houses and Super Star Trading Houses shall continue to hold the recognition accorded to them for the period for which such recognition was accorded. However, at the expiry of the aforesaid period, they shall satisfy the criterion laid down hereinafter for renewal of such recognition.
- 12.12 Wherever such recognition has been granted for the period commencing from 1.4.97, the exporter, while seeking a renewal of his Certificate, has to achieve a minimum of 20% annual average growth in export performance over the average FOB/NFE value of exports on which such recognition was

granted. In case the recognition has been obtained on preceding licensing year basis, 20% growth in export performance shall be calculated on the basis of exports on which such recognition was granted. In case the Certificate holder fails to achieve the minimum prescribed export growth, he may be granted recognition for the lower category, if otherwise eligible.

CHAPTER 13

EXPORT PROMOTION COUNCILS

Basic Objectives 13.1 **Role and Functions**

The basic objective of Export Promotion Councils is to promote and develop the exports of the country. Each Council is responsible for the promotion of a particular group of products, projects and services. The list of Export Promotion Councils (EPCs) and specified Agencies/ Boards which shall be regarded as EPCs are given in Appendix 30 of the Handbook (Vol.1).

13.2 The main role of the EPCs is to project India's image abroad as a reliable supplier of high quality goods and services. In particular, the EPCs shall encourage and monitor the observance of international standards and specifications by exporters. The EPCs shall keep abreast of the trends and opportunities in international markets for goods and services and assist their members in taking advantage of such opportunities in order to expand and diversify exports.

13.3 The major functions of the EPCs are:

- (a) To provide commercially useful information and assistance to their members in developing and increasing their exports;
- (b) To offer professional advice to their members in areas such as technology upgradation, quality and design improvement, standards and specifications, product development, innovation, etc.;
- (c) To organise visits of delegations of its members abroad to explore overseas market opportunities;
- (d) To organise participation in trade fairs, exhibitions and buyer-seller meets in India and abroad;
- (e) To promote interaction between the exporting community and the Government both at the Central and State levels; and
- (f) To build a statistical base and provide data on the exports and imports of the country, exports and im-

ports of their members, as well as other relevant international trade data.

**Non-profit,
Autonomous and
Professional
Bodies**

- 13.4 The EPCs are non-profit organisations registered under the Companies Act or the Societies Registration Act, as the case may be.
- 13.5 The EPCs shall be autonomous and regulate their own affairs. However, the EPCs shall not be required to obtain the approval of the Central Government for participation in trade fairs, exhibitions etc and for sending sales teams/ delegations abroad. The Ministry of Commerce/Ministry of Textiles of the Government of India, as the case may be, would interact with the Managing Committee of the Council concerned, twice a year, once for approving their annual plans and budget and again for a mid-year appraisal and review of their performance.
- 13.6 In order to give a boost and an impetus to exports, it is imperative that the EPCs function as professional bodies. For this purpose, executives with a professional background in commerce, management and international marketing and having experience in government and industry should be brought into the EPCs.

**Government
support**

- 13.7 The EPCs may be supported by financial assistance from the Central Government. The support given to the EPCs by the Government, financial or otherwise, would depend upon
- (a) effective discharge of functions assigned to them;
 - (b) democratisation of the membership of the EPCs;
 - (c) democratic elections of office bearers of the EPCs on a regular basis;
 - (d) timely audit of the accounts of the EPCs.

**Registration-cum-
Membership**

- 13.8 An exporter may, on application, register and become a member of an EPC. On being admitted to membership, the applicant shall be granted forthwith Registration-cum-Membership Certificate (RCMC) of the EPC concerned, subject to such terms and conditions as may be specified in this behalf.

CHAPTER 14

QUALITY

- | | | |
|-------------------------------------|------|---|
| Quality awareness campaign | 14.1 | The Central Government aims to encourage manufacturers and exporters attain internationally accepted standards of quality for their products. The Central Government will extend support and assistance to trade and industry to launch a nationwide programme on quality awareness and promote the concept of total quality management. |
| State-level programmes | 14.2 | The Central Government will encourage and assist State Governments in launching similar programmes in their respective States, particularly for the small scale and handicraft sectors. |
| Test houses | 14.3 | The Central Government will assist in the modernisation and upgradation of test houses and laboratories in order to bring them at par with international standards. |
| Rewards and benefits | 14.4 | The Central Government may reward manufacturers/ processors who have acquired the ISO 9000 (series) or IS/ ISO 9000 (series). A list of agencies authorised to issue such certificates is given in Appendix 32 of Handbook (Vol.1). Such manufacturers/processors will be eligible for benefits as indicated in Chapter 14 of the Handbook (Vol.1). |
| Quality complaints/ disputes | 14.5 | The Regional Sub-Committee on Quality Complaints (RSCQC) set up at the Regional Offices of the Directorate General of Foreign Trade shall investigate quality complaints received from foreign buyers. |
| | 14.6 | <p>If it comes to the notice of the Director General of Foreign Trade or he has reason to believe that an export or import has been made in a manner gravely prejudicial</p> <ul style="list-style-type: none"> (i) to the trade relations of India with any foreign country; (ii) to the interest of other persons engaged in exports or imports; (iii) has brought disrepute to the credit or the goods of the country, <p>the Director General Foreign Trade may take action against the exporter or importer concerned in accordance with the provisions of the Act, the Rules and Orders made thereunder and this Policy.</p> |

Chapter 15

NEGATIVE LIST OF IMPORTS

PART I

15.1 PROHIBITED ITEMS

Sl.No.	Description of items	Nature of restriction
1.	<p>Tallow, Fat and/or Oils, rendered, unrendered or otherwise, of any animal origin including the following:</p> <p>i) Lard stearine, oleo stearine, tallow stearine, lard oil, oleo oil and tallow oil not emulsified or mixed or prepared in any way;</p> <p>ii) Neat's-foot oil and fats from bone or waste;</p> <p>iii) Poultry fats, rendered or solvent extracted;</p> <p>iv) Fats and oils of fish/marine origin, whether or not refined, excluding cod liver oil, squid liver oil or a mixture thereof and Fish Lipid Oil containing Eicosapentaenoic acid and Docosahexaenoic acid; and</p> <p>v) Margarine, imitation lard and other prepared edible fats of animal origin.</p>	Not permitted to be imported.
2.	Animal rennet.	-do-
3.	Wild Animals including their parts and products and Ivory.	-do-

PART II

15.2 RESTRICTED ITEMS

Notwithstanding anything contained below, the Import policy in respect of goods, including consumer goods, shall be as stated in columns 3 to 5 or licensing notes of the book titled "ITC (HS) Classifications of Export and Import Items" published and notified by the Director General of Foreign Trade in this behalf and as amended from time to time. Goods in respect of which the policy is that they may be imported against a freely transferable Special Import Licence (SIL) shall be imported only against such licences and not otherwise, unless their import is permitted under any other scheme or licence or permission as provided in this Policy.

A. CONSUMER GOODS

Sl.No.	Description of items	Nature of restriction
1.	All consumer goods, howsoever described, of industrial, agricultural, mineral or animal origin, whether in SKD/CKD condition or ready to assemble sets or in finished form.	Not permitted to be imported except against a licence or in accordance with a Public Notice issued in this behalf.

For the removal of doubts, It is hereby declared that consumer goods shall also include the following and shall not be imported except against a licence or in accordance with a Public Notice:

- i) Consumer electronic goods, equipments and systems, howsoever described.
- ii) Consumer telecommunication equipments namely telephone instruments and electronic PABX.
- iii) Watches in SKD/ CKD or assembled condition; Watch cases; watch dials.
- iv) Cotton, woollen, silk, man-made and blended fabrics including cotton terry towel fabrics.
- v) Concentrates of alcoholic beverages.
- vi) Wines (tonic or medicated).
- vii) Saffron.

B. PRECIOUS, SEMI-PRECIOUS AND OTHER STONES

Sl.No.	Description of items	Nature of restriction
1.	Cubic Zirconia.	Import permitted for export against a licence or in accordance with a Public Notice issued in this behalf.
2.	Stones: a) Rough diamonds; b) Synthetic stones finished or unworked (other than synthetic ruby unworked); and c) Emerald/rubies and sapphires, semi-precious and precious stones and pearls (real or cultured).	-do-
3.	Granite, porphyry, basalt, sand stone and other monumental or building stone, whether or not roughly trimmed or merely cut, by sawing or otherwise, into blocks or slabs.	-do-
4.	Marble, travertine, ecaussine and other calcaeous monumental or building stone of an apparent specific gravity of 2.5 or more, whether or not roughly trimmed or merely cut, by sawing or otherwise, into blocks or slabs.	-do-
5.	Onyx.	-do-

C. SAFETY, SECURITY AND RELATED ITEMS

Sl.No.	Description of items	Nature of restriction
1.	Paper for security printing, currency paper, stamp paper and other special types of paper.	Not permitted to be imported except against a licence or in accordance with a Public Notice issued in this behalf.
2.	Empty/discharged cartridges of all bores/sizes.	-do-
3.	Fire arms.	Not permitted to be imported except against a licence by renowned shooters/ Rifle Clubs for their own use on the recommendation of the Department of Youth Affairs and Sports, Government of India.

- | | |
|---|---|
| 4. Ammunition. | Import permitted against a licence by

(i) Renowned shooters/ Rifle Clubs for their own use on the recommendation of the Department of Youth Affairs and Sports, Government of India; and
(ii) Licensed arms dealers for the specified type of ammunition subject to such conditions as may be specified. |
| 5. Explosives. | Government Departments and Public Sector undertakings, on the recommendation of the Controller of Explosives, Government of India, may be permitted to import without a licence. Other categories of importer shall require a licence. |
| 6. Chloro Fluoro Hydro Carbons. | Not permitted to be imported except against a licence or in accordance with a Public Notice issued in this behalf. |
| 7A. Group I

(i) CFCl_3 - (CFC-11) - Trichloro fluoromethane.
(ii) CF_2Cl_2 - (CFC-12) - Dichloro difluoromethane.
(iii) $\text{C}_2\text{F}_3\text{Cl}_3$ - (CFC-113) - 1,1,2 trichloro -1,2,2 trifluoroethane.
(iv) $\text{C}_2\text{F}_4\text{Cl}_2$ - (CFC-114) - 1,2 Dichlorotetrafluoroethane.
(v) $\text{C}_2\text{F}_5\text{Cl}$ - (CFC-115) - Chloro pentafluoroethane.

Group II

(vi) CF_2BrCl - (halon- 1211) - Bromochlorodifluoromethane.
(vii) CF_3Br - (halon- 1301) - Bromo trifluoromethane.
(viii) $\text{C}_2\text{F}_4\text{Br}_2$ - (halon-2402) - Dibromotetrafluoroethane. | Import is permitted by actual users against a licence from a country which is a party to the "Montreal Protocol on Substances that Deplete the Ozone Layer". List of the countries which are parties to the Montreal Protocol will be notified by Director General of Foreign Trade from time to time. However, import from countries which are not parties to the Montreal Protocol is prohibited. |
| 7B. Group I

(i) CF_3Cl (CFC-13) Chlorotrifluoro methane
(ii) C_2FCl_5 (CFC-111) Pentachloro fluoroethane
(iii) $\text{C}_2\text{F}_2\text{Cl}_4$ (CFC-112) Tetrachlo- | |

rodifluoroethane
 (iv) C_3FCl_7 (CFC-211) Heptachlorodifluoropropane
 (v) $C_3F_2Cl_6$ (CFC-212) Hexachlorodifluoropropane
 (vi) $C_3F_3Cl_5$ (CFC-213) Pentachlorotrifluoropropane
 (vii) $C_3F_5Cl_4$ (CFC-214) Tetrachlorotetrafluoropropane
 (viii) $C_3F_5Cl_3$ (CFC-215) Trichloropentafluoropropane
 (ix) $C_3F_6Cl_2$ (CFC-216) Dichlorohexafluoropropane
 (x) C_3F_7Cl (CFC-217) Chlorohexafluoropropane

Group II

(xi) CCl_4 carbon tetrachloride

Group III

(xii) CH_3Cl_3 * 1,1,1-trichloroethane (methyl chloroform)

* This formula does not refer to 1,1,2-trichloroethane.

- | | | |
|----|---|---|
| 8. | (i) Communication jamming equipment, static/ mobile/ manportable.
(ii) Electronic components for (i) above, including Antennae, RF Power amplifiers, noise generators. | The Departments of Central Government may be permitted to import against licence. However, import by any other category of importers is prohibited. |
| 9. | Acetic Anhydride. | Not permitted to be imported except against a licence or in accordance with a Public Notice issued in this behalf. |

D. SEEDS, PLANTS AND ANIMALS

Sl.No.	Description of items	Nature of restriction
1.	Animals, Birds and Reptiles (including their parts and products).	Import permitted against a licence to Zoos and Zoological parks, recognised scientific/ research institutions, circus companies, private individuals, on the recommendation of the Chief Wild Life Warden of a State Government subject to the provisions of the Convention on International Trade in Endangered Species of Wild Fauna and Flora (CITES).

2. Stallions and Broodmares. Import permitted against a licence on the recommendation of the Director, Animal Husbandry and Veterinary Services of a State Government or Department of Animal Husbandry and Dairying, Ministry of Agriculture, Government of India.
3. Livestock (excluding equine), Purline stocks, birds' eggs, frozen semen/embryo, Parent stock (poultry) and Commercial chicks. Import permitted against a licence on the recommendation of the Department of Agriculture and Cooperation, Government of India.
4. Plants, fruits and seeds.
 - (a) Import of seeds of wheat, paddy, coarse cereals, pulses, oilseeds and fodder for sowing is permitted without a licence subject to fulfilment of the provisions of the New Policy on Seed Development, 1988 and in accordance with a permit for import granted under the Plants, Fruits and Seeds (Regulation of Import into India) Order, 1989.
 - (b) Import of seeds of vegetables, flowers, fruits and plants, tubers and bulbs of flowers, cutting, sapling, budwood, etc., of flowers and fruits for sowing or planting is permitted without a licence in accordance with a permit for import granted under the Plants, Fruits and Seeds (Regulation of Import into India) Order, 1989. However, import of Poppy seeds if permitted shall be subject to the condition that importer shall produce a certificate from the competent authority of the country of origin that opium poppy has been grown licitly/legally in that country as per requirements of the International Narcotics Control Bureau.
 - (c) Import of seeds, fruits and plants for consumption or other purposes is permitted against a licence or in accordance with a Public Notice issued in this behalf or as per policy indicated in ITC(HS) Classifications of Exports and Imports items. However, import of poppy seeds, if permitted, shall be subject to the condition that importer shall produce a certificate from the competent authority of the country of origin that opium poppy has been grown licitly/legally in that country as per

requirements of the International Narcotics Control Bureau.

(d) Import of Plants, their products and derivatives shall also be subject to the provisions of the Conventions on International Trade in Endangered Species of Wild Fauna and Flora (CITES).

E. INSECTICIDES AND PESTICIDES

Sl.No.	Description of items	Nature of restriction
1.	Any pesticide, insecticide, weedicide, herbicide, rodenticide and miticide which has not been registered or which is prohibited for import under the Insecticides Act, 1968 and formulations thereof.	Not permitted to be imported. However, any pesticide insecticide, weedicide, herbicide, rodenticide and miticide which has been registered and not prohibited for import under the Insecticides Act, 1968 and formulation thereof, shall be freely importable without an Import licence.
2.	DDT- Technical 75 Wdp.	Import permitted against a licence or in accordance with a Public Notice issued in this behalf.

F. DRUGS & PHARMACEUTICALS

Sl.No.	Description of items	Nature of restriction
1.	All types of Penicillin.	Imports permitted against a licence or in accordance with a Public Notice issued in this behalf.
2.	6-APA.	-do-
3.	Tetracycline/Oxytetracycline and their salts.	-do-
4.	Streptomycin.	-do-
5.	Rifampicin.	-do-
6.	Intermediates of Rifampicin, namely- i) 3 Formyl Rifa S.V; ii) Rifa S/Rifa S Sodium; and iii) 1-Amino-4Methyl Piperazine.	-do-
7.	Vitamin B.1, Vitamin B.2 and their salts.	-do-

G. CHEMICALS AND ALLIED ITEMS

Sl.No.	Description of items	Nature of restriction
1.	Allyl Isothiocyanate.	Import permitted against a licence or in accordance with a Public Notice issued in this behalf.
2.	Capacitor fluids - PCB type.	-do-
3.	Poly Brominated Biphenyls.	Not permitted to be imported except against a licence on the recommendation of the Department of Chemicals & Petrochemicals.
4.	Poly Chlorinated Biphenyls.	-do-
5.	Poly Chlorinated Terphenyls.	-do-
6.	Tris (2,3 Di-Bromopropyl) Phosphate.	-do-
7.	Crocidolite.	-do-
8.	Hazardous Wastes.	Import permitted against a licence and only for the purpose of processing or reuse.
9.	Hazardous chemicals.	Import permitted without a licence in accordance with the provisions of the Manufacture, Storage and Import of Hazardous Chemicals Rules, 1986 (made under the Environment (Protection) Act, 1986). Besides other conditions mentioned in the Rules, the importer shall, before 30 days but not later than the date of import, furnish the details specified in Rule 18 to the authority specified in Schedule 5 of the said Rules.

H. ITEMS RELATING TO THE SMALL SCALE SECTOR

Sl.No.	Description of items	Nature of restriction
1.	Copper oxychloride.	Import permitted against a licence or in accordance with a Public Notice issued in this behalf.
2.	Dimethyl Sulphate.	-do-
3.	DNPT (Dinitroso Pentamethylene tetramine).	-do-
4.	Flavouring essences - all types (including those for liquors).	-do-

5	Niacin/Nicotinic Acid/ Niacinamide/Nicotinamide/Acidamide.	-do-
6.	Mixtures of odoriferous substances/mixtures of resinoids.	-do-
7.	Phthalate Plasticisers.	-do-
8.	Perfumery compounds/synthetic essential oils.	-do-
9.	Lead and rule cutters.	-do-
10.	Paper cutting knives of all sizes.	-do-
11.	Paper cutting machines,excluding machines with devices such as automatic programme cutting or three knife trimmers.	-do-
12.	Domestic water meters.	-do-

I. MISCELLANEOUS ITEMS

Sl.No.	Description of items	Nature of restriction
1.	Aircraft and helicopters.	Not permitted to be imported except against a licence or in accordance with a Public Notice issued in this behalf.
2.	Ships, trawlers, boats and other water transport crafts.	-do-
3.	Commercial and Passenger automobile vehicles, including two wheelers, three wheelers and personal type vehicles.	-do-
4.	Coir (fibre/yarn/fabrics).	-do-
5.	Raw silk/ Silk Cocoons.	Permitted to be imported against a licence or in accordance with a Public Notice issued in this behalf.
6.	Natural Rubber.	-do-
7.	Radio active material.	Permitted to be imported without a licence on the recommendation of Department of Atomic Energy.
8.	Rare earth oxides including rutile sand.	-do-
9.	Cinematograph feature films and video films.	Import will be permitted by

(a) National Film Archives of India, Film and Television Institute of India, National Centre of Films for Children and Young People and Satyajit Ray Film and Television Institute;

(b) by others subject to such conditions as may be specified in this behalf.

- | | | |
|-----|---|--|
| 10. | Crude Palm Stearin. | Permitted to be imported against a licence or in accordance with a Public Notice issued in this behalf. |
| 11. | Maize for use for poultry or animal feed. | Import will be permitted by the manufacturers of poultry or animal feed without a licence subject to actual user condition and registration of the import contract/ Letter of Credit with NAFED who shall also monitor actual imports. |
| 12. | Naphtha. | Import permitted without a licence subject to the condition that the importer shall sell the return stream of naphtha to crude oil refineries only. The sale will be on commercial terms as may be settled between the importer and the refinery. However, the importer may use the return stream as an industrial feed stock for his own captive consumption, but the balance left, if any, shall be sold to crude oil refineries only. |
| 13. | Batteries and tyres of passenger automobile vehicles including two wheelers, three wheelers and personal type vehicles. | Not permitted to be imported except against a licence or in accordance with a Public Notice issued in this behalf. |
| 14 | Sodium Metal | Not permitted to be imported except against a licence or in accordance with a public notice issued in this behalf. |

J. SPECIAL CATEGORIES

- | Sl.No. | Description of items | Nature of restriction |
|--------|--|---|
| 1. | Restricted items required by hotels, restaurants, travel agents, tour operators, tourist transport operators and other units for tourists like adventure/wild life and convention units. | Import permitted against a licence on the recommendation of the Director General of Tourism, Government of India or in accordance with a Public Notice issued in this behalf. |

- | | | |
|----|---|---|
| 2. | Restricted items required by recreational bodies. | Import permitted against a licence for meeting essential import requirements. Items qualifying for import and conditions of such imports shall be as specified. |
|----|---|---|

PART III

15.3 CANALISED ITEMS

Sl.No.	Description of items	Canalising Agency
1.	Petroieum products, namely, <ul style="list-style-type: none"> a) Aviation Turbine fuel; b) Crude Oil; c) Motor Spirit; d) Bitumen (asphalt)-Paving-Grade; e) Furnace Oil (<i>except</i> Low Sulphur Heavy Stock/ Low Sulphur Waxy Residue); and f) High Speed Diesel. 	Indian Oil Corporation Limited
2.	All types of nitrogenous, phosphatic and potassic fertilisers <i>except</i> Di-Ammonium Phosphate (DAP), Muriate of Potash (MOP), Mono Ammonium Phosphate (MAP), Sulphate of Potash (SOP), NP Fertilisers and NPK fertilisers.	(i) Minerals and Metals Trading Corporation of India Limited. (ii) State Trading Corporation of India Ltd (STC) and Indian Potash Limited (IPC) for import of Urea only.
3.	Coconut Oil, RBD Palm Oil and RBD Palm Stearin.	The State Trading Corporation of India Limited and Hindustan Vegetable Oils Corporation Limited.
4.	Seeds (Copra, Groundnut, Palm, Rapeseed, Safflower, Soyabean, Sunflower, Cotton).	-do-
5.	All other non-edible oils but excluding tung oil/ China wood oil and	

-do-

natural essential oils; seeds or any other material from which oil can be extracted not specifically mentioned above or elsewhere in the Policy.

6. Palm Stearin, excluding Crude Palm Stearin ; Palm Kernal Oil; and Tallow Amines of all types. The State Trading Corporation of India Limited.
7. Cereals, excluding feed grade maize for poultry or animals. (i) Food Corporation of India.
(ii) Wheat is permitted to be imported in accordance with a Public Notice issued in this behalf.
8. Cloves, Cinnamon and Cassia (i) Spices Trading Corporation Ltd, (STCL)
(ii) National Agricultural Cooperative Marketing Federation of India Ltd, (NAFED)

CHAPTER 16

NEGATIVE LIST OF EXPORTS

PART I

16.1 PROHIBITED ITEMS

Sl.No.	Description of items
1.	All forms of wild animals including their parts and products except Peacock Tail Feathers including handicrafts made thereof and Manufactured Articles and Shavings of Shed Antlers of Chital and Sambhar subject to conditions as specified in Schedule 2 Appendix 1 of the book titled "ITC (HS) Classifications of Export and Import Items".
2.	Exotic birds.
3.	All items of plants included in Appendix I and Appendix II of the Convention on International Trade in Endangered Species (CITES), wild orchid, as well as, plants as specified in Schedule 2 Appendix 2 of the book titled "ITC (HS) Classifications of Export and Import Items".
4.	Beef.
5.	Human skeletons.
6.	Tallow, fat and/or oils of any animal origin excluding fish oil.
7.	Wood and wood products in the form of logs, timber, stumps, roots, bark, chips, powder, flakes, dust, pulp and charcoal except sawn timber made exclusively out of imported logs/ timber subject to conditions as specified in Schedule 2 Appendix 1 of the book titled "ITC (HS) Classifications of Export and Import Items".
8.	Chemicals included in Schedule 1 to the Chemical Weapons Convention of the United Nations signed in Paris on 13-15 January 1993, as specified in Schedule 2 Appendix 3 of the book titled "ITC (HS) Classifications of Export and Import Items".
9.	Sandalwood in any form but excluding : (i) Finished Handicraft products of sandalwood; (ii) Machine finished sandalwood products; and (iii) Sandalwood Oil subject to the conditions as specified in Schedule 2 Appendix 1 of the book titled "ITC (HS) Classifications of Export and Import Items".
10.	Red Sanders wood in any form, whether raw, processed or unprocessed but excluding such value added products of Red Sanders wood as specified and subject to the conditions laid down in Schedule 2 Appendix 4 of the book titled "ITC (HS) Classifications of Export and Import Items".

PART II**16.2 RESTRICTED ITEMS**

(Exports Permitted Under Licence)

Sl.No.	Description of items
1.	Beche-de-mer of sizes below 3 inches
2.	Cattle
3.	Camel
4.	(i) Chemical fertilizers, all types, including super-phosphate (ii) Micronutrient fertilizers and mixtures thereof containing NPK, excluding those specified in schedule I, Part A 1 (f) of Fertilizers (Control) Order 1985
5.	Dress materials/readymade garments fabrics/textile items with imprints of excerpts or verses of the Holy Quran
6.	Deoiled groundnut cakes containing more than 1% oil and groundnut expeller cakes
7.	Fresh and frozen silver pomfrets of weight less than 300 gms.
8.	Fur of domestic animals, excluding lamb fur skin
9.	Fodder, including wheat and rice straw
10.	Hides and skins, namely:- (i) Cuttings and fleshing of hides and skins used as raw materials for manufacture of animal glue gelatine (ii) Raw hides and skins, all types excluding lamb fur skin (iii) All categories of semi-processed hides and skins including E.I. tanned and wet blue hides and skins and crust leather (iv) Clothing leather fur suede/hair, hair-on suede/shearing suede leathers (v) Fur leathers (vi) Industrial leathers, namely:- 1. Cycle saddle leathers 2. Hydraulic/packing/belting/harness/washer/leathers 3. Pickling band leathers 4. Strap/combing leathers (vii) Lining leathers namely:- 1. Lining suede from cow and buffalo hides and calf skins 2. Lining suede from goat, kid, lamb and sheep skins (viii) Luggage leathers - case hide or side/suit case/hand bag/luggage/cash bag leather

- (ix) Miscellaneous leathers, namely:-
 - 1. Book binding leathers
 - 2. Skiver leathers
 - 3. Transistor case/camera case leather
- (x) Shoe upper leathers, namely:-
 - 1. Bunwar leather
 - 2. Kattai slipper/sandal leather
- (xi) Sole leather chrome tanned sole leather
- 11. Horses - Kathiawari, Marwari and Manipuri breeds
- 12. Minerals, ores and concentrates, namely:-
 - (i) Chrome ores, other than (a) beneficiated chrome ore fines/ concentrates and (b) those mentioned in Part-III
 - (ii) Lumpy/blended manganese ore with more than 46% manganese
- 13. Milk, baby milk and sterilised liquid milk
- 14. Pasewa and any lac containing living insects; Sticklac; Broodlac
- 15. Pulses, all types, including lentils, grams, beans and flour made therefrom
- 16. Processed pulses other than those made out of the pulses imported under the Duty Exemption Scheme or by an EOU/Unit in the EPZ
- 17. Paddy (Rice in husk)
- 18. Rice bran, raw and boiled
- 19. Seeds and planting materials namely:

Castor seeds; cotton seeds except such cotton seeds as are of varieties/ hybrids of other countries grown under custom production; cashew seeds and plants; Egyptian clover (Barseem)-Trifolium alaxtum seeds; Fodder crop seeds; Green manure seeds other than Dhaincha; guar seeds (whole); jute seeds; linseeds; lucerne (alfalfa) medicago sativa; mesta seeds; Nux vomica seeds/bark/leaves/roots and powder thereof; onion seeds; seeds of ornamental plants (wild variety); paddy seeds (wild variety); pepper cuttings or rooted cuttings of pepper; Persian clover (Snaffel trifolium -resupinatum) seeds; red sanders seeds (Pterocarpus santalinus); rubber seeds; russa grass seeds and tufts; seeds of all forestry species; seeds of all oilseeds and pulses; soyabean seeds; sandalwood seeds (Santalum album); saffron seeds or corms (planting material for saffron); wheat seeds (wild variety)
- 20. Sea shells, excluding polished sea shells and handicrafts made out of sea shells, of all species, except those of the undermentioned species the export of which shall not be allowed in any form:
 - (i) Trochus niloticos
 - (ii) Turbo species
 - (iii) Lambis species
 - (iv) Tridacna gigas
 - (v) Xancus pyrus

21. Sea weeds of all types, including *G. edulis* but excluding brown sea weeds and agarophytes of Tamil Nadu coast origin in processed form.
22. Silk worms; silkworm seeds, and silk worm cocoons
23. (i) Vegetable oils in consumer packs above 5 kgs., namely:-
Coconut oil; cotton seed oil; corn oil; kardi oil; linseed oil; mustard oil; niger seed oil; palm oil; palm kernel oil; rape seed oil; rice bran oil; salad oil; sunflower oil; sesame seed oil; soyabean oil
- (ii) Groundnut Oil
24. (i) Vintage motor cars, parts and components thereof manufactured prior to 1.1.1950
- (ii) Vintage motorcycles, parts and components thereof manufactured prior to 1.1.1940
25. Viscose staple fibre (regular), excluding Polynosic Rayons.
26. Whole human blood plasma and all products derived from human blood except gamma globulin and human serum albumin manufactured from human placenta and human placental blood; Raw placenta; Placental blood plasma
27. Waste paper
28. Chemicals included in Schedules 2 & 3 to the Chemical Weapons Convention of the United Nations signed in Paris on 13-15 January 1993, as specified in Schedule 2 Appendix 5 of the book titled "ITC (HS) Classifications of Export and Import Items".
29. Imported sugar including sugar which has already landed and is pending clearance at the Customs.
30. Special Materials, Equipments and Technologies as specified in Schedule 2 Appendix 6 of the book titled "ITC (HS) Classifications of Export and Import Items".
31. Chemicals included in Annexures A and B to the Montreal Protocol on substances that deplete the Ozone layer as specified in Schedule 2 Appendix 7 of the book titled "ITC (HS) Classifications of Export and Import Items".
32. Any other item whose exports are regulated by a Public Notice issued by the Director General of Foreign Trade in this behalf.

Part III

16.3. CANALISED ITEMS

Sl. No.	Description of items	Canalising Agency
1.	Petroleum products, namely:-	Indian Oil Corporation Limited.
	(i) Aviation turbine fuel	
	(ii) Bitumen (asphalt) paving grade	
	(iii) Crude oil	
	(iv) Furnace oil	
	(v) High speed diesel	
	(vi) Kerosene	
	(vii) Liquified petroleum gas (LPG)	
	(viii) Motor spirit	
	(ix) Naptha	
	(x) Raw petroleum coke	
2.	Gum Karaya	The Tribal Cooperative Marketing Federation of India Limited (TRIFED), New Delhi.
3.	Mica waste (including factory cuttings) and scrap which is obtained by processing mica and which because of size and colour is considered below the specification of processed mica	MMTC Limited, New Delhi.
4.	Minerals ores and concentrates, namely :-	
	(i) Rare Earths (including Yttrium) ores, concentrates and compounds thereof	Indian Rare Earths Limited, Bombay.

- | | | |
|-------|---|--|
| (ii) | Other minerals containing the following substances as accessory ingredients including:- | Indian Rare Earths Limited, Bombay and Kerala Minerals & Metals Limited, Kollam. |
| | (a) Samerskite | |
| | (b) Uraniferrous allanite :-
Radium ores and concentrates | |
| (iii) | Granular sillimanite produced by Indian Rare Earths Limited and Kerala Minerals and Metals Limited | -do- |
| (iv) | Iron ore.

However, export of the following types of Iron ore are not canalised:-
(a) Iron ore of Goa origin when exported to China, Europe, Japan, South Korea and Taiwan, irrespective of the Fe content.
(b) Iron ore of Redi origin to all markets, irrespective of the Fe content.
(c) All Iron ore of Fe content upto 64%. | MMTC Limited. |
| (v) | (a) Chrome ore lumps with Cr_2O_3 not exceeding 38 per cent | -do- |
| | (b) Low silica friable/ fine ore with Cr_2O_3 not exceeding 52 percent and Silica exceeding 4 per cent | -do- |
| (vi) | All grades of bauxite, except calcined bauxite and low grade bauxite with alumina content Al_2O_3 less than 54 per cent of West coast origin | -do- |

- (vii) Manganese Ores excluding the following :-
Lumpy blended Manganese ore with more than 46 percent Manganese
5. Niger Seeds
6. Onions
- (i) MMTC Limited.
- (ii) Manganese Ore India Limited (MOIL) for manganese ore produced in MOIL mines.
- (i) National Agricultural Cooperative Marketing Federation of India Ltd., (NAFED), New Delhi.
- (ii) The Tribal Cooperative Marketing Federation of India Limited (TRIFED).
- (iii) National Dairy Development Board (NDDB).
- (iv) Madhya Pradesh State Cooperative Oilseed Grower's Federation Limited, Bhopal.
- National Agricultural Cooperative Marketing Federation of India Limited (NAFED).

APPENDIX-1**NFEP REQUIREMENT FOR CERTAIN ITEMS
Under EOU/ EPZ/EHTP scheme (Paragraph 9.5 of the Policy)****I. ELECTRONICS**

Computer software	60%
Electronic Hardware	No minimum stipulation

II. TEXTILES

(a) Readymade garments	40%
(b) Made-ups	30%
(c) Cotton yarn and cotton polyester yarn (ring spindles spun)	30%
(d) Cotton yarn and cotton polyester yarn (open-end spinning)	30%
(e) Piece goods	30%
(f) Denim fabrics	30%
(g) Terry towels	30%
(h) Silk fabrics	30%
(i) Silk and high fashion garments	30%

III. LEATHER PRODUCTS

(a) Leather footwear	30%
(b) Leather shoe uppers	30%
(c) Leather garments/goods	30%
(d) Sports shoes/sports footwear	30%

IV. GEM & JEWELLERY

(a) Plain gold jewellery	10%
(b) Studded gold jewellery	15%
(c) Silver jewellery	25%

V. OTHERS

(a)	Latex gloves	40%
(b)	Granite	50%
(c)	Clocks/Time pieces/wrist watches	30%
(d)	Cigarettes	35%
(e)	Cigarette lighters	40%
(f)	Bristles, including brushes	30%
(g)	Tissue culture plants	60%

VI. PRODUCTS NOT COVERED ABOVE	20%
--------------------------------	-----

